



उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग हरिद्वार

Website: psc.uk.gov.in

विज्ञापन संख्या : A-3/S-1/DR(L.I.C)/2024

उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग 'समूह-ग') सेवा
(सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) परीक्षा-2024

विज्ञापन प्रकाशन की तिथि	::	18 अक्टूबर, 2024
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि	::	07 नवम्बर, 2024 (रात्रि 11.59.59 बजे तक)
परीक्षा शुल्क- Net Banking/Debit Card/ Credit Card द्वारा जमा करने की अंतिम तिथि	::	07 नवम्बर, 2024 (रात्रि 11.59.59 बजे तक)
ऑनलाइन आवेदन पत्र में संशोधन/परिवर्तन करने की तिथि	::	19 नवम्बर, 2024 से 28 नवम्बर, 2024 (रात्रि 11.59.59 बजे तक)

अति महत्वपूर्ण निर्देश :-

- उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या-168/XXXVI(3)/2023/10(01)/2023 दिनांक 27 अप्रैल, 2023 द्वारा उत्तराखण्ड प्रतियोगी परीक्षाओं (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम-2023 प्रख्यापित किया गया है। किसी भी दुराचरण के लिए अभ्यर्थी के खिलाफ उत्तराखण्ड प्रतियोगी परीक्षाओं (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम-2023 समय-समय पर यथा संशोधित प्राविधानानुसार कार्यवाही की जाएगी।
- अभ्यर्थी अपने ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज आरक्षण से सम्बन्धित धारित सभी श्रेणी/उप श्रेणी का अंकन ऑनलाइन आवेदन पत्र में अवश्य करें। आरक्षण का दावा न किये जाने की दशा में रिट याचिका (स्पेशल अपील) संख्या: 79/2010 राधा मित्तल बनाम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग में मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पारित आदेश दिनांक 08.06.2010 तथा विशेष अनुज्ञा याचिका (सिविल) नं0 (एस) 19532/2010 में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रम में अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ कदापि अनुमन्य नहीं होगा। आरक्षण एवं शैक्षिक अर्हता विषयक प्रमाण पत्र, ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि तक अभ्यर्थी द्वारा धारित करना आवश्यक है।
- अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि वह ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की अन्तिम तिथि अर्थात् दिनांक 07 नवम्बर, 2024 तक विज्ञापन में वर्णित अनिवार्य शैक्षिक अर्हताएं एवं अन्य अर्हताएं अवश्य धारित करते हों।
सन्निरीक्षा मार्गदर्शिका-2022 (यथा संशोधित-2024) के क्रम में अनिवार्य शैक्षिक अर्हता धारित करने की तिथि का निर्धारण केवल अंक-पत्र निर्गत होने की तिथि (Marksheet Issuing Date) से किया जायेगा। अतः अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि ऑनलाइन आवेदन पत्र के शैक्षिक अर्हता (Qualification Detail) के विवरण में, Result Declaration Date के कॉलम में, संबंधित शैक्षिक अर्हता के अंक-पत्र निर्गत होने की तिथि (Marksheet Issuing Date) का अंकन हो।
विज्ञापन की शर्तानुसार वांछित अर्हताओं की पुष्टि न होने पर अभ्यर्थी को अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा।
- अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व विज्ञापन में वर्णित समस्त निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें तथा ऑनलाइन आवेदन पत्र को सही-सही भरें। अपूर्ण आवेदन पत्र किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे तथा अभ्यर्थी का अभ्यर्थन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करने हेतु अन्तिम तिथि की प्रतीक्षा न करें, बल्कि उससे पूर्व ही अपना ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें।

5.	<p>फर्जी प्रमाण पत्रों (शैक्षिक योग्यता/आयु/आरक्षण आदि सम्बन्धी) के आधार पर आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थियों को आयोग की समस्त आगामी परीक्षाओं से अधिकतम 05 वर्षों के लिए प्रतिवारित (DEBAR) कर दिया जायेगा। साथ ही सुसंगत विधि के अन्तर्गत ऐसे अभ्यर्थियों के विरुद्ध अभियोग भी दर्ज कराया जा सकता है। अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश पत्र पर पृथक से कुछ भी लिखना/लिखा होना भी अनुचित साधन की श्रेणी में आयेगा।</p>
6.	<p>प्रश्नगत परीक्षा हेतु मात्र ऑनलाइन आवेदन पत्र एवं Net Banking/Debit Card/Credit Card/UPI के माध्यम से ही आवेदन शुल्क स्वीकार किया जाएगा। किसी अन्य प्रकार से किया गया आवेदन/परीक्षा शुल्क स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि कोई अभ्यर्थी शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि तक निर्धारित शुल्क जमा नहीं करता है अथवा निर्धारित शुल्क से कम शुल्क जमा करता है, तो उसका आवेदन पत्र/अभ्यर्थन स्वतः निरस्त समझा जाएगा।</p>
7.	<p>ऑनलाइन आवेदन पत्र स्वीकार किये जाने की निर्धारित अंतिम तिथि/समय के पूर्व तक आवेदन पत्र में त्रुटि होने पर अभ्यर्थी अपना आवेदन रद्द (Cancel) कर प्रश्नगत पद हेतु पुनः आवेदन कर सकता है, किन्तु इस दशा में जमा किया गया शुल्क वापस नहीं होगा अर्थात् अभ्यर्थी को संशोधित/नवीन ऑनलाइन आवेदन पत्र के सापेक्ष पुनः आवेदन शुल्क जमा करना होगा।</p>
8.	<p>(i) ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि तक आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् ऑनलाइन आवेदन में अभ्यर्थियों द्वारा की गयी प्रविष्टियों में संशोधन/परिवर्तन (Edit/Correction) किये जाने हेतु केवल एक बार पुनः लिंक खोला जायेगा। अभ्यर्थीगण आवेदन पत्र की समस्त प्रविष्टियों को अत्यंत सावधानी पूर्वक भरें, ऑनलाइन आवेदन की प्रविष्टियों के अंतर्गत अभ्यर्थियों के नाम/जन्म तिथि/श्रेणी/उपश्रेणी/लिंग आदि में संशोधन हेतु अंतिम तिथि के उपरांत मात्र एक बार अवसर प्रदान किया जायेगा। विज्ञापन के बिन्दु संख्या-12 (संशोधन/परिवर्तन प्रक्रिया) में उल्लिखित प्राविधानानुसार ऑनलाइन आवेदन पत्र में अभ्यर्थियों द्वारा संशोधन/परिवर्तन (Edit/Correction) किया जायेगा।</p> <p>अभ्यर्थियों को सचेत किया जाता है कि उक्त संशोधन/परिवर्तन का अवसर प्रदान करने के उपरान्त किसी भी दशा में अभ्यर्थी द्वारा उनके ऑनलाइन आवेदन पत्र में अंकित किसी भी प्रविष्टि/दावे को संशोधित/परिवर्तित करने के अनुरोध पर आयोग द्वारा विचार नहीं किया जायेगा।</p> <p>(ii) ऑनलाइन आवेदन में किसी महिला अभ्यर्थी द्वारा पुरुष अथवा किसी पुरुष अभ्यर्थी द्वारा महिला का दावा किये जाने पर उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।</p>
9.	<p>(i) आवेदन के प्रारम्भिक चरण में ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रिंटआउट प्रति अथवा किसी भी प्रकार का प्रमाण-पत्र आयोग कार्यालय में जमा/प्रेषित करने की आवश्यकता नहीं है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंट आउट, भविष्य में आयोग से किये जाने वाले पत्राचार व अन्य आवश्यक साक्ष्य/प्रयोग हेतु अपने पास सुरक्षित रखें।</p> <p>(ii) प्रश्नगत पदों हेतु निर्धारित परीक्षा योजना/पाठ्यक्रम के अनुसार स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का आयोजन किया जायेगा।</p> <p>(iii) आयोग द्वारा मांगे जाने पर स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में सफल घोषित अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों की पुष्टि हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र की स्वहस्ताक्षरित प्रिंटआउट के साथ अनिवार्य शैक्षिक अर्हता, अधिमानी अर्हता, आरक्षण आदि से संबंधित समस्त प्रमाण-पत्रों की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति आयोग कार्यालय में निर्धारित तिथि को प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति में अभ्यर्थन निरस्त माना जायेगा।</p>

	<p>(iv) विज्ञापन में उल्लिखित शर्तानुसार यदि ऑनलाइन आवेदन-पत्र में अभ्यर्थी के दावे तथा प्रमाण-पत्रों में भिन्नता अथवा कमी पायी जाती है, तो अभ्यर्थी को प्रश्नगत पद हेतु अनर्ह घोषित कर दिया जाएगा।</p> <p>(v) विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में अर्ह अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों से संबंधित अभिलेखों यथा-शैक्षणिक, आरक्षण आदि का आयोग द्वारा सत्यापन, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सन्निरिक्षा मार्गदर्शिका-2022 (यथा संशोधित) के भाग-नौ में उल्लिखित प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा। ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों की पुष्टि हेतु नियत तिथि पर वांछित अभिलेख उपलब्ध न कराने पर अभ्यर्थी को प्रश्नगत परीक्षा हेतु अनर्ह घोषित कर दिया जायेगा। उपरोक्त के संबंध में अभ्यर्थियों को दैनिक समाचार पत्रों एवं आयोग की वेबसाइट के माध्यम से पृथक से सूचित किया जायेगा।</p> <p>(vi) अभ्यर्थियों को परीक्षा के विभिन्न चरणों की जानकारी दैनिक समाचार पत्रों एवं आयोग की वेबसाइट के माध्यम से पृथक से प्रदान की जायेगी। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण सूचनायें ई-मेल या एस0एम0एस0 के माध्यम से प्रेषित की जायेगी। इसलिए अभ्यर्थी स्वयं का मोबाईल नम्बर व ई-मेल आई0 डी0 ही आवेदन पत्र में भरें।</p>
10.	प्रश्नगत पदों पर चयन हेतु निर्धारित परीक्षा योजना, स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के पाठ्यक्रम के लिए परिशिष्ट-01, आरक्षण सम्बन्धी दावों के लिए निर्धारित प्रारूप हेतु परिशिष्ट-02, न्यूनतम अर्हक अंक हेतु परिशिष्ट-03, परीक्षा केन्द्र हेतु परिशिष्ट-04, 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता धारित दिव्यांग अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक अन्य सुविधा प्रदान किये जाने संबंधी मार्गदर्शिका सिद्धान्त हेतु परिशिष्ट-05, 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता धारित दिव्यांग अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक अन्य सुविधा प्रदान किये जाने संबंधी मार्गदर्शिका सिद्धान्त हेतु परिशिष्ट-06 तथा चैकलिस्ट हेतु परिशिष्ट-07 का अवलोकन करें।
11.	प्रश्नगत स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु न्यूनतम अर्हक अंकों के प्रतिशत का उल्लेख विज्ञापन के परिशिष्ट-03 पर उपलब्ध है। स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) केवल अर्हकारी प्रकृति की होगी। अभ्यर्थियों को विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में उनकी आरक्षण श्रेणी/उप-श्रेणी के अनुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त करने पर ही मेरिट (MERIT) के आधार पर प्रवीणता-सूची हेतु विचारित किया जायेगा।
12.	विज्ञापित पदों पर चयन हेतु अर्ह अभ्यर्थियों के लिए स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) की प्रक्रिया अपनायी जायेगी। विज्ञापन के परिशिष्ट-04 में उल्लिखित नगरों के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का आयोजन किया जायेगा। स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में सफल एवं अर्ह अभ्यर्थियों के लिए विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का आयोजन हरिद्वार नगर में स्थित परीक्षा केन्द्रों पर किया जायेगा। उक्त हेतु अभ्यर्थियों को आवंटित परीक्षा केन्द्र व परीक्षा तिथि की सूचना यथासमय आयोग की वेबसाइट psc.uk.gov.in तथा दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से प्रदान की जायेगी।
13.	प्रश्नगत विज्ञापन के सापेक्ष परीक्षा के विभिन्न चरणों हेतु अभ्यर्थियों को प्रवेश-पत्र डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे, अपितु ऑनलाइन प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर जारी किये जायेंगे। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं जन्मतिथि के आधार पर प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। इस संबंध में अभ्यर्थियों के सूचनार्थ विज्ञप्ति राज्य के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों एवं आयोग की वेबसाइट psc.uk.gov.in पर प्रसारित की जायेगी।
14.	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये ई0डब्ल्यू0एस0 प्रमाण पत्र, आवेदन की अंतिम तिथि तक वैध होना चाहिए।
15.	शासनादेश संख्या: 232/XXX(2)/2018-30(05)/2014, दिनांक 26 सितम्बर, 2018 के अनुक्रम में निःशक्तता से ग्रस्त दिव्यांगजन अभ्यर्थी भी अनारक्षित पद के सापेक्ष आवेदन कर सकते हैं, भले ही उनके लिए कोई रिक्ति आरक्षित हो या न हो। यदि पद संगत श्रेणी की दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों

	के लिए चिन्हित किया गया हो, तो उक्त श्रेणी के निःशक्तता से ग्रस्त ऐसे अभ्यर्थियों को योग्यता के सामान्य मानकों द्वारा ऐसे पदों पर नियुक्ति हेतु चुने जाने के लिए विचार किया जायेगा, परन्तु दिव्यांगजन को सरकारी सेवा में प्रवेश के समय दिव्यांगता की श्रेणी से भिन्न सामान्य स्वास्थ्य उपयुक्तता का प्रमाण पत्र नियमानुसार नियुक्ति प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।
16.	प्रश्नगत परीक्षा में अभ्यर्थियों का चयन प्रत्येक स्तर पर पूर्णतः औपबन्धिक है। यदि किसी अभ्यर्थी का प्रश्नगत परीक्षा में अन्तिम रूप से चयन कर लिया जाता है तथा चयन संस्तुति शासन को प्रेषित कर दी जाती है तो वैसी दशा में भी अभ्यर्थी के अभिलेखों में त्रुटि/विसंगति पाये जाने पर उस अभ्यर्थी की चयन संस्तुति शासन से वापस लेते हुए अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा।
17.	<p>(a) अभ्यर्थी एक से अधिक शाखा तथा विषयों हेतु आवेदन कर सकता है, जिसके लिए अभ्यर्थी को एक ही ऑनलाइन आवेदन करना है। पुरुष अभ्यर्थी केवल सामान्य शाखा तथा महिला अभ्यर्थी दोनों शाखाओं (महिला एवं सामान्य शाखा) हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र में ही शाखा तथा सम्बन्धित विषयों का उल्लेख किया जाना होगा। एक से अधिक विषयों हेतु आवेदन करने की दशा में प्रत्येक विषय हेतु निर्धारित शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क पृथक-पृथक जमा करना होगा।</p> <p>उदाहरण – यदि एक सामान्य श्रेणी की महिला अभ्यर्थी प्रवक्ता हिन्दी (शुल्क `150.00) तथा प्रवक्ता अंग्रेजी (शुल्क `150.00) दोनों विषयों हेतु अनिवार्य शैक्षिक अर्हता धारित करती है और वह दोनों शाखाओं (सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) के उक्त विषयों हेतु आवेदन करती है तो उसे दोनों शाखाओं (सामान्य शाखा (प्रवक्ता हिन्दी + प्रवक्ता अंग्रेजी) एवं महिला शाखा (प्रवक्ता हिन्दी + प्रवक्ता अंग्रेजी)) हेतु प्रोसेसिंग शुल्क के अतिरिक्त निर्धारित शुल्क पृथक-पृथक {सामान्य शाखा(`150.00 + `150.00= `300.00) + महिला शाखा (`150.00+ `150.00= `300.00)} अर्थात् कुल `600.00 (प्रोसेसिंग शुल्क अतिरिक्त) जमा करना होगा।</p> <p>स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में सफल घोषित अभ्यर्थियों को विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु परीक्षा शुल्क पृथक से आयोग द्वारा निर्धारित तिथि तक जमा करना अनिवार्य होगा। विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु परीक्षा शुल्क जमा न करने पर अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।</p> <p>(b) विषयवार लिखित (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा में एक से अधिक विषयों के सापेक्ष सफल घोषित अभ्यर्थियों द्वारा उक्त पदों हेतु ऑनलाइन वरीयता (Online Preference) भरी जानी अनिवार्य होगी। वरीयता प्रपत्र (Preference Sheet) की प्रिंटआउट प्रति अन्य शैक्षिक अभिलेखों के साथ आयोग कार्यालय द्वारा मांगे जाने पर विहित समय सीमा के अन्दर आयोग कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पदों की ऑनलाइन वरीयता (Online Preference) भरने के पश्चात् इसमें किसी प्रकार का संशोधन संबंधी अनुरोध किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।</p> <p>(c) उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के चिन्हित आंदोलनकारियों या उनके आश्रितों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिये जाने के संबंध में उत्तराखण्ड शासन, विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या-244/XXXVI(3)/2024/48(1)/2023, दिनांक 18 अगस्त, 2024 जारी की गई है। प्रश्नगत विज्ञापित पदों के सापेक्ष उक्त क्षैतिज आरक्षण से आच्छादित होने वाले पदों का विवरण शासन से प्राप्त नहीं हुआ है, जिस हेतु शासन से पृच्छा की गई है।</p> <p>उक्त क्षैतिज आरक्षण से आच्छादित होने वाले पदों के संबंध में शासन से प्रत्युत्तर प्राप्त होने पर इसकी सूचना विज्ञप्ति के माध्यम से यथासमय आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी।</p>

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा उत्तराखण्ड शासन के माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) पद हेतु ऑनलाइन आवेदन-पत्र (Online Application) आमंत्रित किये जाते हैं।

02. रिक्तियों का विवरण :- उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) पद हेतु रिक्तियों की कुल संख्या 613 (सामान्य शाखा में 550 पद एवं महिला शाखा में 63 पद) है। रिक्तियों की संख्या घटायी एवं बढ़ायी जा सकती है। रिक्तियों का शाखावार (सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) विवरण निम्नवत है:-

(क) प्रवक्ता संवर्ग (सामान्य शाखा) विषयवार कुल 550 पद:-

क्रम सं०	विषय	रिक्तियों की संख्या	अनु०जाति	अनु०जनजाति	अ०पि०वर्ग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	अनारक्षित
01.	हिन्दी	69	14	03	08	06	38
02.	अंग्रेजी	41	08	02	05	04	22
03.	संस्कृत	45	08	02	05	04	26
04.	भौतिक शास्त्र	57	11	02	08	05	31
05.	रसायन शास्त्र	36	07	01	05	03	20
06.	गणित	24	04	01	03	02	14
07.	जीव विज्ञान	50	08	02	05	05	30
08.	नागरिक शास्त्र	96	19	04	12	09	52
09.	अर्थशास्त्र	58	10	03	08	05	32
10.	इतिहास	25	04	00	03	02	16
11.	भूगोल	33	06	01	06	03	17
12.	समाजशास्त्र	10	01	00	02	01	06
13.	कला	02	00	00	00	00	02
14.	वाणिज्य	02	00	00	00	00	02
15.	कृषि शास्त्र	02	00	00	00	00	02
	योग	550	100	21	70	49	310

नोट:- उत्तराखण्ड शासन, समाज कल्याण अनुभाग-3 के शासनादेश संख्या- 48/XVII-A3/2023-01(11)/वि०क०/2017, दिनांक-05.06.2023 के अनुसार उक्त पद दिव्यांगता की उपश्रेणी OA, OL, LC, DW, AAV/AV, B, LV/PB, HH/PD, BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH (भाषा एवं सामाजिक विषय के पद डी० (Deaf) तथा पी०डी० (Partially Deaf) के लिए चिन्हित नहीं) हेतु चिन्हांकित हैं। उक्त दिव्यांगजन उपश्रेणी के अभ्यर्थी, उनके द्वारा धारित अर्हता के आधार पर अनारक्षित पदों के सापेक्ष खुली प्रतियोगिता के माध्यम से चयन हेतु आवेदन कर सकते हैं। तदक्रम में उक्त के अतिरिक्त दिव्यांगजन की अन्य उप श्रेणियों से संबंधित अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

प्रवक्ता संवर्ग – सामान्य शाखा
विषयवार क्षेत्रीय आरक्षण का विवरण
पदों की संख्या- 550

क्र० सं०	विषय	कुल विज्ञापित पदों की संख्या	अनु०जाति				अनु०जन०जाति				अन्य पिछड़ा वर्ग				आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग				सामान्य जाति / अनारक्षित				दिव्यांग		स्व०सं०से० के आश्रित	भूतपूर्व सैनिक	
			कुल अधियाचित पद	छ० महिला 30%	छ०अनाथ बच्चे 5%	कु०शाला खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	छ० महिला 30%	छ०अनाथ बच्चे 5%	कु०शाला खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	छ० महिला 30%	छ०अनाथ बच्चे 5%	कु०शाला खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	छ० महिला 30%	छ०अनाथ बच्चे 5%	कु०शाला खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	छ० महिला 30%	छ०अनाथ बच्चे 5%	कु०शाला खिलाड़ी 4%	विषयवार 4 %	अग्रणीत एवं नवीन अवधारित पद			
																								पूर्व अग्रणीत पद एवं नवीन पदों का विवरण			स्व.सं.सैनानी आश्रित 2%
1	हिन्दी	69	14	4	1	0	3	1	0	0	8	2	0	0	6	2	0	0	38	11	2	1	3	पूर्व चयन के क्रम में अग्रणीत 95 पद एवं नवीन अवधारित 22 पद। दिव्यांगता से संबंधित उक्त पदों का श्रेणीवार विस्तृत विवरण प्रपत्र-3 पर अंकित है।	1	3	
2	अंग्रेजी	41	8	2	1	0	2	1	0	0	5	2	0	0	4	1	0	0	22	7	1	0	2		0	2	
3	संस्कृत	45	8	2	1	0	2	1	0	0	5	2	0	0	4	1	0	0	26	8	1	1	2		0	2	
4	भौतिक शास्त्र	57	11	3	1	0	2	1	0	0	8	2	0	0	5	2	0	0	31	9	2	1	2		1	2	
5	रसायन शास्त्र	36	7	2	0	0	1	0	0	0	5	2	0	0	3	1	0	0	20	6	1	0	1		0	1	
6	गणित	24	4	1	0	0	1	0	0	0	3	1	0	0	2	1	0	0	14	4	1	0	1		0	1	
7	जीवविज्ञान	50	8	2	1	0	2	1	0	0	5	2	0	0	5	2	0	0	30	9	2	1	2		1	2	
8	नागरिक शास्त्र	96	19	6	1	0	4	1	0	0	12	4	1	0	9	3	0	0	52	16	3	2	4		1	4	
9	अर्थशास्त्र	58	10	3	1	0	3	1	0	0	8	2	0	0	5	2	0	0	32	10	2	1	2		1	2	
10	इतिहास	25	4	1	0	0	0	0	0	0	3	1	0	0	2	1	0	0	16	5	1	0	1		0	1	
11	भूगोल	33	6	2	0	0	1	0	0	0	6	2	0	0	3	1	0	0	17	5	1	0	1		0	1	
12	समाजशास्त्र	10	1	0	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	1	0	0	0	6	2	0	0	1		0	0	
13	कला	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0		0	0	
14	वाणिज्य	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0		0	0	
15	कृषि शास्त्र	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0		0	0	
	योग	550	100	28	7	0	21	7	0	0	70	23	1	0	49	17	0	0	310	92	17	7	22		5	21	

प्रपत्र-3
प्रवक्ता संवर्ग – सामान्य शाखा
दिव्यांगजन के अग्रेनीत 95 पदों एवं नवीन अवधारित 22 पदों का विवरण

क्र० सं०	विषय	कुल विज्ञापित पदों की संख्या	विषयवार दिव्यांगता की उपश्रेणी का चिह्नंकन	उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य शाखा) परीक्षा-2020 के अंतिम चयन परिणाम में दिव्यांगजन के अग्रेनीत पद	नवीन अवधारित पद					
					समाज कल्याण के शा०सं०-48 दि० 5 जून 23 एवं शा०सं०-03 दि० 6-2-24 के अनुसार श्रेणीवार विभाजन					
				महायोग	(क)	(ख)	(ग)	(घ) पद चिह्नित नहीं	(ङ)	महायोग
1	हिन्दी	69	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	3	1	0	1	0	1	3
2	अंग्रेजी	41	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	10	1	0	1	0	0	2
3	संस्कृत	45	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	1	0	1	0	0	2
4	भौतिक शास्त्र	57	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	17	1	1	0	0	0	2
5	रसायन शास्त्र	36	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	15	1	0	0	0	0	1
6	गणित	24	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	15	1	0	0	0	0	1
7	जीवविज्ञान	50	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	14	1	1	0	0	0	2
8	नागरिक शास्त्र	96	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	5	2	0	1	0	1	4
9	अर्थशास्त्र	58	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	4	1	0	1	0	0	2
10	इतिहास	25	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	1	0	0	0	0	1
11	भूगोल	33	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	5	1	0	0	0	0	1
12	समाजशास्त्र	10	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	3	1	0	0	0	0	1
13	कला	2	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	0	0	0	0	0	0	0
14	वाणिज्य	2	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	0	0	0	0	0	0	0
15	कृषि शास्त्र	2	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	0	0	0	0	0	0	0
	योग	550		95	13	2	5	0	2	22

नोट:- उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य शाखा) परीक्षा-2020 के अंतिम चयन परिणाम में दिव्यांगजन के अग्रेनीत पदों के सापेक्ष दिव्यांगता का श्रेणीवार विवरण उपलब्ध कराये जाने हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया गया है, जिसका प्रत्युत्तर प्राप्त होने पर सूचना पृथक से आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित की जायेगी।

2. समाज कल्याण के शा०सं०-48 दि० 5 जून 23 एवं शा०सं०-03 दि० 6-2-24 के क्रम में दिव्यांगजन के लिए आरक्षित पदों हेतु अंकित की गयी उक्त श्रेणी 'क', 'ख', 'ग', 'घ' एवं 'ङ' के सापेक्ष दिव्यांगता की चिह्नंकित उपश्रेणियों का विवरण पृथक से आयोग की वेबसाइट पर अभ्यर्थियों के अवलोकनार्थ प्रकाशित किया गया है। दिव्यांग अभ्यर्थियों द्वारा उक्त विवरण का अवलोकन करना आवश्यक है।

(ख) प्रवक्ता संवर्ग (महिला शाखा) के विषयवार कुल 63 पद:-

क्रम सं०	विषय	रिक्तियों की संख्या	अनु०जाति	अनु०जनजाति	अ०पि०वर्ग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	अनारक्षित
01.	हिन्दी	02	00	00	00	00	02
02.	अंग्रेजी	13	01	00	00	01	11
03.	भौतिक शास्त्र	07	00	00	01	00	06
04.	रसायन शास्त्र	02	00	00	01	00	01
05.	गणित	05	00	00	01	00	04
06.	जीव विज्ञान	02	00	00	00	00	02
07.	नागरिक शास्त्र	05	00	00	00	00	05
08.	इतिहास	02	00	00	00	00	02
09.	अर्थशास्त्र	11	00	00	01	01	09
10.	भूगोल	07	01	00	00	00	06
11.	गृह विज्ञान	07	01	00	00	00	06
	योग	63	03	00	04	02	54

नोट:- उत्तराखण्ड शासन, समाज कल्याण अनुभाग-3 के शासनादेश संख्या- 48/XVII-A3/2023-01(11)/वि०क०/2017, दिनांक-05.06.2023 के अनुसार उक्त पद दिव्यांगता की उपश्रेणी OA, OL, LC, DW, AAV/AV, B, LV/PB, HH/PD, BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH (भाषा एवं सामाजिक विषय के पद डी० (Deaf) तथा पी०डी० (Partially Deaf) के लिए चिन्हित नहीं) हेतु चिन्हांकित हैं। उक्त दिव्यांगजन उपश्रेणी के अभ्यर्थी, उनके द्वारा धारित अर्हता के आधार पर अनारक्षित पदों के सापेक्ष खुली प्रतियोगिता के माध्यम से चयन हेतु आवेदन कर सकते हैं। तदक्रम में उक्त के अतिरिक्त दिव्यांगजन की अन्य उप श्रेणियों से संबंधित अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

प्रवक्ता संवर्ग – महिला शाखा
विषयवार क्षेत्रीय आरक्षण का विवरण
पदों की संख्या- 63

क्र० सं०	विषय	कुल विज्ञापित पदों की संख्या	अनु०जाति				अनु०जन०जाति				अन्य पिछड़ा वर्ग				आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग				सामान्य जाति/ अनारक्षित				दिव्यांग	स्व०सं०से० के आश्रित	भूतपूर्व सैनिक
			कुल अधियाचित पद	उ० महिला 30%	उ०अनाथ बच्चे 5%	कुशल खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	उ० महिला 30%	उ०अनाथ बच्चे 5%	कुशल खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	उ० महिला 30%	उ०अनाथ बच्चे 5%	कुशल खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	उ० महिला 30%	उ०अनाथ बच्चे 5%	कुशल खिलाड़ी 4%	कुल अधियाचित पद	उ० महिला 30%	उ०अनाथ बच्चे 5%	कुशल खिलाड़ी 4%			
1	हिन्दी	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	पूर्व चयन के क्रम में अग्रणीत 14 पद एवं नवीन अवधारित 02 पद। दिव्यांगता से संबंधित उक्त पदों का श्रेणीवार विस्तृत विवरण प्रपत्र प्रपत्र-3 पर अंकित है।	0	0
2	अंग्रेजी	13	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	11	0	0	0	1		0	0
3	भौतिक शास्त्र	7	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	0		0	0
4	रसायन शास्त्र	2	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0		0	0
5	गणित	5	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0		0	0
6	जीवविज्ञान	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0		0	0
7	नागरिक शास्त्र	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0		0	0
8	अर्थशास्त्र	11	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	9	0	0	0	1		0	0
09	इतिहास	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0		0	0
10	भूगोल	7	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	0		0	0
11	गृह विज्ञान	7	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	0		0	0
	योग	63	3	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	2	0	0	0	54	0	0	0	2	0	0

प्रपत्र-3
प्रवक्ता संवर्ग – महिला शाखा
दिव्यांगजन के अग्रेनीत 14 पदों एवं नवीन अवधारित 02 पदों का विवरण

क्र० सं०	विषय	कुल विज्ञापित पदों की संख्या	विषयवार दिव्यांगता की उपश्रेणी का चिह्नांकन	उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य शाखा) परीक्षा-2020 के अंतिम चयन परिणाम में दिव्यांगजन के अग्रेनीत पद	नवीन अवधारित पद					
					समाज कल्याण के शा०सं०-48 दि० 5 जून 23 एवं शा०सं०-03 दि० 6-2-24 के अनुसार श्रेणीवार विभाजन	महायोग	(क)	(ख)	(ग)	(घ) पद चिह्नित नहीं
1	हिन्दी	2	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	0	0	0	0	0	0
2	अंग्रेजी	13	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	1	1	0	0	0	0	1
3	भौतिक शास्त्र	7	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	0	0	0	0	0	0
4	रसायन शास्त्र	2	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	0	0	0	0	0	0
5	गणित	5	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	0	0	0	0	0	0
6	जीवविज्ञान	2	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	0	0	0	0	0	0
7	नागरिक शास्त्र	5	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	0	0	0	0	0	0	0
8	अर्थशास्त्र	11	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	2	1	0	0	0	0	1
09	इतिहास	2	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	0	0	0	0	0	0	0
10	भूगोल	7	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	1	0	0	0	0	0	0
11	गृह विज्ञान	7	OA, OL, LC, DW, .AAV/AV, B, LV/PB BL, HH/PD, OAL, CP, MDY, TH, HP, BH	0	0	0	0	0	0	0
	योग	63		14	2	0	0	0	0	2

नोट:- उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य शाखा) परीक्षा-2020 के अंतिम चयन परिणाम में दिव्यांगजन के अग्रेनीत पदों के सापेक्ष दिव्यांगता का श्रेणीवार विवरण उपलब्ध कराये जाने हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया गया है, जिसका प्रत्युत्तर प्राप्त होने पर सूचना पृथक से आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित की जायेगी।

2. समाज कल्याण के शा०सं०-48 दि० 5 जून 23 एवं शा०सं०-03 दि० 6-2-24 के क्रम में दिव्यांगजन के लिए आरक्षित पदों हेतु अंकित की गयी उक्त श्रेणी 'क', 'ख', 'ग', 'घ' एवं 'ङ' के सापेक्ष दिव्यांगता की चिह्नांकित उपश्रेणियों का विवरण पृथक से आयोग की वेबसाइट पर अभ्यर्थियों के अवलोकनार्थ प्रकाशित किया गया है। दिव्यांग अभ्यर्थियों द्वारा उक्त विवरण का अवलोकन करना आवश्यक है।

02. (1) पदनाम- प्रवक्ता (संवर्ग)

(i)	पदनाम	प्रवक्ता (संवर्ग)
(ii)	विभाग	माध्यमिक शिक्षा विभाग
(iii)	पदों की संख्या	613 (550 पद सामान्य शाखा + 63 महिला शाखा)
(iv)	वेतनमान	47,600-1,51,100, लेवल-8
(v)	पद का स्वरूप	अराजपत्रित, अस्थायी/स्थायी (अविरल)/अंशदायी पेंशन योजना।
(vi)	आयु सीमा	न्यूनतम आयु सीमा-21 वर्ष, अधिकतम आयु सीमा-42 वर्ष। च

02. (2) पद हेतु अनिवार्य शैक्षिक एवं अधिमानी अर्हताएं- प्रवक्ता पद हेतु सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी द्वारा निम्नलिखित अर्हताएं धारित किया जाना अनिवार्य है:-

क्र०सं०	पद का नाम	अनिवार्य शैक्षिक अर्हता	अधिमानी अर्हताएं
01.	प्रवक्ता समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, इतिहास, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, गणित, अंग्रेजी।	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विषय में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)।	अन्य बातों के समान होते हुए भी सीधी भर्ती के मामले में उस अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा, जिसने:- (एक) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो, या (दो) नेशनल कैडेट कोर का 'बी' अथवा 'सी' प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो, या (तीन) एन०एस०एस० का 'सी' प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।
02.	प्रवक्ता नागरिक शास्त्र	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)	
03.	प्रवक्ता जीव विज्ञान	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान या जन्तु विज्ञान या एडवांस जन्तु विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)	
04.	प्रवक्ता हिन्दी	01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि। 02. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संस्कृत विषय के साथ स्नातक या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शास्त्री की उपाधि। 03. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल०टी० डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी०एड०)।	

05.	प्रवक्ता संस्कृत	<p>01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संस्कृत में स्नातकोत्तर उपाधि अथवा विधि द्वारा स्थापित किसी संस्कृत विश्वविद्यालय से आचार्य- साहित्य, आचार्य- व्याकरण, आचार्य- फलित ज्योतिष, आचार्य- नव्य व्याकरण, आचार्य वेद, आचार्य- तुलनात्मक दर्शन की उपाधि।</p> <p>02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल0टी0 डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी0एड0/शिक्षाशास्त्री)।</p>
06.	प्रवक्ता कला	<p>01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से रेखांकन और चित्रकला (ड्राइंग एण्ड पेन्टिंग)/ड्राइंग डिजाइन/प्राविधिक कला/पेंटिंग (फाईन आर्ट)/पेंटिंग (visual Art) में स्नातकोत्तर उपाधि।</p>
07.	प्रवक्ता कृषि शास्त्र	<p>01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से कृषि शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि।</p> <p>02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल0टी0 डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी0एड0)।</p>
08.	प्रवक्ता गृह विज्ञान	<p>01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से गृह कला या गृह विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि।</p> <p>02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल0टी0 डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी0एड0)।</p>
09.	प्रवक्ता, वाणिज्य	<p>01. भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि।</p> <p>02. राजकीय या सरकार से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय से एल0टी0 डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी0एड0)।</p>

03.	आयु गणना की विनिश्चयक तिथि	<p>आयु सीमा न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 42 वर्ष निर्धारित है। आयु गणना की विनिश्चयक तिथि 01 जुलाई, 2024 है अर्थात् 01 जुलाई, 2024 को अभ्यर्थी की आयु न्यूनतम 21 वर्ष से कम तथा 42 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अर्थात् अभ्यर्थी का जन्म 02 जुलाई 1982 के पूर्व तथा 01 जुलाई, 2003 के पश्चात् का नहीं होना चाहिए।</p>
04.	अधिकतम आयु सीमा में छूट	<p>विभिन्न श्रेणियों/उपश्रेणियों के अभ्यर्थियों हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत एवं वर्तमान में प्रचलित शासनादेशों के अनुसार उच्चतम आयु सीमा में उनके आरक्षण की श्रेणी तथा उपश्रेणी के अनुसार छूट अनुमन्य होगी।</p> <p>(i) उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु शासनादेश संख्या : 1399/XXX(2)/2005, दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है।</p> <p>(ii) उत्तराखण्ड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थियों के लिए शासनादेश संख्या : 1244/XXX(2)/2005, दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है।</p>

		<p>(iii) उत्तराखण्ड के दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए शासनादेश संख्या : 1244/XXX(2)/2005, दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट अनुमन्य है।</p> <p>(iv) अधिसूचना संख्या- 6/1/72 कार्मिक-2, दिनांक 25 अप्रैल, 1977 के अनुसार उत्तराखण्ड के पूर्व सैनिकों को अपनी वास्तविक आयु में से सशस्त्र सेना में अपनी सेवा की अवधि कम करने की अनुमति दी जायेगी और यदि परिणामजन्य आयु इस पद/सेवा के निमित्त जिनके लिए वह नियुक्ति का इच्छुक हो विहित अधिकतम आयु सीमा से 03 वर्ष से अधिक न हो तो यह समझा जायेगा की वह उच्च आयु सीमा से सम्बन्धित शर्त को पूरा करता है।</p> <p>शासनादेश सं0-51/XXX(2)2021-53(01)/2001, दिनांक 18 फरवरी, 2021 एवं शासनादेश सं0-277/XXX(2)2021-30(21)/2018, दिनांक 13 सितम्बर, 2021 द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजन के संबंध में निम्नवत् दिशा-निर्देश भी निर्गत किए गए हैं:-</p> <p>(a) Once an ex-serviceman has joined the Government job on civil side after availing of benefits given to him as an ex-serviceman for his re-employment, his ex-serviceman status for the purpose of re-employment would cease.</p> <p>(b) The ex-servicemen candidates who have already secured employment under the State Govt. in Groups C and D will be permitted the benefit of age relaxation as prescribed for ex-servicemen for securing another employment in a higher grade or cadre in Group C/D under the State Govt. However, such candidates will not be eligible for the benefit of reservation for ex-servicemen in State Govt. jobs.</p> <p>(c) If an ex-serviceman applies for various vacancies before joining any civil employment, he/she can avail of the benefit of reservation as ex-serviceman for any subsequent employment. However, to avail of this benefit, an ex-serviceman as soon as he/she joins any civil employment, should give self-declaration/undertaking to the concerned employer about the date-wise details application for various vacancies for which he/she has applies for before joining the initial civil employment. Further, this benefit would be available only in respect of vacancies which are filled on direct recruitment and wherever reservation is applicable to the ex-serviceman.</p> <p>यदि अभ्यर्थी एक से अधिक उपश्रेणी का दावा करता है तो वह केवल एक उपश्रेणी, जो उसके लिए अधिक लाभदायक होगी, का लाभ पाने का पात्र होगा।</p>
05.	अनिवार्य/ वांछनीय अर्हता	<p>(i) उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह 'ग' के पदों की भर्ती के लिए अनिवार्य/वांछनीय अर्हता नियमावली, 2010 (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार निम्नवत् है :-</p> <p>शासन की अधिसूचना संख्या- 164/XXX-2/19-01(17)/2012, दिनांक 28 जून, 2019 द्वारा 'उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह 'ग' के सीधी भर्ती के पदों पर भर्ती हेतु आवेदन करने के लिए, वही अभ्यर्थी पात्र होगा, जिसने अपनी हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट</p>

		<p>अथवा इनके समकक्ष स्तर की शिक्षा उत्तराखण्ड राज्य में स्थित मान्यता प्राप्त संस्थानों से उत्तीर्ण की हो,</p> <p>परन्तु यह कि सैनिक/अर्द्धसैनिक बलों में कार्यरत तथा राज्य सरकार अथवा उसके अधीन स्थापित किसी राजकीय/अर्द्धशासकीय संस्था में नियमित पदों पर नियमित रूप से नियुक्त कार्मिकों एवं केन्द्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों में नियमित पदों पर नियमित रूप से उत्तराखण्ड में कार्यरत ऐसे कर्मी, जिनकी सेवाएँ उत्तराखण्ड से बाहर स्थानांतरित नहीं हो सकती हों, स्वयं अथवा उनके पति/पत्नी, जैसी भी स्थिति हो, तथा उनके पुत्र/पुत्री, राज्याधीन सेवाओं में समूह "ग" के सीधी भर्ती के पदों पर चयन हेतु आवेदन के पात्र होंगे,</p> <p>परन्तु यह और कि राज्य की स्थायी निवासी जो अजीविका/अध्ययन हेतु उत्तराखण्ड के बाहर निवासरत हैं, के स्वयं अथवा उनके पति/पत्नी, जैसी भी स्थिति हो तथा उनके पुत्र/पुत्री भी समूह "ग" के सीधी भर्ती के पदों पर आवेदन हेतु पात्र होंगे।</p>
		<p>(ii) उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह "ग" के पदों की भर्ती के लिए अनिवार्य शैक्षिक अर्हता/वांछनीय अर्हता नियमावली, 2010 के नियम-4 के अनुसार उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत समूह "ग" के पद पर सीधी भर्ती हेतु वही अभ्यर्थी पात्र होगा जिसका नाम उत्तराखण्ड राज्य में स्थित किसी सेवायोजन कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्ति की अन्तिम तिथि तक अवश्य पंजीकृत हो।</p> <p>परन्तु शासन के पत्रांक- 1097/XXX(2)/2011, दिनांक 08 अगस्त, 2011 के अनुसार "जो व्यक्ति पूर्व से ही राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजित है, किन्तु इस विज्ञापन में विज्ञापित पदों के सापेक्ष आवेदन करने के इच्छुक हैं, उनके लिए सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। "उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या- 310/XXX(2)/2015, दिनांक 28.07.2015 के अनुसार राज्याधीन सेवाओं के अन्तर्गत केवल उत्तराखण्ड राज्य की सेवाएं सम्मिलित हैं।"</p> <p>ऐसे अभ्यर्थी जो उत्तराखण्ड राज्य की सेवाओं से इतर अन्य सेवाओं में कार्यरत हैं, अपने विभाग से सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण करा सकते हैं। उपरोक्त अभ्यर्थियों को उनके ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों के क्रम में जिनके द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया है, को इस शर्त के साथ औपबन्धिक रूप से अर्ह किया जायेगा कि वह इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे कि उनके द्वारा सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण हेतु अपने विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया है तथा इसकी सूचना सम्बन्धित सेवायोजन कार्यालय को दे दी गयी है। इस प्रकार उक्त दोनों आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही उस अभ्यर्थी को अर्ह माना जायेगा।</p>
		<p>(iii) शासन के पत्रांक-809/XXX(2)/2010-3(1)/2010, दिनांक 14 अगस्त, 2012 के अनुसार "जिन पूर्व सैनिकों द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के किसी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में पंजीकरण कराया गया है उन्हें पुनः सेवायोजन</p>

		<p>कार्यालय में पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी और जिला सैनिक कल्याण एवं एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा सम्बन्धित पूर्व सैनिकों को निर्गत पंजीकरण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र को सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण के समतुल्य माना जायेगा।”</p> <p>नोट- अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन किये जाने हेतु अनिवार्य/वांछनीय अर्हता के प्रस्तर-i, ii, iii में उल्लिखित शर्तों के अंतर्गत किसी भी एक शर्त को पूरा करना आवश्यक है, जो अभ्यर्थी पर लागू हो।</p>
06.	आरक्षण	<p>उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित, दिव्यांग, उत्तराखण्ड महिला, उत्तराखण्ड के अनाथ एवं उत्तराखण्ड के कुशल खिलाड़ी अभ्यर्थियों (केवल ओलम्पिक/विश्वकप/विश्व चैम्पियनशिप/एशियन खेल में पदक विजेता/प्रतिभाग किये कुशल खिलाड़ी हेतु अनुमन्य) हेतु आरक्षण भर्ती के समय प्रवृत्त सरकारी आदेशों के अनुसार प्रदान किया जायेगा।</p> <p>ऑनलाइन आवेदन पत्र के सम्बन्धित कॉलम में उर्ध्व/क्षैतिज आरक्षण श्रेणी/उप श्रेणी का दावा करने पर ही आरक्षण अनुमन्य किया जायेगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, उत्तराखण्ड के अनाथ बच्चे, पूर्व सैनिक, दिव्यांगजन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित (डी0एफ0एफ0), महिला एवं उत्तराखण्ड के कुशल खिलाड़ी श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थी, जो उत्तराखण्ड राज्य के अधिवासी नहीं हैं, को आरक्षण का लाभ अनुमन्य नहीं होगा।</p> <p>यदि अभ्यर्थी एक से अधिक उप श्रेणी में आरक्षण का दावा करता है तो वह केवल एक उपश्रेणी, जो उसके लिए अधिक लाभदायक होगी, का लाभ पाने का पात्र होगा।</p> <p>आरक्षण के लाभ का दावा करने वाले अभ्यर्थियों के पास अपनी श्रेणी/उपश्रेणी के समर्थन में निर्धारित प्रारूप पर सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र होना आवश्यक है, जिसे उन्हें ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति सहित अन्य स्वप्रमाणित अभिलेखों के साथ अभिलेख सत्यापन के समय संलग्न कर प्रस्तुत करना होगा। आरक्षण के सम्बन्ध में जिस श्रेणी से सम्बन्धित निर्धारित प्रारूप का उल्लेख “परिशिष्ट-3” में नहीं है, उससे सम्बन्धित प्रमाण पत्र, जो सम्बन्धित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप पर जारी किया गया हो, संलग्न करें। जहां शपथ पत्र प्रस्तुत करना भी आवश्यक हो वहां वांछित शपथ पत्र मजिस्ट्रेट अथवा नोटरी द्वारा विधिवत प्रमाणित कराकर प्रस्तुत करना होगा।</p> <p>i. पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ अधिसूचना संख्या-133/XXXVI(3)2009/14(1)/2009, दिनांक 16.03.2009 के अनुसार उत्तराखण्ड अधिवासी, सेना से सेवानिवृत्त/विनियोजित सैन्य कर्मियों को ही अनुमन्य होगा। शासनादेश संख्या-124/XXX(2)/2020-53(01)/2001, दिनांक 22.05.2020 के प्रस्तर-8 के अनुसार पूर्व सैनिकों को राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजन के सदर्थ में भारत सरकार के “O.M. No. 36034/27/84-Estt. (SCT) dated 02.05.1985, it was decided that once an ex-serviceman has joined the Government job on civil side after availing of the benefits given to him as an ex-serviceman for his re-employment, his exserviceman status for the purpose of re-employment in Government would cease.” का</p>

प्राविधान राज्य सरकार द्वारा अंगीकृत किया गया है। अतएव राज्याधीन सवोओं में सेवायोजन हेतु भारत सरकार की नीति के अनुसार राज्याधीन सवोओं में भी क्षैतिज आरक्षण की गणना की जायेगी। पूर्व सैनिक आरक्षण का दावा किए जाने की स्थिति में अभ्यर्थी को पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ लेकर पहले कभी भी सरकारी सेवा में नियोजित नहीं होने संबंधी शपथ पत्र (Affidavit) अपने अन्य अभिलेखों के साथ निर्धारित अभिलेख सत्यापन के समय आयोग कार्यालय में अनिवार्यतः प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा की स्थिति में अभ्यर्थन निरस्त माना जायेगा।

पूर्व सैनिक श्रेणी के अभ्यर्थियों की शैक्षिक अर्हता में समकक्षता/छूट हेतु निर्गत शासनादेश सं0-38(1)/XXX(2)/2021-30(21)/2018, दिनांक 18.02.2021 के प्रस्तर-1 में उल्लिखित "ऐसे पूर्व सैनिक जो मैट्रीकुलेट हों तथा इण्डियन स्पेशल आर्मी सर्टिफिकेट ऑफ एजुकेशन या नौ सेना/वायु सेना में समकक्षीय सर्टिफिकेट प्राप्त किये हों तथा संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम 15 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, को उनके लिये आरक्षित सिविल पदों के समूह-ग की उन सेवाओं/पदों के लिये अर्ह माना जायेगा, जिनके लिये न्यूनतम शैक्षिक अर्हता स्नातक निर्धारित हो, परन्तु जहां उनके लिये तकनीकी या व्यवसायिक अनुभव अनिवार्य न हो या जहां गैर तकनीकी व्यवसायिक कार्य अनुभव अनिवार्य हो के आलोक में शैक्षिक अर्हता स्नातक की समकक्षता संबंधी छूट प्रदान की जायेगी।

ii. स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी के आश्रित (डी0एफ0एफ0) को आरक्षण का लाभ शासन द्वारा निर्गत अद्यतन प्रचलित शासनादेशों के आधार पर दिया जायेगा।

iii. शासनादेश संख्या-310/XVII-2/16-02(OBC)/2012, दिनांक 26.02.2016 द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की वैधता, निर्गत होने की तिथि से 03 वर्ष की अवधि तक है। अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि तक अवश्य धारित व मान्य होना चाहिये।

iv. अधिसूचना संख्या-64/XXXVI(3)/2019/19(1)/2019, दिनांक 07.03.2019 द्वारा उत्तराखण्ड लोक सेवा (आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों हेतु के लिए आरक्षण) अधिनियम 2019 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को राज्याधीन लोक सेवाओं और सीधी भर्ती के पदों में 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का प्रमाण पत्र जिस वर्ष हेतु निर्गत किया जाये, उस वर्ष से पूर्व वित्तीय वर्ष की आय के आधार पर जारी होना चाहिए। उक्त के अतिरिक्त अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि तक अवश्य धारित व मान्य होना चाहिये। शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या- 29/XXXVI(3)/2019/03(1)/2019, दिनांक 05.02.2019 के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण का लाभ मात्र उत्तराखण्ड राज्य के स्थायी निवासी अभ्यर्थियों को ही अनुमन्य होगा। इस श्रेणी के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में किसी भी प्रकार की छूट अनुमन्य नहीं है।

v. उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 397/XXX(2)/2019-30(2)/2019 दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 के क्रम में कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-2

		<p>के पत्रांक— 415/XXX(2)/2019-30(2)/2019 दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य में संचालित स्वैच्छिक/राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ बच्चों को राजकीय/अशासकीय सेवा में 05 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जायेगा।</p> <p>vi. उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 09/XXXVI(3)/2023/72(1)/2022 दिनांक 10 जनवरी, 2023 के क्रम में उत्तराखण्ड लोक सेवा (महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण) अधिनियम-2022 के प्रस्तर-3(1) व (2) के अनुसार उत्तराखण्ड अधिवासित महिलाओं को क्षैतिज आरक्षण का लाभ अनुमन्य किया जायेगा।</p> <p>vii. उत्तराखण्ड शासन कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-2 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 208271/XXX(2)/2024-E40510 दिनांक 01 मई, 2024 के क्रम में उत्तराखण्ड लोक सेवा (कुशल खिलाड़ियों के लिए क्षैतिज आरक्षण) अधिनियम-2024 के प्रस्तर-3 के अनुसार उत्तराखण्ड अधिवासित कुशल खिलाड़ी जिन्होंने ओलम्पिक/विश्वकप/विश्व चैम्पियनशिप/एशियन खेल/कॉमनवेल्थ खेल/एशियन चैम्पियनशीप/कॉमनवेल्थ चैम्पियनशीप/अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेल/राष्ट्रीय खेल/मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशीप/अखिल भारतीय विश्वविद्यालय खेल/खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पदक प्राप्त किया हो अथवा प्रतिभाग किया हो वैसे कुशल खिलाड़ी को क्षैतिज आरक्षण का लाभ अनुमन्य किया जायेगा।</p> <p>आरक्षण के दावे की पुष्टि के लिए जिलाधिकारी/ अपर जिला मजिस्ट्रेट/ नगर मजिस्ट्रेट/ एस.डी.एम./ तहसीलदार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के निर्धारित प्रपत्र पर जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।</p>
		<p>viii. विकलांग आरक्षण के लाभ हेतु विकलांगता की विभिन्न श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में कम से कम 40 प्रतिशत की विकलांगता होना अनिवार्य है। जो भी पद विकलांगता श्रेणी/उपश्रेणी हेतु आरक्षित हैं, उसी विकलांगता श्रेणी/उपश्रेणी हेतु आरक्षण प्रदान किया जायेगा।</p> <p>शासनादेश संख्या: 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014, दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अनुपालन में 40 प्रतिशत या उससे अधिक प्रतिशत की विकलांगता से संबंधित दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किए जाने के संबंध में मार्गदर्शिका सिद्धांत परिशिष्ट-5(1), 5(2), 5(3) तथा 40 प्रतिशत से कम विकलांगता से संबंधित दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किए जाने के संबंध में मार्गदर्शिका सिद्धांत परिशिष्ट-6(1), 6(2), 6(3) में संलग्न है।</p>
07.	राष्ट्रीयता	<p>सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी :-</p> <p>(क) भारत का नागरिक हो; या (ख) तिब्बती शरणार्थी हो जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से 01 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत आया हो; या (ग) भारतीय उद्भव का ऐसा व्यक्ति हो, जिसने भारत में स्थायीरूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश केनिया, युगाण्डा और संयुक्त तन्जानिया गणराज्य (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो;</p>

		<p>परन्तु यह कि उपर्युक्त श्रेणी (ख) या (ग) से संबंधित अभ्यर्थी ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिनके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो;</p> <p>परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से संबंधित अभ्यर्थी के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक, अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना भी आवश्यक होगा;</p> <p>परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त श्रेणी (ग) से संबंधित है तो पात्रता का प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष की अवधि से बाद सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जायेगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।</p> <p>टिप्पणी :- ऐसे अभ्यर्थी को जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु उसे न तो जारी किया गया हो और न ही नामंजूर किया गया हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और उसे अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है, किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि उसके द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।</p>
08.	चरित्र	<p>सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस विषय में स्वयं समाधान करेगा।</p> <p>टिप्पणी :- संघ सरकार या राज्य सरकार अथवा संघ सरकार, या राज्य सरकार के स्वामित्व अथवा नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।</p>
09.	वैवाहिक प्रास्थिति	<p>सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो;</p> <p>परन्तु यह कि राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हैं।</p>
10.	शारीरिक स्वस्थता	<p>किसी भी अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक वह मानसिक व शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त हो, जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक निर्वहन करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित करने से पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह वित्तीय हस्तपुस्तिका, खण्ड-दो, भाग-तीन के अध्याय-तीन में समाविष्ट मूल नियम-10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे।</p>
11.	ऑनलाइन आवेदन किये जाने हेतु प्रक्रिया (Procedure to apply online)	
	1. अभ्यर्थी विज्ञापन का सम्यक रूप से अवलोकन करने हेतु आयोग की वेबसाइट psc.uk.gov.in या ukpsc.net.in पर जायें।	

2. विज्ञापन का अवलोकन करने के पश्चात **ukpsc.net.in** पर जाकर **Menubar** में **How to Apply** लिंक पर क्लिक करें। **How to Apply** पेज पर **Advertisement Details, Important Dates** एवं **Instructions for filling up online application form** का अवलोकन करने के पश्चात **Apply Now** बटन पर क्लिक करें।
- 3- **Apply Now** पर क्लिक करने के पश्चात् खुले **Registration** फॉर्म पर **वॉछित**, अपनी सही जानकारी भरकर **Login** हेतु **Password** बनाकर **Submit** पर क्लिक करें। **Submit** पर क्लिक करने के पश्चात फॉर्म पर भरी जानकारी **Basic Information** प्रदर्शित होगी। भरी हुई जानकारी का पुनः सम्यक परीक्षण कर लें। यदि भरी हुई जानकारी सही है तो **I have verified all the details entered by me in the registration form and wish to submit the same** पर **Tick** कर **Submit** पर क्लिक करें, अन्यथा **No, I want to change some details** पर **Tick** कर **Edit** पर क्लिक करें एवं संशोधित **detail** भरने के पश्चात् पुनः **Registration** फार्म **Submit** करने की प्रक्रिया पूर्ण करें।
4. **Submit** पर क्लिक करने के पश्चात स्क्रीन पर **Primary Registration** पूर्ण होने की जानकारी प्रदर्शित होगी एवं **Registered Mobile Number** एवं **Email** पर **Message** प्राप्त होगा। तत्पश्चात् स्क्रीन पर **Click here to login** के बटन पर क्लिक करें।
5. **Login** करने के पश्चात **Educational Details** पेज प्रदर्शित होगा। अनिवार्य शैक्षिक अर्हता का अवलोकन करने के पश्चात् दिये गये **Check Box** पर **Tick** करें। तत्पश्चात् अभ्यर्थी **High School** का विवरण भर कर **Add Education Details** पर क्लिक करें, भरा गया विवरण **Add Education Detail** के नीचे ग्रिड में प्रदर्शित होगा। गलत **Educational** विवरण भरने की स्थिति में ग्रिड में **Edit/Delete** के **Icon** पर क्लिक कर **Edit** अथवा **Delete** किया जा सकता है। इसी प्रकार **Intermediate, Graduate** व अन्य शैक्षिक अर्हताएं भरें। फॉर्म पर अन्य विवरण भर कर **Continue** पर क्लिक करें। उसके पश्चात **Photo & Signature to Upload** टैब पर **Photo, Signature** को प्रदर्शित सूचना के आधार पर अपलोड करें। **Photo, Signature** को **reupload** करने के लिए **I want to upload photo and signature Checkbox** पर क्लिक कर पुनः **Photo, Signature** अपलोड किये जा सकते हैं।
6. **Photo, Signature** अपलोड होने के पश्चात **“I hereby declare that the photograph & signature are correct and accurate representation of myself” declaration** पर **Tick** कर **Continue** पर क्लिक करें। तत्पश्चात् फॉर्म में भरा गया डाटा स्क्रीन पर दिखाई देगा। फार्म में भरे गये विवरण को सावधानी पूर्वक चेक कर लें। गलत भरे गये विवरण को **Back & Edit** के बटन पर क्लिक कर फार्म पर पुनः वापस जाकर सही किया जा सकता है। वॉछित विवरण सही होने की स्थिति में घोषणा पर **Tick** करने के पश्चात् **Final Button** पर क्लिक कर, अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें। **Print Application** बटन पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंट प्राप्त कर लें।
7. **Final Submission** के उपरान्त आवेदन-पत्र में त्रुटि होने पर अभ्यर्थी अपना आवेदन रद्द (**Cancel**) कर पुनः आवेदन कर सकते हैं। आवेदन रद्द (**Application Cancel**) करने के लिए **Cancel My Application** बटन पर क्लिक करें। तत्पश्चात एक नई विण्डो ओपन होगी, जिसमें दी गयी घोषणा का सम्यक् अध्ययन करने के पश्चात् घोषणा को **Tick** कर **Submit** बटन पर क्लिक करें अथवा वापस जाने हेतु **Close** की जगह **Back** बटन पर क्लिक करें। **Submit** पर क्लिक करने के पश्चात् अभ्यर्थी को पंजीकृत मोबाईल पर ओटीपी (OTP) प्राप्त होगा, जिसको कि **Enter OTP** वाली फील्ड्स पर दर्ज कर **Cancel Application** बटन पर क्लिक करें। आवेदन रद्द (**Application Cancel**) करने के

पश्चात् उस रद्द आवेदन (Cancel Application) के सापेक्ष किसी भी दशा में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

- नोट:** (1) **Final Submission** से पूर्व अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-पत्र में त्रुटि होने की दशा में **Back & Edit** के बटन पर क्लिक कर फार्म में वापस (Back) जाकर त्रुटि में संशोधन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन करते समय आने वाली तकनीकी समस्या (Technical Issue) के समाधान हेतु अभ्यर्थी ukpschelpine@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।
- (2) **Final Submission** के पश्चात् आवेदन-पत्र में भरे गये डाटा में अभ्यर्थी द्वारा किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता है।
- (3) अभ्यर्थी द्वारा रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण किये जाने के पश्चात् **मोबाइल नम्बर Edit** नहीं किया जा सकता है।

12. ऑनलाइन आवेदन में संशोधन/परिवर्तन प्रक्रिया-

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात् प्रविष्टियों में संशोधन/परिवर्तन किये जाने हेतु दिशा-निर्देश:-

- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि समाप्त होने के पश्चात् 05 कार्यदिवस के उपरांत (Edit/Correction) का लिंक खोला जाएगा।
- Edit/Correction हेतु उक्त लिंक की समयावधि 10 दिन होगी।
- जिन अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन प्रक्रिया पूर्ण की है, केवल वह अभ्यर्थी ही अपने ई-मेल आईडी0 एवं पासवर्ड से लॉग-इन कर पायेंगे।
- लॉग-इन करने के पश्चात् अभ्यर्थी शर्तानुसार अपने भरे हुए डाटा में (**मोबाइल नम्बर एवं ई-मेल आईडी0 को छोड़कर**) आवश्यकतानुसार संशोधन कर पायेंगे।
- अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में Edit/Correction की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी, उसके पश्चात् ही आवेदन पत्र में डाटा Update हो सकेगा।
- Edit/Correction की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् Edited Data ही अंतिम माना जायेगा।
- अभ्यर्थी द्वारा श्रेणी/उपश्रेणी में परिवर्तन किये जाने पर अभ्यर्थियों को परिवर्तित श्रेणी/उपश्रेणी का शुल्क विज्ञापन की शर्तों के अनुसार देय होगा, किन्तु अगर अभ्यर्थी केवल ऐसी उपश्रेणी (डी0एफ0एफ0/उ0म0 इत्यादि) में बदलाव करता है जिससे शुल्क में कोई प्रभाव नहीं पड़ता तो उस उपश्रेणी में बदलाव का कोई शुल्क देय नहीं होगा। अभ्यर्थी को अन्य प्रविष्टियों में परिवर्तन/त्रुटि सुधार करने पर कोई शुल्क देय नहीं होगा।

13. शुल्क- प्रश्नगत परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों को Net Banking/Debit Card/ Credit Card/UPI के माध्यम से निम्नानुसार शुल्क जमा करना अनिवार्य है:-

क्र0सं0 (Sr. No.)	श्रेणी (Category)	आवेदन-शुल्क (Application Fees)	प्रोसेसिंग शुल्क टैक्स सहित (Processing Fees with Tax)	कुल शुल्क (Total Fees)
1	अनारक्षित	रु0 150.00	रु0 22.30	रु0 172.30
2	उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग	रु0 150.00	रु0 22.30	रु0 172.30
3	उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति	रु0 60.00	रु0 22.30	रु0 82.30
4	उत्तराखण्ड आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	रु0 150.00	रु0 22.30	रु0 172.30

5	शारीरिक दिव्यांग	कोई शुल्क नहीं	₹0 22.30	₹0 22.30
6	उत्तराखण्ड राज्य में संचालित स्वैच्छिक/ राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ बच्चे	कोई शुल्क नहीं	कोई शुल्क नहीं	कोई शुल्क नहीं

नोट :- उत्तराखण्ड राज्य के पूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित एवं उत्तराखण्ड अधिवासित कुशल खिलाड़ी जिन्होंने ओलम्पिक/विश्वकप/विश्व चैम्पियनशिप/एशियन खेल में पदक प्राप्त किया हो अथवा प्रतिभाग किया हो, उत्तराखण्ड महिला अभ्यर्थी जिस वर्ग या श्रेणी, **यथा**—अनारक्षित या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी का हो, उसे उसी वर्ग/श्रेणी हेतु निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

14. अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्देश :-

- आयोग द्वारा सम्पन्न की जाने वाली सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया पदों से संबंधित संगत सेवा नियमावली, अद्यतन प्रचलित अधिनियमों/नियमावलियों/मैनुअल्स/मार्ग-दर्शक सिद्धान्तों एवं समय-समय पर मा0 आयोग द्वारा लिये गये निर्णयों इत्यादि में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत सम्पन्न की जायेगी।
- अभ्यर्थियों हेतु **Uttarakhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules-2013** यथा संशोधित-2016 और उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली-2022 यथा संशोधित आयोग की वेबसाइट psc.uk.gov.in पर उपलब्ध है।
- परीक्षा तिथि, समय एवं परीक्षा कार्यक्रम व परीक्षा केन्द्र** के सम्बन्ध में अनुक्रमांक सहित सूचना आयोग की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने वाले ऑनलाइन प्रवेश-पत्रों द्वारा प्रदान की जायेगी। अभ्यर्थियों को आवंटित केन्द्र पर ही परीक्षा देनी होगी। केन्द्र परिवर्तन सम्बन्धी कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- अभ्यर्थियों को प्रवेश-पत्र डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे अपितु आयोग की वेबसाइट पर जारी किये जायेंगे। अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं जन्मतिथि के आधार पर प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे।
- यदि किसी अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन करने से लेकर प्रवेश पत्र डाउनलोड होने तक कोई तकनीकी समस्या आती है तो वह इन समस्याओं के निवारण हेतु आयोग की ई-मेल ukpschelpine@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं।
- वस्तुनिष्ठ प्रकृति की परीक्षाओं में ऋणात्मक मूल्यांकन (Negative Marking) पद्धति अपनाई जायेगी।
- गलत उत्तरों के लिए दण्ड**— वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्रों में अभ्यर्थियों द्वारा दिये गये गलत उत्तरों के लिए दण्ड (ऋणात्मक मूल्यांकन)
 - प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प उत्तर के रूप में रहेंगे। अभ्यर्थी द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिये गए गलत उत्तर के लिए प्रश्न हेतु नियत किये गये अंकों का एक चौथाई दण्ड रूप में काटा जायेगा।
 - किसी प्रश्न का यदि अभ्यर्थी एक से अधिक उत्तर देता है, तो इसे गलत उत्तर माना जायेगा, यदि दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही भी हो, फिर भी उस प्रश्न के लिए उपरोक्तानुसार ही उसी तरह से दण्ड दिया जायेगा।
 - यदि अभ्यर्थी द्वारा कोई प्रश्न हल नहीं किया जाता है, अर्थात् अभ्यर्थी द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा।
 - यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक त्रुटि हो तो प्रश्न के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर को मानक माना जायेगा।

8. **उत्तर कुंजी आपत्ति**—वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्रों से सम्बन्धित उत्तर कुंजी का विवरण परीक्षा समाप्ति के उपरान्त आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जाएगा और अभ्यर्थी उत्तर कुंजी के प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर किसी प्रश्न व सम्बन्धित उत्तर के सम्बन्ध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त प्रत्यावेदनों पर आयोग द्वारा कोई विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थी से प्रतिप्रश्न आपत्ति के सापेक्ष 50.00 रुपये शुल्क के रूप में लिये जायेंगे। यदि अभ्यर्थी द्वारा प्रतिप्रश्न आपत्ति के सापेक्ष निर्धारित शुल्क जमा नहीं किया जाता है तो आयोग द्वारा उक्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। भुगतान के पश्चात शुल्क किसी भी दशा में अभ्यर्थियों को वापिस नहीं किया जायेगा। आपत्तियों के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों का निस्तारण सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों से कराने के उपरान्त विषय विशेषज्ञों की संस्तुतियों के आधार पर उत्तर पत्रकों का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।
9. स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में कैलकुलेटर या किसी भी प्रकार के गणना संबंधी उपकरण का प्रयोग वर्जित है।
10. अभ्यर्थी ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र/प्रमाण-पत्रों इत्यादि की सन्निरीक्षा के दौरान यदि अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में अर्हता के सम्बन्ध में किये गये दावों के सापेक्ष प्रस्तुत प्रमाण पत्रों/अभिलेखों में कोई कमी या असत्यता पायी जाती है, तो अभ्यर्थी को अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा। अनर्ह अभ्यर्थियों की सूचना आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी। उक्त सूचना डाक द्वारा प्रेषित नहीं की जायेगी। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को सूचना हेतु विज्ञप्ति राज्य के दैनिक समाचार पत्रों में एवं आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी। अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्रों का आयोग द्वारा निर्धारित तिथि में सत्यापन किया जायेगा, सत्यापन के दौरान यदि अभ्यर्थी की अर्हता के संबंध में प्रस्तुत दावे में कोई कमी या असत्यता पायी जाती है तो उसको अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा।
11. परीक्षा में अभ्यर्थियों को प्रश्नों के उत्तर स्वयं देने होंगे। दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को शासनादेश संख्या : 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014 दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अन्तर्गत 40 प्रतिशत अथवा इससे अधिक तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता धारित अभ्यर्थियों को नियमानुसार श्रुत लेखक की व्यवस्था अनुमन्य होगी। **(परिशिष्ट-6)**
12. केन्द्र अथवा राज्य सरकार/लोक प्रतिष्ठान के अधीन कार्यरत अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के पूर्व विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु अपने सेवा नियोजक को सूचित करना अनिवार्य है तथा चयन प्रक्रिया में आयोग द्वारा यथासमय मांगे जाने पर अभ्यर्थी को सेवा नियोजक द्वारा निर्गत **“अनापत्ति प्रमाण-पत्र”** प्रस्तुत करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किये जाने पर या अभ्यर्थी द्वारा विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि से पूर्व अपने विभाग में प्रस्तुत कर दिया हो तथा उसकी पावती की प्रति अभिलेखों के साथ प्रेषित की गई हो तो, ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी को सन्निरीक्षा टीप में औपबन्धिक अर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा तथा प्रश्नगत परीक्षा के अंतिम चयन परिणाम घोषित होने तक विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किये जाने की स्थिति में ऐसे अभ्यर्थियों का औपबन्धिक चयन परिणाम घोषित किया जायेगा।
13. **न्यूनतम अर्हक अंक**:- अनारक्षित वर्ग, उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग, उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2022 (यथा संशोधित) द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को सम्बन्धित श्रेणी/उपश्रेणी के अनुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त करने पर ही प्रवीणता सूची हेतु विचारित किया जायेगा।

14. अभ्यर्थियों को स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में सफल/अर्ह एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर, प्रश्नगत पद पर चयन हेतु अभ्यर्थी द्वारा दी गयी विषयवार ऑनलाइन वरीयता के क्रम में अन्तिम रूप से चयनित किया जायेगा। परीक्षा परिणाम आयोग की वेबसाइट psc.uk.gov.in पर प्रसारित किया जायेगा, जिसकी सूचना विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित करायी जायेगी।
15. प्रश्नगत परीक्षा में विषयवार पदों का आवंटन प्रवीणता सूची, शैक्षिक अर्हता, आयु, सेवा नियमावली, श्रेणी—उपश्रेणीवार तथा अभ्यर्थी द्वारा दी गयी ऑनलाइन वरीयता के आधार पर किया जायेगा। अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन प्रपत्र में दी गयी वरीयता में से वरीयतानुसार एक ही पद के सापेक्ष चयन किया जायेगा, अर्थात् किसी अभ्यर्थी के एक पद पर चयन होने के पश्चात् अन्य पदों हेतु उस अभ्यर्थी का चयन नहीं किया जायेगा।
16. आयोग द्वारा प्रश्नगत पदों का चयन परिणाम, विज्ञापित पदों हेतु विहित संगत सेवा नियमावली के प्राविधानों एवं उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2022 (यथा संशोधित) में निहित प्राविधानों के अनुसार तथा अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में पदों के सापेक्ष दी गयी वरीयता के आधार पर तैयार किया जायेगा।
17. अभ्यर्थियों को सचेत किया जाता है कि वे पूर्णतया यह संतुष्ट हो जाने के पश्चात् कि वे विज्ञापन/परीक्षा की सभी शर्तों को पूरा करते हैं, आवेदन करें और परीक्षा में बैठें।
18. आयोग अभ्यर्थियों को उनकी पात्रता के सम्बन्ध में कोई परामर्श नहीं देता है। इसलिये अभ्यर्थी विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें और तभी आवेदन करें जब वे संतुष्ट हो कि वे विज्ञापन की शर्तों के अनुसार अर्ह हैं। उन्हें विज्ञापन के अन्त में प्रकाशित पाठ्यक्रम का अध्ययन सावधानी से कर लेना चाहिए।
19. परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्रता की सभी शर्तों को पूरा करते हैं। परीक्षा के सभी स्तरों पर उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा। अभ्यर्थी को मात्र प्रवेश पत्र जारी किए जाने का यह अर्थ नहीं होगा कि उसका अभ्यर्थन आयोग द्वारा अन्तिम रूप से सुनिश्चित कर दिया गया है। यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी अर्ह नहीं था अथवा उसका आवेदन पत्र अस्वीकार किया जाना चाहिए था अथवा वह प्रारम्भिक स्तर पर ही स्वीकार किए जाने योग्य नहीं था, उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा और यदि वह अन्तिम रूप से चुन लिया जाता है तो भी आयोग की संस्तुति वापस ले ली जाएगी।
20. अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन पत्र के सभी स्तम्भ स्पष्टतः पूर्ण रूप से भरे होने चाहिए तथा किसी भी स्तम्भ को अपूर्ण या रिक्त न छोड़े। मूल ऑनलाइन आवेदन पत्र में दर्शाये गए विवरण में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं होगा।
21. उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के निर्णय के अनुसार किसी भी अभ्यर्थी को अपने आवेदन पत्र में गलत तथ्यों को जिनकी प्रमाण-पत्र के आधार पर पुष्टि नहीं की जा सकती, देने पर आयोग की समस्त परीक्षाओं के लिए प्रतिवारित (Debar) किया जा सकता है और उसके विरुद्ध आपराधिक दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।
22. अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने आवेदन पत्र, आयोग के साथ समस्त पत्राचार एवं परीक्षा से संबंधित सभी चरणों में सभी स्थानों पर उनके द्वारा किए गए हस्ताक्षर एक जैसे होने चाहिए और उनमें किसी भी प्रकार की भिन्नता नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर किए गए हस्ताक्षरों में यदि कोई भिन्नता पायी जाती है तो आयोग उसके अभ्यर्थन को रद्द कर सकता है।

23. हाईस्कूल प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी। जन्मतिथि हेतु उक्त प्रमाण पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होगा।
24. जो अभ्यर्थी विज्ञापन की शर्तों के अनुसार पात्र नहीं पाये जाएंगे उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा तथा परीक्षा में प्रवेश हेतु उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा। **अभ्यर्थियों के अभ्यर्थन/अर्हता/पात्रता के सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।**
25. परीक्षा केन्द्र परिसर में परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी द्वारा मोबाइल फोन, फोटो कैमरा, पेजर, स्कैनर पैन, ब्लूटूथ डिवाइस अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार क्षमता वाले यंत्र के प्रयोग की अनुमति नहीं है। यदि अभ्यर्थी इन अनुदेशों का उल्लंघन करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर लोक सेवा आयोग द्वारा भविष्य में आयोजित की जाने वाली इस अथवा सभी परीक्षाओं में बैठने पर रोक सहित अन्य कार्यवाही की जा सकती है। अभ्यर्थियों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा स्थल पर मोबाइल फोन, फोटो कैमरा, पेजर, स्कैनर पैन, ब्लूटूथ डिवाइस अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार क्षमता वाले उपकरण सहित किसी प्रकार की प्रतिबन्धित सामग्री न लायें।
26. **परीक्षा भवन में आचरण :-** परीक्षा केन्द्र/कक्ष में अभ्यर्थी न तो किसी के साथ दुर्व्यवहार करेंगे और न ही अव्यवस्था फैलायेंगे तथा परीक्षा के संचालन हेतु आयोग द्वारा तैनात स्टॉफ को परेशान भी नहीं करेंगे। ऐसे किसी भी दुराचरण के लिए कठोर दण्ड दिया जा सकता है। अभ्यर्थी परीक्षा की समाप्ति के उपरान्त उत्तर पुस्तिका कक्ष निरीक्षक को सौंपकर ही परीक्षा कक्ष के बाहर जायें।
27. **अनुचित साधन सख्ती से प्रतिबन्धित-** कोई भी अभ्यर्थी किसी भी अन्य अभ्यर्थी के उत्तर पत्रकों से न तो नकल करेगा, न ही अपने उत्तर पत्रकों से नकल करायेगा, न ही किसी अन्य तरह की अनुचित सहायता देगा, न ही सहायता देने का प्रयास करेगा, न ही सहायता प्राप्त करेगा और न ही प्राप्त करने का प्रयास करेगा। **ऐसे किसी भी दुराचरण के लिए अभ्यर्थी के खिलाफ उत्तराखण्ड प्रतियोगी परीक्षाओं (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अध्यादेश-2023 के प्राविधानानुसार कार्यवाही की जाएगी।**
28. कदाचार के दोषी पाये गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध **Uttarakhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules – 2013** यथा **संशोधित-2016** के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
29. **कदाचार के दोषी पाये गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्यवाही :-** अभ्यर्थियों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन पत्र भरते समय न तो कोई झूठे विवरण प्रस्तुत करें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति की किसी प्रविष्टि में कोई संशोधन या परिवर्तन या अन्यथा फेरबदल नहीं करें तथा न ही वे फेरबदल किया गया/जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि एक ही प्रकार के दो या दो से अधिक दस्तावेजों के बीच अथवा उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई असंगति या विसंगति पायी जाती है तो इस विसंगति के संबंध में अभ्यर्थी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा।
30. अभ्यर्थी को निम्नलिखित कारणों से आयोग द्वारा दोषी घोषित किया जायेगा :-
1. अग्रलिखित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया गया है, अर्थात् (क) गैर कानूनी रूप से परितोषण की पेशकश करना, (ख) अनुचित दबाव डालना, या (ग) परीक्षा आयोजित करने से संबंधित किसी भी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना अथवा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा
 2. नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा अनुचित लाभ प्राप्त करने के आशय से ओ0एम0आर0 उत्तर प्रत्रक/उत्तर पुस्तिका में अनुक्रमांक गलत भरा हो अथवा

3. प्रतिरूपण द्वारा छल करते हुए अन्य व्यक्ति से परीक्षा दिलायी हो कूटरचित प्रवेश पत्र के साथ परीक्षा भवन में प्रवेश किया हो, अथवा
4. जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा/फेरबदल किया गया हो, अथवा
5. गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
6. परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग किया है, (क) गलत तरीके से प्रश्न पत्र की प्रति प्राप्त करना (ख) परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी प्राप्त करना, (ग) परीक्षकों को प्रभावित करना, या
7. परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
8. उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना, जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हो या अश्लील या भद्दे रेखाचित्र बनाना, अथवा
9. परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना, जिनमें उत्तर पुस्तिकाओं का फाड़ना, उत्तर पुस्तिकाओं को परीक्षा कक्ष से लेकर भाग जाना, परीक्षा देने वालों को परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसे ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है, अथवा
10. परीक्षा संचालन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचायी हो, या
11. परीक्षा हॉल/साक्षात्कार कक्ष में परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या आयोग द्वारा वर्जित अन्य किसी प्रकार का इलैक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किये जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास रखे पाया गया हो, या
12. परीक्षा की अनुमति देते हुए अभ्यर्थियों को भेजे गये प्रमाण पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
13. उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयत्न किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, उन पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे (क) आयोग द्वारा किसी अभ्यर्थी को उस परीक्षा के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है जिसमें वह बैठ रहा है, और/अथवा (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए विवर्जित किया जा सकता है (ii) राज्य सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से प्रतिवारित किया जा सकता है। (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक (i) अभ्यर्थी को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वो देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो और (ii) अभ्यर्थी द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, (यदि कोई हो) आयोग द्वारा विचार न कर लिया गया हो।
31. नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति से पूर्व नियमानुसार अपेक्षित स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा। यह कार्यवाही नियुक्ति से पूर्व सम्बन्धित नियुक्ति अधिकारी/प्राधिकारी द्वारा पृथक से की जाएगी।
32. परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम, समय तथा केन्द्रों के सम्बन्ध में सूचना अनुक्रमांक सहित लोक सेवा आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराये जाने वाले प्रवेश-पत्रों के माध्यम से प्रदान की जायेगी।

- अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा आवंटित परीक्षा केन्द्र पर ही परीक्षा देनी होगी। परीक्षा केन्द्र में परिवर्तन के संबंध में कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।
33. आयोग से किये जाने वाले सभी प्रकार के पत्राचार में अभ्यर्थी अपने नाम के साथ आवेदित पद का नाम, विज्ञापन संख्या, जन्मतिथि, पिता/पति का नाम, रजिस्ट्रेशन संख्या तथा अनुक्रमांक (यदि जारी किया गया हो) का उल्लेख अवश्य करें।
34. अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन में किये गये दावों की पुष्टि हेतु सभी पुष्ट प्रमाण पत्र कार्यालय द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करने आवश्यक होंगे अन्यथा उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत आरक्षण सम्बन्धी सभी शासनादेशों एवं आरक्षण सम्बन्धी प्रारूपों के आधार पर ही आरक्षण का दावा एवं अनुमन्यता देय होगी।
35. प्रश्नगत पदों हेतु परीक्षा/चयन परिणाम, संगत सेवा नियमावली में विहित प्राविधानों के अन्तर्गत ही तैयार किया जायेगा तथा चयनित अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन में किये गये दावों की पुष्टि हेतु मूल शैक्षणिक एवं अन्य अभिलेखों से मिलान करने के पश्चात् ही चयन संस्तुति शासन को प्रेषित की जायेगी।
36. अभ्यर्थी स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में सफल/अर्ह एवं विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के दौरान, अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लिखित आई0डी0 अपने साथ अवश्य रखें एवं मांगे जाने पर उन्हें उक्त आई0डी0 की स्वप्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
37. आवेदित पद पर अन्तिम रूप से चयनित हो जाने के बाद भी अभ्यर्थी को नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता है जब तक कि शासन/विभाग को ऐसी जाँच करने के पश्चात् जैसा आवश्यक समझा जाय, यह समाधान न हो जाये कि वह नियुक्ति के लिए सभी प्रकार से पात्र है।
38. अभ्यर्थियों को परीक्षा से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं आयोग की वेबसाईट के माध्यम से उपलब्ध करायी जाएगी। अतः अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट psc.uk.gov.in का समय-समय पर अनुश्रवण (Monitoring) करना सुनिश्चित करें।

Sd/-
(गिरधारी सिंह रावत)
सचिव।

परिशिष्ट-1

उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग) सेवा (सामान्य तथा महिला शाखा) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर चयन हेतु परीक्षा योजना

क. प्रथम चरण
(स्क्रीनिंग परीक्षा-वस्तुनिष्ठ प्रकार)

क्र.स.	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय अवधि
1	शिक्षण अभिरूचि एवं सामान्य अध्ययन	150	150	02 घण्टे

- नोट:- 1. प्रश्नगत परीक्षा में ऋणात्मक मूल्यांकन (Negative Marking) पद्धति अपनायी जाएगी।
2. स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) केवल अर्हकारी प्रकृति की होगी। स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में सफल अभ्यर्थियों को ही विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) में सम्मिलित किया जायेगा।

परिशिष्ट-1 (क)

ख. द्वितीय चरण

(विषयवार लिखित परीक्षा-वस्तुनिष्ठ प्रकार)

प्रवक्ता पद हेतु आवेदित विषय की लिखित परीक्षा होगी। उक्त प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ व बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे।

क्र०स०	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय अवधि
1	200	200	03 घण्टे

लिखित परीक्षा में मूल्यांकन हेतु ऋणात्मक पद्धति प्रयुक्त की जाएगी। अभ्यर्थी, धारित शैक्षिक अर्हता के अनुसार लिखित परीक्षा हेतु निम्न विषयों में से विषय का चयन कर सकते हैं। विषय की सूची निम्नवत् है-

लिखित परीक्षा हेतु विषय सूची

क्रमांक	विषय
01	हिन्दी
02	अंग्रेजी
03	संस्कृत
04	भौतिक विज्ञान
05	रसायन विज्ञान
06	गणित
07	जीव-विज्ञान
08	नागरिक शास्त्र
09	अर्थशास्त्र
10	इतिहास
11	भूगोल
12	समाज शास्त्र
13	कला
14	गृह विज्ञान
15	वणिज्य
16	कृषि

गृह विज्ञान विषय हेतु लिखित परीक्षा-वस्तुनिष्ठ प्रकार का पाठ्यक्रम पृथक से विज्ञप्ति के माध्यम से यथाशीघ्र आयोग की वेबसाइट psc.uk.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

परिशिष्ट-1 (ख)

परीक्षा पाठ्यक्रम (प्रथम चरण)
स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का पाठ्यक्रम

खण्ड-1

शिक्षण अभिरूचि

प्रश्नों की संख्या – 40

पूर्णांक – 40

1. भारतीय शिक्षा व्यवस्था – राधाकृष्णन आयोग, मुदालियर आयोग, कोटारी आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 1986, राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, समानता के लिए शिक्षा, सर्व शिक्षा अभियान, शिक्षा का अधिकार, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान, ई-गवर्नेंस।
2. शिक्षण दक्षता एवं सम्प्रेषण – शिक्षण कौशल, शिक्षण विधियाँ एवं प्रविधियाँ, परम्परागत एवं आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री, शिक्षण प्रक्रिया एवं सम्प्रेषण – सम्प्रेषण के प्रकार एवं अच्छे सम्प्रेषण की विशेषताएं।
3. मूल्य आधारित शिक्षा – मूल्यों के प्रकार – वैयक्तिक एवं सामाजिक मूल्य, मूल्यों के ह्रास के कारण, शिक्षा द्वारा मूल्यों का उन्नयन।
4. कक्षानुशासन, विद्यालय अनुशासन, शैक्षिक नियोजन एवं प्रशासन।
5. विद्यालय में अनुपस्थिति व विद्यालय छोड़ने के कारण एवं समाधान।
6. शिक्षा में कम्प्यूटर/कम्प्यूटर शिक्षा – कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान; इसकी आवश्यकता एवं प्रयोग।
7. शैक्षिक तकनीकी – प्रकृति, प्रकार, आवश्यकता एवं उपयोग।
8. शिक्षण व्यवसाय एवं कार्य संतुष्टि।
9. विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक की भूमिका।
10. शैक्षणिक मूल्यांकन – आवश्यकता, प्रकार एवं विधियाँ।

खण्ड-2

सामान्य अध्ययन

प्रश्नों की संख्या – 35

पूर्णांक – 35

1. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सम-सामयिक घटनायें।
2. खेलकूद एवं मनोरंजन (राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर)।
3. भारत का इतिहास (प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक), संस्कृति एवं राष्ट्रीय आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माणकारी गतिविधियां इत्यादि।
4. भारत एवं विश्व का भौगोलिक ज्ञान।
5. प्राकृतिक संसाधन-प्रकार, नियोजन, संरक्षण एवं संवर्द्धन इत्यादि।
6. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषतायें, मौलिक अधिकार, तथा मूल कर्तव्य और राज्य के नीति-निर्देशक तत्व, उपभोक्ता सशक्तिकरण, उपभोक्ता के अधिकार एवं कर्तव्य, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986, बौद्धिक सम्पदा अधिकार, शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009, सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 इत्यादि।
7. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिकारों से संबंधित संगठन, नियम/अधिनियम व क्रियान्वयन इत्यादि।
8. सामान्य विज्ञान-दैनिक जीवन में विज्ञान की उपयोगिता।
9. पर्यावरणीय विकास- विकास से जुड़ी हुई समस्यायें: जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, इन समस्याओं से बचने के उपाय इत्यादि।
10. राष्ट्रीय आय की अवधारणा, अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय अर्थव्यवस्था, कृषि, वाणिज्य एवं उद्योगों के विकास की दशा एवं दिशा इत्यादि।

खण्ड—3

उत्तराखण्ड राज्य सम्बन्धी ज्ञान

प्रश्नों की संख्या – 30

पूर्णांक – 30

निर्देश:— इस खण्ड के 10 उपखण्डों में से प्रत्येक में से दो-दो प्रश्न निर्मित किये जाए।

1. सामान्य भूगोल—स्थिति एवं विस्तार, संरचना व उच्चावच्च, जलवायु, जलप्रवाह प्रणाली, जनसांख्यिकीय संरचना, प्रवास, यातायात, संचार तंत्र एवं राजकीय प्रतीक।
2. इतिहास—
क— प्राचीनकाल— निवास करने वाली जातियां/प्रजातियां, राजवंश (कुणिन्द, पौरव एवं कत्यूरी)।
ख— मध्यकाल— उत्तर कत्यूरी, चन्द और पंवार राजवंश।
ग— आधुनिक काल—गोरखा एवं ब्रिटिश काल, स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद परिदृश्य, उत्तराखण्ड के समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।
3. प्राकृतिक एवं आर्थिक संसाधन—जल, वन, वन्यजीव संरक्षण—पार्क, अभ्यारण्य, खनिज, पशुपालन, कृषि एवं बागवानी इत्यादि।
4. राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिप्रेक्ष्य—राज्य, जनपद व तहसील एवं ग्राम्य स्तर का प्रशासनिक संगठन, संवैधानिक व्यवस्था इत्यादि।
5. शिक्षा एवं संस्कृति— शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, रीति—रिवाज, उत्सव व मेले इत्यादि।
6. प्रमुख आन्दोलन— कुली बेगार, डोला पालकी, वन आंदोलन, पृथक उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन इत्यादि।
7. आर्थिक विकास—जल—विद्युत, औद्योगिक, उद्यानिकी एवं पर्यटन तथा औषधीय एवं सगंधीय पादप उद्योग संवर्द्धन, उत्तराखण्ड राज्य प्राप्ति के बाद आर्थिक परिवर्तन इत्यादि।
8. विकासपरक योजनायें—अनुसूचित जाति/जनजाति सम्बन्धी योजनायें इत्यादि।
9. सम—सामयिक महत्वपूर्ण घटनायें।
10. खेलकूद एवं मनोरंजन।

खण्ड –4

सामान्य बुद्धि परीक्षण

प्रश्नों की संख्या – 25

पूर्णांक – 25

शाब्दिक, अशाब्दिक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न जिनमें प्रतिशत, अनुपात एवं समानुपात, साधारण तथा मिश्रित ब्याज, लाभ – हानि तथा छूट, समय – कार्य एवं वेतन, समय और दूरी, महत्तम तथा लघुत्तम समावर्तक इत्यादि पर निहित हो।

तुल्यता, निगमानक तर्क, समानता एवं अंतर, लुप्त अंक, वर्ण एवं अनुक्रम, निर्णय लेना, विभेद, सम्बन्ध अवधारणा, दिशाबोध, कूट बद्ध – कूटानुवाद, अंकगणितीय तर्क इत्यादि पर सम्बन्धित प्रश्न।

रेलगाड़ियों, नाव और धाराओं, कैलेन्डर, घड़ियों, तार्किक वैन चित्र, आंकड़ों का चित्रों एवं ग्राफ द्वारा प्रस्तुतीकरण, आंकड़ों का माध्य, माध्यिका, बहुलक, परास द्वारा विश्लेषण इत्यादि पर सम्बन्धित प्रश्न।

खण्ड –5

सामान्य हिन्दी

प्रश्नों की संख्या –20

पूर्णांक–20

निर्देश: प्रत्येक प्रश्न वस्तुनिष्ठ या बहुविकल्पीय तथा एक-एक अंक का होगा। सभी प्रश्नों के चार वैकल्पिक उत्तर देने होंगे, जिनमें से केवल एक विकल्प ही सही होगा।

पाठ्यक्रम

भाग (क)

1. पर्यायवाची शब्द।
2. विलोम शब्द।
3. तत्सम शब्द।
4. तद्भव शब्द।
5. वाक्यांश के लिए एक शब्द।

भाग (ख)

1. उपसर्ग।
2. प्रत्यय।

भाग (ग)

1. वर्तनी शुद्धि।
2. वाक्य शुद्धि।

भाग (घ)

1. समास।
2. समास विग्रह।
3. सन्धि।
4. सन्धि-विच्छेद।

भाग (ङ)

1. मुहावरें।
2. लोकोक्ति।

Syllabus for Direct Recruitment the Post of Uttarakhand Special Subordinate Education (Lecturer' s Cader) (General And Female Branch)

(Screening Examination-Objective Type)

S.No.	Subject	No. of Questions	Maximum Marks	Time Allowed
1	Teaching Aptitude & General Studies	150	150	02 Hours

Note:: there will be adopted negative marking in examination

Syllabus for Screening Examination

Section- 1

Teaching Aptitude

NO. of questions: 40

Maximum Marks: 40

1. Indian Education System – Radhakrishnan Commission, Mudaliar Commission, Kothari Commission, University Grant Commission (UGC), National Council Of Educational Research And Training (NCERT), National Council for Teacher Education (NCTE), National Education Policy – 1986, National Knowledge Commission, Education for Equality, Sarva Shiksha Abhiyan, Right to Education, Rashtriya Uchchattar Shiksha Abhiyan, E-governance.
2. Teaching Efficiency and Communication – Teaching skills, Teaching Methods and Techniques, Traditional and Modern Teaching Aids, Communication and Teaching process-Types of Communication and Characteristics of Good Communication.
3. Value Based Education – Types of Values – Individualistic and Social Values, Reasons for deterioration in Values, Inculcation of Values through Education.
4. Class-room Discipline, School Discipline, Educational Planning and Administration.
5. Absence from school and reasons for drop-out from school and its solutions.

- 6. Computer in Education/Computer Education – Fundamental knowledge of Computer, its need and applications.**
- 7. Educational Technology – Nature, types, need and uses.**
- 8. Teaching Profession and Job- Satisfaction.**
- 9. Role of Teacher in Personality Development of Students.**
- 10. Educational Evaluation – Need, Types and Methods.**

Section- 2

General Studies

No. of Questions: 35

Maximum Marks: 35

1. Contemporary events of National and International significance.
2. Sports and Entertainment (National and International level).
3. History of India (Ancient, Medieval and Modern), Culture, National Movements and Nation Making Activities etc.
4. Elementary knowledge of Indian and World Geography.
5. Natural resources – Types, Planning, Conservation and Enhancement etc.
6. Salient features of Indian Constitution, Fundamental Rights and Duties, Directive Principles of State Policy, Consumer Empowerment: Consumer Rights and Responsibilities, Consumer Protection Act 1986, Intellectual Property Rights (IPR), Right to Education (R.T.E.) Act 2009 and Right to Information (R.T.I.) Act 2005 etc.
7. Human Rights Related to Organization, Rules/Acts and Activations etc. at National and International level.
8. Elementary Science – Utility of Science in daily life.
9. Environmental Development – Problems related to development: Increase in Population, Environmental Pollution, Climate change, Safeguards against these problems etc.
10. Concept of National income, International and Indian Economy, Agriculture, Commerce and Industry: its Development, Directions and Conditions, etc.

Section- 3

Knowledge of Uttarakhand State

No. of Questions: 30

Maximum Marks: 30

Instructions: This section comprises 10 sub-sections. Two questions to be set from each section.

1. General Geography – Location and Extension, Structure and relief, Climate, Water system, Demographic profile, Migration, Transport, Communication system, State symbols.
2. History :
 - (a) Ancient Period: Tribes, Sub-tribes, Dynasties (Kunindas, Paurav and Katyuri).
 - (b) Medieval period: Later Katyuris, Chands and Panwars.
 - (c) Modern period: Gorkha and British period, Freedom struggle, Post Independence scenario, Historical background of Uttarakhand society.
3. Natural and Economic resources – Water, Forests, Wildlife Protection Parks, Sanctuaries, Minerals, Animal Husbandry, Agriculture and Horticulture etc.
4. Political and Administrative context – Administrative structure and Constitutional system at State, District, Tehsil and Village level etc.
5. Education and Culture – Educational and Training Institutions, Rituals, Festivals and Fairs etc.
6. Main Movements – Coolie-begaar, Dola Palki, Forest Movement, Movement for separate Uttarakhand State etc.
7. Economic Development – Industrial Development of Hydroelectric, Horticulture & Tourism and Aromatic & Medicinal Plants, Economic Changes after formation of Uttarakhand State etc.
8. Developmental Plans – Plans related to Scheduled Castes and Scheduled Tribes etc.
9. Important Contemporary events.
10. Sports and Entertainment.

Section- 4

General Intelligence Test

NO. of questions – 25

Maximum Marks - 25

Questions of verbal, Non-verbal and analytical type having Percentage, Ratio and Proportion, Simple and Compound Interest, Profit- Loss and Discount, Time- Work and Wages, Time and Distance, HCF and LCM of numbers etc.

Questions on Analogies, Syllogism, Similarities and Differences, Missing numbers, Characters and Sequence, Decision making, Discrimination, Relationship concepts, Direction sense, Coding- decoding, Arithmetic reasoning etc.

Questions on Trains, Boats and Steams, Calendar, Clocks, Logical Venn diagram, Representation of data by diagrams and graphs, Analysis of data – Mean, Median, Mode and Range etc.

परिशिष्ट-1 (ग)

(द्वितीय चरण)

(विषयवार लिखित परीक्षा-वस्तुनिष्ठ प्रकार)
का पाठ्यक्रम

प्रवक्ता पद हेतु आवेदित विषय की लिखित परीक्षा होगी। उक्त प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ व बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे।

क्र०स०	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय अवधि
1	200	200	03 घण्टे

लिखित परीक्षा में मूल्यांकन हेतु ऋणात्मक पद्धति प्रयुक्त की जाएगी। अभ्यर्थी, धारित शैक्षिक अर्हता के अनुसार लिखित परीक्षा हेतु निम्न विषयों में से विषय का चयन कर सकते हैं। विषय की सूची निम्नवत् है-

लिखित परीक्षा हेतु विषय सूची

क्रमांक	विषय
01	हिन्दी
02	अंग्रेजी
03	संस्कृत
04	भौतिक विज्ञान
05	रसायन विज्ञान
06	गणित
07	जीव-विज्ञान
08	नागरिक शास्त्र
09	अर्थशास्त्र
10	इतिहास
11	भूगोल
12	समाज शास्त्र
13	कला
14	गृह विज्ञान
15	वाणिज्य
16	कृषि

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के लिए विषयवार पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

हिन्दी

- हिन्दी साहित्य का इतिहास:** पृष्ठभूमि, काल-विभाजन, नामकरण, वर्गीकरण एवं युग प्रवृत्तियाँ
—आदिकाल (वीरगाथा काल)
—भक्तिकाल (पूर्वमध्य काल)
—रीतिकाल (उत्तरमध्य काल)
—आधुनिककाल (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग एवं छायावादोत्तर युग)
- आदिकालीन हिन्दी काव्य:** सिद्धकवि, नाथकवि, जैन मतावलंबी कवि, आदिकाल का वीरगाथात्मक काव्य, आदिकाल के अन्य कवि।
- भक्तिकालीन हिन्दी काव्य:** संतकाव्य: कवि और कृतियाँ, सूफीकाव्य: कवि और कृतियाँ, राम काव्य: कवि और कृतियाँ, कृष्ण काव्य: कवि और कृतियाँ।
- रीतिकालीन हिन्दी काव्य:** प्रमुख रीतिबद्ध कवि, प्रमुख रीति सिद्ध कवि, प्रमुख रीतिमुक्त कवि।
- आधुनिक हिन्दी साहित्य:** (गद्य, पद्य एवं इतर गद्य विधाएँ)
भारतेन्दु युग: काव्यधारा तथा गद्यसाहित्य, द्विवेदी युग: काव्यधारा तथा गद्यसाहित्य।
छायावाद युग: काव्यधारा तथा गद्य साहित्य, छायावादोत्तरकाल: काव्यधारा तथा गद्य साहित्य, प्रगतिवादी काव्य, प्रयोगवादी काव्य, नई कविता, समकालीन कविता, अद्यतन गद्यसाहित्य एवं इतर गद्यविधाएँ (रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृत्तांत, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्टाज, फीचर, पत्र-पत्रिकाएँ तथा रचनात्मक लेखन एवं जनसंचार माध्यम आदि), दलित साहित्य।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना:**
भारतीय काव्यशास्त्र: काव्य-लक्षण, काव्य-प्रयोजन, काव्य-हेतु, काव्य-सम्प्रदाय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य), भरतमुनि का रस-सूत्र और उसके व्याख्याकार, शब्दशक्ति विवेचन-शब्दशक्ति का स्वरूप एवं शब्दशक्ति के प्रकार, रस-विवेचन, रस से तात्पर्य, रस के अवयव, रस के भेद तथा रसों की परस्पर अनुकूलता और प्रतिकूलता, साधारणीकरण, गुण-दोष विवेचन: काव्य के गुण तथा दोष, अलंकार विवेचन: अलंकार से तात्पर्य, अलंकार के मुख्य भेद, बिम्ब, प्रतीक, छन्द विवेचन: छन्द का स्वरूप, छन्द से तात्पर्य, छन्द के घटक, छन्द के भेद, गण, मुक्त छन्द।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र: प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, लौंजाइनस: काव्य में उदात्त तत्त्व, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद, आई. ए.रिचर्ड्स: संप्रेषण सिद्धान्त।
हिन्दी आलोचना: हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक—रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, डॉ० नगेन्द्र, डॉ० नामवर सिंह।

7. (I) **हिन्दी वाक्य रचना एवं व्याकरण:** शब्द-विचार-शब्दों के भेद (उद्गम के आधार पर, बनावट या रचना के आधार पर, रूपान्तरण के आधार पर), शब्द निर्माण: उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि एवं सन्धि विच्छेद, समास एवं समास विग्रह, वाक्य विचार: वाक्य भेद एवं वाक्य शुद्धि, वाक्यांश के लिए एक शब्द, वर्तनी शुद्धि, बोध-शक्ति (अपठित गद्यांश एवं पद्यांशबोध)।
- (II) **संस्कृत वाक्य रचना एवं व्याकरण:** सन्धि, समास, कारक, शब्दरूप एवं धातुरूप।
8. मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं सूक्तियाँ।
9. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, हिन्दी भाषा के विविध रूप, हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ: वर्गीकरण और क्षेत्र, मानक भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा।
10. उत्तराखण्ड के साहित्य और संस्कृति का सामान्य परिचय।

English

Unit I -Poetry:

William Wordsworth, John Keats, Tennyson, Matthew Arnold, T.S. Eliot, W.B. Yeats, Stephen Spender, Robert Frost, Sarojini Naidu, A.K. Ramanujan and Kamla Das.

Unit II - Essay:

Francis Bacon, Charles Lamb, William Hazlitt, Bertrand Russel, A.G.Gardiner, M.K. Gandhi , Khushwant Singh and A.P.J. Abdul Kalam.

Unit III- Novel:

Henry Fielding , Thomas Hardy, Virginia Woolf, E.M. Forster, Mulk Raj Anand, R.K. Narayan , Raja Rao, Amitav Ghosh and Arvind Adiga.

Unit IV-Drama:

William Shakespeare, Bernard Shaw, Harold Pinter, Girish Karnad , R.N.Tagore, Vijay Tendulkar and Mahesh Dattani.

Unit V-Short Story :

O' Henry, Guy de Maupassant, Ernest Hemingway, Shashi Deshpande, Ruskin Bond and Arundhati Roy.

Unit VI- Comprehension of the Text:

1. Prose Passage
2. Poetry Passage

(Questions shall be based on the interpretation of theme and style of the two passages)

Unit VII- An Acquaintance with Literary Forms, Terms and Movements

1. Renaissance, Metaphysicals , Gothic Novel, Pre-Raphaelites, Post – Modernism ,Existentialism, Deconstruction and Intertextuality.
2. Ballad, Sonnet, Elegy, Ode, Metre, Heroic Couplet, Katharsis, Hamartia, Aside, Chronicle Play and Travelogue.

Unit VIII- Test of Vocabulary :

1. One Word Substitution
2. Antonyms, Synonyms and Homonyms
3. Phrasal verbs and Idioms and Phrases.
4. Spellings.

Unit IX-Application of the Rules of English Grammar :

1. Uses of Tenses and Conditional Sentences.
2. Subject-verb Agreement.
3. Transformation of Sentences.
4. Direct-Indirect Narration.

Unit X-Test of Writing Skills :

1. Parts of Speech and Figures of Speech with their usage in sentences.
2. Technical Aspects of Letter and Report Writing.

संस्कृत

1. वैदिक साहित्य

वैदिक साहित्य का इतिहास

वैदिक काल—निर्धारण के विषय में विभिन्न सिद्धान्त—मैक्समूलर; ए० बेबर; जैकोबी; बालगंगाधर तिलक; एम्० विन्टरनिट्ज एवं भारतीय परम्परागत विचार ।

वेदांग

वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

शिक्षा; कल्प; व्याकरण; निरुक्त; छन्द; ज्योतिष ।

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद— नाम का विचार; आख्यात का विचार; उपसर्गों का अर्थ; निपातों की कोटियाँ ।

क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)

निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य

निर्वचन के सिद्धान्त

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ

आचार्य, गो, वृत्र, आदित्य, वाक्, नदी, पुत्र, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु ।

देवता

ऋग्वेद— अग्नि 1.1; 5.8; सवितृ 1.35; 2.38; इन्द्र 1.32; 2.12; रुद्र 1.114; पुरुष सूक्त 10.121; नासदीय 10.129; हिरण्यगर्भ 10.121;

यजुर्वेद— शिवसंकल्प सूक्त 34.1-6;

अथर्ववेद—भूमि सूक्त 12.1;

विषय—वस्तु

संहिता— सामान्य परिचय

ब्राह्मणग्रन्थ— सामान्य परिचय

आरण्यकग्रन्थ— सामान्य परिचय

उपनिषद्— ईश; केन; कठ; तैत्तिरीय, बृहदारण्यक

वैदिक व्याख्या पद्धति— प्राचीन एवं अर्वाचीन; वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर ।

2. दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका—

सत्कार्यवाद; पुरुष—स्वरूप; प्रकृति स्वरूप; सृष्टि—क्रम; प्रत्ययसर्ग एवं कैवल्य ।

सदानन्द का वेदान्तसार—

अनुबन्ध—चतुष्टय; अज्ञान; अध्यारोप—अपवाद; विवर्त; जीवनमुक्ति ।

केशवमिश्र की तर्कभाषा—

पदार्थ; कारण; प्रमाण—प्रत्यक्ष; अनुमान; उपमान; एवं शब्द प्रमाण ।

जैन दर्शन एवं बौद्धदर्शन का सामान्य अध्ययन ।

3. व्याकरण

परिभाषाएं— संहिता; गुण; वृद्धि; प्रातिपदिक; नदी; घि; उपधा; अपृक्त; गति; पद; विभाषा; सवर्ण; टि; प्रगृह्य; सर्वनामस्थान; निष्ठा ।

शब्द रूप— अजन्त, हलन्त, सर्वनाम एवं संख्यावाचक शब्द ।

धातु रूप— परस्मैपदी, आत्मनेपदी एवं उभयपदी ।

प्रत्यय—कृत एवं तद्धित प्रत्यय ।

कारक— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

सन्धि— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

4. संस्कृत एवं उत्तराखण्ड का आधुनिक संस्कृत साहित्य तथा काव्यशास्त्र

पद्य— रघुवंश; मेघदूत; किरातार्जुनीय; शिशुपालवध; नैषधीयचरित; बुद्धचरित—सामान्य परिचय

गद्य— दशकुमारचरित; हर्षचरित; कादम्बरी; भीष्मचरित; गंगापुत्रावदान—सामान्य परिचय

नाटक— स्वप्नवासवदत्ता; अभिज्ञानशाकुन्तल; मृच्छकटिक; उत्तररामचरित; मुद्राराक्षस;

रत्नावली; वेणीसंहार—सामान्य परिचय

काव्यशास्त्र

साहित्यदर्पण

काव्य की परिभाषा

काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन

शब्दशक्ति— संकेतग्रह; अभिधा; लक्षणा; व्यंजना

रस (रस—भेद स्थायी भावों सहित)

रूपक के प्रकार

नाटक के लक्षण

महाकाव्य के लक्षण

अन्य

रामायण; महाभारत; पुराण; मनुस्मृति; याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय); कौटिलीय

अर्थशास्त्र ।

.....

भौतिक शास्त्र

यूनिट 1: शुद्धगतिकी

निर्देश तंत्र। एक सरल रेखा में गति। समान तथा असमान गति, सामान्य रूप से त्वरित गति, गति-समय, स्थिति-समय ग्राफ, एक समान त्वरित गति के लिए संबंध। गति का वर्णन करने के लिए अवकलन और समाकलन की प्राथमिक अवधारण, अदिश और सदिश राशियाँ, स्थिति और विस्थापन सदिश, सामान्य सदिश और संकेत। सदिश की समानता इकाई सदिश, एक समतल-आयताकार घटकों में सदिश का विभेदन, समतल में गति, एक समान वेग और एकसमान त्वरण-प्रक्षेपी गति, एक समान वृत्तीय गति।

यूनिट 2: गति के नियम

बल की अवधारणा, जड़त्व, जड़ता, न्यूटन का गति का पहला नियम, न्यूटन का गति का दूसरा नियम, आवेग, न्यूटन का गति का तीसरा नियम, रैखिक संवेग संरक्षण का नियम और इसके अनुप्रयोग, स्थितिज और गतिज घर्षण, घर्षण के नियम, रोलिंग घर्षण, एक समान वृत्ताकार गति की गतिकी, अभिकेन्द्रीय बल और इसके उदाहरण।

यूनिट 3: स्थिर वैद्युतिकी

वैद्युत आवेश, कूलॉम का नियम, वैद्युत क्षेत्र, एक बिंदु आवेश के कारण विद्युत क्षेत्र, आवेश वितरण तथा द्विध्रुव, एक समान वैद्युत क्षेत्र के कारण द्विध्रुव पर आघूर्ण, वैद्युत फ्लक्स, गाउस का प्रमेय और उसके अनुप्रयोग, वैद्युत विभव, विभवान्तर, वैद्युत विभव के ऋणात्मक ग्रेडिएण्ट के रूप में वैद्युत क्षेत्र, एक बिन्दु आवेश के कारण वैद्युत विभव, द्विध्रुव, आवेश वितरण और आवेशों के निकाय, समविभव सतह, दो बिन्दु आवेशों के निकाय की और स्थिर वैद्युत क्षेत्र में रखे वैद्युतद्विध्रुव की वैद्युत स्थितिज ऊर्जा।

चालक और कुचालक, परावैद्युतांक और वैद्युत ध्रुवीकरण, संधारित्र और धारिता, एक समानांतर प्लेट संधारित्र के लिए प्लेट्स के बीच में परावैद्युत के साथ और बिना परावैद्युत के धारिता, एक संधारित्र में जमा ऊर्जा, वैन डी-ग्राफ जेनरेटर।

यूनिट 4: वैद्युत चालन

वैद्युत धारा, किसी धात्विक चालक में आवेश का प्रवाह, अपवाह वेग, गतिशीलता तथा इनका धारा से सम्बन्ध, वैद्युत चालन का लोरेन्ज-ड्र्यूड सिद्धान्त, विडामैन-फ्रैंज का नियम, ओम का नियम, वैद्युत ऊर्जा और शक्ति, वैद्युत प्रतिरोधकता तथा चालकता, कार्बन प्रतिरोधक, कार्बन प्रतिरोधकों के लिए रंग कोड, प्रतिरोध की ताप पर निर्भरता, किरचॉफ के नियम और उनके अनुप्रयोग।

यूनिट 5: धारा के चुम्बकीय प्रभाव तथा चुम्बकत्व

बायो-सैवर्ट का नियम और उसके अनुप्रयोग, एम्पीयर का नियम और उसके अनुप्रयोग, एक समान चुम्बकीय और वैद्युत क्षेत्र में गतिमान आवेश पर बल, साइक्लोट्रॉन, एक समान चुम्बकीय क्षेत्र में रखे धारावाही चालक पर बल, दो समानांतर धारावाही चालकों के बीच बल, चल कुण्डल गैल्वेनोमीटर और उसका अमीटर और वोल्टमीटर में रूपांतरण, धारा लूप-एक चुम्बकीय द्विध्रुव के रूप में तथा इसका चुम्बकीय द्विध्रुव आघूर्ण, परिभ्रमण करते इलेक्ट्रान का चुम्बकीय द्विध्रुव आघूर्ण, किसी चुम्बकीय द्विध्रुव के कारण उसकी धुरी के अक्ष के अनुदिश तथा धुरी के अक्ष के अभिलम्बत चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता, एक समान चुम्बकीय क्षेत्र में चुम्बकीय द्विध्रुव के कारण बल-आघूर्ण, चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएँ, अनुचुम्बकीय प्रतिचुम्बकीय तथा लोह-चुम्बकीय पदार्थ और इनके उदाहरण, विद्युत चुम्बक और उसकी शक्तियों को प्रभावित करने वाले कारक।

यूनिट 6: वैद्युत चुम्बकीय प्रेरण और प्रत्यावर्ती धाराएँ

विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फ़ैराडे का नियम, प्रेरित विद्युत वाहक बल और धारा, लेन्ज का नियम, भंवर धाराएँ, स्व और अन्योन्य प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराएँ, प्रत्यावर्ती धारा तथा विभव का शिखर और वर्गमाध्य मूल मान, प्रतिक्रिया और प्रतिबाधा, एल सी आर श्रेणी क्रम और सामानान्तर क्रम परिपथ, अनुनाद, प्रत्यावर्ती धारा परिपथों में शक्ति, वाटहीन धारा, प्रत्यावर्ती धारा जनित्र और परिवर्तक।

यूनिट 7: कार्य, ऊर्जा और शक्ति

कार्य, गतिज ऊर्जा, कार्य-ऊर्जा प्रमेय, शक्ति, किसी स्प्रिंग की स्थितिज ऊर्जा, संरक्षित बल, यांत्रिक ऊर्जा का संरक्षण, गैर-संरक्षित बल, एक और दो आयामों में प्रत्यास्थ और अप्रत्यास्थ टक्कर।

यूनिट 8: गुरुत्वाकर्षण

केपलर के ग्रहों की गति के नियम, गुरुत्वाकर्षण का नियम, गुरुत्वीय त्वरण तथा इसका सीधी ऊँचाई तथा गहराई के साथ परिवर्तन, गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा, गुरुत्वीय विभव, पलायन वेग, उपग्रह का कक्षीय वेग, भूस्थिर उपग्रह।

यूनिट 09: वैद्युत चुम्बकीय तरंगें

विस्थापन धारा, वैद्युत चुम्बकीय तरंगों और उनकी अभिलक्षणतायें, वैद्युत चुम्बकीय तरंगों की अनुप्रस्थ प्रकृति, वैद्युत चुम्बकीय वर्णक्रम, मुक्त आकाश और रेखिय समदैशिक माध्यम में मैक्सवेल के समीकरण, अन्तरफलक पर क्षेत्र के लिए परिसीमा प्रतिबंध, सदिश और अदिश विभव, प्रमापी निश्चरता, मुक्त आकाश में वैद्युत चुम्बकीय तरंगों, प्वाइन्टिंग सदिश, प्वाइन्टिंग प्रमेय, वैद्युत चुम्बकीय तरंगों की ऊर्जा और संवेग।

यूनिट 10: प्रकाशीकी

प्रकाश का परावर्तन, गोलाकार दर्पण, दर्पण सूत्र, प्रकाश का अपवर्तन, पूर्ण आंतरिक परावर्तन और उसके अनुप्रयोग, प्रकाशीय फाइबर, गोलाकार सतहों से अपवर्तन, लेंस पतले लेंस का सूत्र, लेन्समेकर्स का सूत्र, आवर्धन क्षमता, लेंस की शक्ति, सम्पर्क में रखे पतले लेंसों का संयोजन, प्रिज्म द्वारा प्रकाश का अपवर्तन और परिक्षेपण, प्रकाश का प्रकीर्णन—आकाश का नीला रंग और सूर्योदय और सूर्यास्त में सूरज की लाल प्रतीति (दिखावट)।

प्रकाशीय यंत्र, मानव आँख, छवि निर्माण और समंजन, लेंसों के द्वारा आखों के दोषों में सुधार, सूक्ष्मदर्शी और खगोलीय दूरबीन और उनकी आवर्धक शक्तियाँ।

तरंग प्रकाशीकी: तरंगाग्र और हाइगेन्स का सिद्धान्त, किसी समतल तरंग के समतल पृष्ठ से तरंगाग्र का उपयोग करते हुए परावर्तन और अपवर्तन, हाइगेन्स के सिद्धान्त का उपयोग कर परावर्तन और अपवर्तन के नियमों को सिद्ध करना, व्यतिकरण, यंग का द्विस्लीट प्रयोग और फ्रिंज की चौड़ाई का सूत्र, कलासंबद्ध स्रोत और प्रकाश का प्रतिपालित व्यतिकरण, एकल स्लिट के द्वारा विवर्तन, केन्द्रीय महत्तम की चौड़ाई, सूक्ष्मदर्शी और खगोलीय दूरबीनों की विभेदन क्षमता, ध्रुवीकरण, समतल ध्रुवित प्रकाश, ब्रेवस्टर का नियम, समतल ध्रुवित प्रकाश के उपयोग और पोलोराइड्स।

यूनिट 11: पदार्थ और विकिरण की द्वैत प्रकृति

विकिरण की द्वैत प्रकृति, प्रकाश—वैद्युत प्रभाव, हर्त्स और लिनार्ड की टिप्पणियाँ, आइंस्टीन का प्रकाश वैद्युत प्रभाव का समीकरण, प्रकाश की कण प्रकृति, पदार्थ तरंगे, कणों की तरंग प्रकृति, द ब्रोग्ली सम्बन्ध, डेविसन—जरमर का प्रयोग, तरंग और कण की द्वैत प्रकृति, तरंग फलनों का निर्देशांक और संवेग निरूपण, क्रमविनिमक और हाइजेनबर्ग का अनिश्चितता का सिद्धान्त, स्थिति वेक्टर के लिए डिराक की अंकन (नोटेशन), श्राउदींगर समीकरण (समय निर्भर और समय अनिर्भरता), अभिलक्षणिक मान प्रश्न (बाक्स में कण, प्रसंवादी दोलन इत्यादि), किसी प्रतिबाधा से टनलिंग।

यूनिट 12: परमाणु और नाभिक

अल्फा कण प्रकीर्णन का प्रयोग, रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल, बोहर मॉडल, ऊर्जा स्तर, हाइड्रोजन स्पेक्ट्रम, नाभिक की संरचना और आकार, परमाणु द्रव्यमान, समस्थानिक, समदाबी

और आइसोटोन्स, रेडियोधर्मिता, अल्फा, बीटा और गामा कण और उनके गुण, रेडियोधर्मि क्षय नियम, द्रव्यमान-ऊर्जा सम्बन्ध, द्रव्यमान क्षति, बन्धन ऊर्जा प्रति न्यूक्लियॉन और द्रव्यमान संख्या के साथ इसकी परिवर्तनशीलता, परमाणु विखण्डन, परमाणु रिएक्टर, परमाणु संलयन।

यूनिट 13: इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

अर्द्धचालक, अर्द्धचालक डायोड, डायोड रेगुलेटर की तरह, प्रकाश उत्सर्जक डायोड, फोटो डायोड, सौर सेल और जेनर डायोड, जेनर डायोड एक विभव रेगुलेटर की तरह, संधि ट्रांजिस्टर, ट्रांजिस्टर क्रिया, ट्रांजिस्टर की अभिलाक्षणतायें, ट्रांजिस्टर एक प्रवर्धक और दोलित्र की तरह, संख्या प्रणाली: द्विआधारी, आक्टल, हेक्साडेसिमल, बीसीडी कोड, ग्रे कोड, द्वि अंकी बीजगणित, डी-मॉर्गन का नियम, तर्क परिपथ: OR-द्वार, AND-द्वार, NOT-द्वार, NAND-द्वार, NOR-द्वार, और XOR-द्वार, अंकीय तकनीकों और अनुप्रयोगों (रजिस्ट्रों, काउंटर, तुलनिन और समान परिपथ), परिचालनात्मक प्रवर्धक और उनके अनुप्रयोग।

यूनिट 14: संचार प्रणाली

संचार प्रणाली के तत्व, संकेतों की बैण्ड चौड़ाई, संचार माध्यम की बैण्ड चौड़ाई, वायुमण्डल में वैद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रसार, आकाश और अंतरिक्ष तरंग प्रसार, मॉडुलन की आवश्यकता, आयाम संग्राहक तरंग का उत्पादन और प्राप्त करना, संगणक और संचार, संचार नेटवर्क की आवश्यकता, इन्टरनेट, बर्ल्ड वाइड वेब, संचार प्रोटोकॉल, लोकल एरिया नेटवर्क।

यूनिट 15: परमाणु और आणविक भौतिकी

किसी परमाणु में इलेक्ट्रान की क्वांटम स्थिति, इलेक्ट्रॉन स्पिन, हुंड का नियम, पॉली का बहिष्कार सिद्धान्त, स्टर्न-गेर्लाच का प्रयोग, जीमान प्रभाव, पाष्चेन-बैफ प्रभाव और स्टार्क प्रभाव, एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी, लेजर, सहज और उत्तेजित उत्सर्जन, आइंस्टीन के ए और बी गुणांक, प्रकाशिक पंपन, जनसंख्या व्युत्क्रमण, दर समीकरण, अनुनादों के प्रकार और संबद्धता लम्बाई।

यूनिट 16: संघनित पदार्थ भौतिकी

ब्रेवेस जालक, व्युत्क्रम जालक, विवर्तन और संरचना का कारक, ठोस पदार्थों में बन्धन, प्रत्यास्थ गुणधर्म, फोनोन, जालक विशिष्ट ऊष्मा, मुक्त इलेक्ट्रॉन सिद्धान्त और इलेक्ट्रॉन विशिष्ट ऊष्मा, अनुक्रिया और श्रांति की घटनाएँ, तापीय चालकता का डोड माडल, ठोसों का बन्धन सिद्धान्त: चालक, अर्द्धचालक और कुचालक, अति चालकता।

यूनिट 17: नाभकीय और कण भौतिकी

मौलिक परमाणु गुण : आकार, आकृति और आवेश वितरण, स्पिन और समता, बन्धन ऊर्जा, सेमि-आनुभाविक संहति सूत्र, द्रव बूंद माडल, नाभकीय बल की प्रकृति, परमाणु त्वरक और डिटेक्टर, मौलिक कणों का वर्गीकरण, मूल इन्टरैक्शन्स, प्राथमिक कण और उनकी क्वांटम संख्याएँ, सममितता और संरक्षण नियम, लेप्टान और बेरियान संख्याएँ, जेलमान-निशिजीमा सूत्र, क्वार्क मॉडल।

यूनिट 18: भौतिकी के गणितीय तरीके

सदिश बीजगणित और सदिश कलन, गौस, स्टोक्स और ग्रीन के प्रमेय, आव्यूह: लांबिक, एकात्मक और हेर्मिटियन आव्यूह, आव्यूह के अभिलक्षणिक मान और अभिलक्षणिक सदिश, विशिष्ट फलन (लीजेंड्रे, बेसेल, हर्मिट और लेग्रेरे फलन), प्रदिश: सहपरिवर्ती, प्रतिपरिवर्त और मिश्रित प्रदिश, एपिसलॉन, क्रिस्टोफेल और रिची प्रदिश।

यूनिट 19: क्लासीकल यांत्रिकी

डी-अलेम्बर्ट का सिद्धान्त, केन्द्रीय बल गति, केप्लर के समीकरण तथा नियम, कृत्रिम उपग्रह, लैग्रेज और पॉजियन कोष्ठक, विहित रूपान्तरण, हैमिल्टन-जैकोबी समीकरण, कोण क्रियाचर, लैग्रेंजियन और हैमिल्टनियन वैधिकता और गति के समीकरण, सापेक्षता का विशिष्ट सिद्धान्त-लोरेन्ट्ज रूपान्तरण, सापेक्षित शुद्धगतिकी और द्रव्यमान-ऊर्जा तुल्यता।

यूनिट 20: ऊष्मागतिकी

ऊष्मागतिकी का शून्य नियम, ऊष्मा, कार्य और आन्तरिक ऊर्जा, ऊष्मागतिकी का पहला व दूसरा नियम, प्रतिवर्ती और अपरिवर्तीनीय प्रक्रियाएँ, ताप इंजन और रेफ्रिजरेटर, ऊष्मागतिक का तीसरा नियम।

यूनिट 21: परफेक्ट गैस का व्यवहार और गतिक सिद्धान्त

एक परफेक्ट गैस की स्थिति का समीकरण, गैसों का गतिक सिद्धान्त-मान्यताएँ, दाब की अवधारणा, गतिज ऊर्जा और तापमान, गैस अणुओं की आर.एम.एस. गति, स्वतन्त्रता की कोटि, ऊर्जा के समविभाजन का नियम, गैसों की विशिष्ट ऊष्मा के लिए इसके अनुप्रयोग, मध्यमान मुक्त पथ और आवोगाद्रो संख्या।

यूनिट 22: दोलन तथा तरंग

आवधिक गति, आवधिक फलन, सरल आवर्त गति और इसके समीकरण, अवस्था(फेज), स्प्रिंग का दोलन: बहालशक्ति और बल नियतांक, सरल आवर्त गति में ऊर्जा: गतिज और स्थितिज ऊर्जाएँ, सरल लोलक: लोलक के समय अवधि के लिए अभिव्यक्ति सूत्र, मुक्त, प्रतिप्रभावित (बलात्) और अवमंदित दोलन, अनुनाद, तरंग गति, अनुदैर्घ्य और अनुप्रस्थ तरंगें, तरंग की गति, एक प्रगतिशील तरंग के लिए विस्थापन संबंध, तरंगों का अध्यारोपण सिद्धान्त, तरंगों का परावर्तन, स्ट्रिंग तथा आर्गन पाइपों में खड़ी तरंगें, मौलिक मोड और हार्मोनिक्स, विस्पन्दन, डाप्लर प्रभाव।

रसायन विज्ञान

खण्ड— अ

अकार्बनिक रसायन

- 1. परमाणु संरचना:**
इलेक्ट्रॉन का व्यवहार, क्वाण्टम संख्याएँ, कक्षक एवं उनकी आकृति, विभिन्न कक्षकों में इलेक्ट्रॉनों को भरने हेतु नियम, तत्वों के इलेक्ट्रॉन विन्यास।
- 2. तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण एवं परमाणुक गुणधर्म:** आधुनिक आवर्ती नियम, तत्वों के गुण धर्मों में आवर्तता एवं लॉरेन्सियम के बाद के तत्वों को सम्मिलित करते हुए आवर्त सारणी का विस्तारित रूप, आवर्त सारणी में खण्डों के आधार पर तत्वों के प्रकार (s, p, d, f -खण्ड), परमाणुक गुण धर्म—परमाणुक एवं आयनिक त्रिज्याएँ, आयनन विभव, इलेक्ट्रॉन बन्धुता, विद्युतऋणीयता।
- 3. रासायनिक आबंधन:**
आयनिक आबंध—आयनिक टोस, सामान्य आयनिक यौगिकों की निविड संकुलित संरचना, आयनिक टोसों का वर्गीकरण एवं उनके गुण धर्म, आयनिक टोसों में अपूर्णता।
सह संयोजक आबंध— संयोजकता बन्ध सिद्धान्त, संकरण की संकल्पना, सिग्मा एवं पाई आबंध, संयोजकता कोश इलेक्ट्रॉन युग्म प्रतिकर्षण सिद्धान्त एवं सामान्य अकार्बनिक अणुओं की आकृति, आणविक कक्षक सिद्धान्त का सामान्य विवरण, सम एवं विषम नाभिकीय द्विपरमाणुक अणुओं के लिए आणविक कक्षक ऊर्जा स्तर आरेख, बन्ध कोटि, अन्योन्य दुर्बल क्रियाएँ—हाइड्रोजन आबंध एवं वाण्डर वाल बल।
- 4. रेडियोधर्मिता एवं नाभिकीय रसायन**
रेडियोधर्मिता— रेडियोधर्मी पदार्थों के विघटन का सिद्धान्त कणों/किरणों का उत्सर्जन, सॉडी—फायों का वर्ग विस्थापन नियम, रेडियो धर्मी तत्वों के विघटन की दर, विघटन स्थिरांक, अर्द्ध आयु एवं औसत आयु।
कृत्रिम रेडियोधर्मिता—तत्वों का तत्वांतरण, नाभिकीय विखण्डन एवं संलयन, नाभिकीय अभिक्रियाएँ एवं उनको संतुलित करना, नाभिकीय बल, नाभिकीय बन्धन ऊर्जा, नाभिकीय स्थायित्व एवं N/P अनुपात।
- 5. आक्सीकरण, अपचयन एवं वैद्युत अपघटन**
आक्सीकरण एवं अपचयन की आधुनिक संकल्पना, संयोजकता एवं आक्सीकरण संख्या, आक्सीकारक एवं अपचायक, उनके तुल्यांकी भार, आक्सीकरण—अपचयन अभिक्रियाएँ एवं उनको संतुलित करना।
- 6. वर्ग 1 एवं 2 के तत्व—** हाइड्रोजन, क्षार एवं क्षारीय मृदा धातुएँ (s- खण्ड)।
हाइड्रोजन का आवर्त सारणी में स्थान, हाइड्रोजन अणु के नाभिकीय चक्रण समावयव एवं हाइड्रोजन के भारी समस्थानिक, भारी जल एवं हाइड्रोजन परॉक्साइड।
s- खण्ड के धातुओं के सामान्य गुणधर्म, रासायनिक क्रियाशीलता एवं वर्ग में प्रवृत्ति, उनके हाइड्राइडों, हेलाइडों एवं आक्साइडों के रासायनिक व्यवहार।
- 7. वर्ग 3 से 12 तक के तत्व—** संक्रमण एवं अन्तःसंक्रमण तत्व (d&f-block)
आवर्त सारणी में d एवं f-खण्ड के तत्वों का स्थान, d- खण्ड के तत्वों के अभिलक्षणिक गुणधर्म—परिवर्ती आक्सीकरण अवस्थाएँ, संकुल बनाने की प्रवृत्ति, रंग, चुम्बकीय एवं उत्प्रेरकीय गुणधर्म, 3d, 4d एवं 5d- संक्रमण तत्वों का उनके आयनिक त्रिज्याओं एवं आक्सीकरण अवस्थाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन, f -खण्ड के तत्वों के अभिलक्षणिक गुणधर्म— लैन्थेनाइड संकुचन, आक्सीकरण अवस्थाएँ, रंग एवं चुम्बकीय गुण धर्म।
- 8. वर्ग 13 से 18 तक के तत्व (p- खण्ड)**
सामान्य गुण धर्म, रासायनिक तत्वों की क्रियाशीलता एवं वर्ग में प्रवृत्ति, परिवर्ती आक्सीकरण अवस्थाएँ (निष्क्रिय युग्म प्रभाव), उनके हाइड्राइडों, आक्साइडों एवं हेलाइडों के संदर्भ में रासायनिक व्यवहार।
आदर्श गैसों का आवर्त सारणी में स्थान, जेनॉन फ्लुओराइड एवं आदर्श गैसों के उपयोग।
- 9. धातुओं का निष्कर्षण**
अयस्क एवं खनिज, अयस्कों का सान्द्रण, धातुओं के निष्कर्षण एवं निर्मलीकरण की सामान्य विधियाँ
- 10. उपसहसंयोजन रसायन**

उपसहसंयोजी यौगिकों की IUPAC नामकरण पद्धति, उपसहसंयोजक यौगिकों में समावयवता, बन्ध की प्रकृति—VBT, CFT। d कक्षकों का अष्टफलकीय, चतुष्फलकीय एवं वर्ग समतलीय संकुलों में क्रिस्टल क्षेत्र विपाटन, वैद्युत रासायनिक श्रेणी। दुर्बल एवं प्रबल क्षेत्र अष्टफलकीय संकुलों में d^1 से d^9 तक के लिए CFSE का आगणन, इलेक्ट्रॉनिक संक्रमण एवं चयन नियम। 3d-संक्रमण धातु संकुलों के इलेक्ट्रॉनिक स्पेक्ट्रा।

11. जैव अकार्बनिक रसायन

जैविक प्रक्रियाओं में आवश्यक एवं सूक्ष्म (अज्य) तत्व, Na^+ , K^+ , Mg^{2+} , Ca^{2+} धातु आयनों की जैविक भूमिका।

खण्ड—ब भौतिक रसायन

1. ठोस अवस्था :

अलग—अलग बंधन बलों के आधार पर ठोसों का वर्गीकरण, एकल सेल में द्विविमीय एवं त्रिविमीय लैटिस, ठोसों का निचयन, क्यूबिक सेल में एकक सेल परमाणुओं की संख्या।

2. गैसीय अवस्था

गैसों का गतिक सिद्धान्त एवं गैस नियम, मैक्सवैल का गति वितरण नियम, वाण्डर वाल का समीकरण, गैसों का क्रान्तिक व्यवहार, संगत अवस्थाओं का नियम, गैसों की ऊष्मा धारिता

3. द्रव अवस्था एवं विलयन

द्रवों के गुण धर्म— श्यानता, पृष्ठ तनाव एवं वाष्प दाब, राउल्ट का वाष्प दाब अवनमन का नियम, जमाव बिन्दु का अवनमन, क्वथनांक का उन्नयन, परासरण दाब, विलेयों का संगुणन एवं वियोजन।

4. रासायनिक बल गतिकी

रासायनिक बल गतिकी, रासायनिक अभिक्रिया की दर, विशिष्ट अभिक्रिया दर, अभिक्रिया की आणविकता एवं कोटि, शून्य कोटि, प्रथम कोटि, द्वितीय कोटि एवं तृतीय कोटि की अभिक्रियाएँ, सक्रियण ऊर्जा, उत्क्रमणीय एवं अनुत्क्रमणीय अभिक्रियाएँ।

5. रासायनिक साम्य

रासायनिक साम्य, द्रव्य अनुपाती क्रिया नियम एवं इसके अनुप्रयोग। ला शातेलिए का सिद्धान्त एवं उसके अनुप्रयोग।

6. आयनन

वैद्युत वियोजन का सिद्धान्त। आयनन को प्रभावित करने वाले कारक, जल का आयनी गुणनफल एवं आयनन स्थिरांक। आयनिक साम्य—ओस्टवाल्ड का तनुता नियम।

अम्लों एवं भस्मों की धारणाएँ, विलेयता गुणनफल एवं विश्लेषणात्मक रसायन में इसके अनुप्रयोग। लवण का जल अपघटन।

7. pH एवं बफर विलयन

8. उत्प्रेरण

उत्प्रेरण के प्रकार, उत्प्रेरकों का वर्गीकरण एवं अभिलक्षण, उत्प्रेरण के सिद्धान्त।

9. वितरण नियम एवं इसके अनुप्रयोग

10. कॉलाइडी अवस्था

11. ऊष्मा गतिकी एवं ऊष्मा रसायन

ऊष्मा गतिकी में प्रयुक्त पद। ऊष्मा गतिकी का प्रथम नियम। ऊष्मा अंश, ऊष्मा धारिता, ऊष्मा गतिकी का द्वितीय नियम।

ऊष्मा रसायन: अभिक्रिया की ऊष्मा, निर्माण की ऊष्मा, दहन ऊष्मा, उदासीनीकरण ऊष्मा, विलयन की ऊष्मा, नैज (आन्तर) ऊर्जा, हेस का स्थिर ऊष्मा संकलन नियम।

खण्ड – स

कार्बनिक रसायन

- 1. सामान्य कार्बनिक रसायन विज्ञान :** कार्बनिक यौगिकों का वर्गीकरण एवं नामकरण, इलेक्ट्रानिक विस्थापन-प्रेरणिक, इलेक्ट्रोमरी तथा मेसोमरी प्रभाव। अनुनाद, अति संयुग्मन एवं कार्बनिक यौगिकों के लिये इनका अनुप्रयोग। इलेक्ट्रान स्नेही, नाभिक स्नेही, कार्बोकेटायन, कार्बनआयन एवं मुक्त मूलक। कार्बनिक अम्ल तथा क्षार। कार्बनिक अम्लों तथा क्षारों की क्षमता पर संरचना का प्रभाव। हाईड्रोजन बंध तथा कार्बनिक यौगिकों के गुणों पर इसका प्रभाव।
- 2. त्रिविमरसायन:** सममिति के तत्व, साधारण कार्बनिक यौगिकों में प्रकाशीय तथा ज्यामितीय समावयता। संपूर्ण विन्यास (**R** तथा **S**), ज्यामितीय समावयनों के विन्यास, **E** तथा **Z** संकेतन। साइक्लोहेक्सेन, एकल तथा द्विप्रतिस्थापित साइक्लोहेक्सेनों के संरूपण एवं स्थायित्व।
- 3. एलिफैटिक यौगिक :** निम्नलिखित वर्ग के साधारण कार्बनिक यौगिकों के रसायन जिसमें विशेषकर उन अभिक्रियाओं की क्रियाविधि के संदर्भ में उल्लेख हो जो इन यौगिकों के साथ हो रही हो; एल्केन, एल्कीन, एल्काइन, एल्किल हैलाइड, एल्कोहल, ईथर, थायोल, एल्डिहाइड, कीटोन, कार्बोक्सिली अम्ल, एमीन एवं उनके व्युत्पन्न।
- 4. सगंध यौगिक :** बेन्जीन की आधुनिक संरचना; एरोमैटिसिटी की धारणा, हकल नियम तथा इसका अबेजीनीय एरोमैटिक एवं हेट्रोसाइक्लीक यौगिकों के लिये साधारण अनुप्रयोग। प्रतिस्थापित समूहों का सक्रियण तथा निष्क्रियण एवं दैशिक प्रभाव। बेन्जीन वलय से जुड़े निम्नलिखित समूहों वाले यौगिकों का रसायन शास्त्र, हैलोजेन, हाईड्राक्सी, नाइट्रो एमीनो, एल्डिहाइड, कीटोनी एवं कार्बोक्सीलि समूह।
- 5. नाम अभिक्रियायें, पुनर्विन्यास एवं क्रियाविधि :** रीमर-टीमन अभिक्रिया, विलसमीर अभिक्रिया, शार्पलैस इपोकसीकरण, बार्टन अभिक्रिया, फवोरस्की अभिक्रिया एवं वागनर-मीरवाइन पुनर्विन्यास एवं बेकमैन पुनर्विन्यास,।
- 6. कार्बोहाइड्रेट:** मोनोसेक्राइड का वर्गीकरण एवं सामान्य अभिक्रियायें, ग्लूकोज, फ्रक्टोज एवं सुक्रोज के रासायनिक गुण एवं संरचना।
- 7. प्राकृतिक उत्पाद:** टर्पीनॉयड एवं एल्कलॉएड के संरचना निर्धारण की सामान्य विधियां।
- 8. तेल, वसा, अमिनो अम्ल, प्रोटीन, विटामिन्स का सामान्य रासायनिक अध्ययन एवं इनकी पोषण तथा उद्योग में भूमिका।**
- 9. कार्बनिक बहुलक:** बहुलीकरण की क्रियाविधि, बहुलकों का औद्योगिक महत्व, संश्लेषित रेशे।
- 10. कार्बधात्विक यौगिक:** लिथियम, मैग्निशियम एवं जिंक के कार्बधात एवं उनके सिंथेटिक अनुप्रयोग।
- 11. स्पेक्ट्रोस्कोपी:** स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीकी से सम्बन्धित बुनियादी सिद्धान्त एवं उपयोग-पराबैंगनी, दृश्य अवरक्त, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद।
- 12. वर्णलेखी विज्ञान:** वर्णलेखी प्रविधियों का वर्गीकरण, अधिशोषण, विभाजन, आयन विनियम, कागज वर्ग तथा विरल परत वर्ग लेखन के सामान्य सिद्धान्त।
- 13. पर्यावरणीय रसायन विज्ञान:** वायु प्रदूषक एवं उनके विषाक्त प्रभाव, ओजोन परत का क्षरण, नाइट्रोजन के आक्साइड का प्रभाव, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन तथा ओजोन परत पर उसका प्रभाव, ग्रीन हाउस प्रभाव, अम्ल वर्षा, पर्यावरणीय प्रदूषण के नियन्त्रण की व्यूह रचना।

गणित

यूनिट-1

1. **समुच्चय सिद्धान्त** : समुच्चय सिद्धान्त, रिक्त एवं परिमित समुच्चय, उपसमुच्चय, घात समुच्चय, सार्वत्रिक समुच्चय, वैन आरेख, सम्मिलन, सर्वनिष्ठ व अन्तर समुच्चय, समूह, उपसमूह, सामान्य उपसमूह, भागफल समूह, समाकारिता, चक्रीय समूह, क्रमचय समूह, कैलीज प्रमेय, सायलो प्रमेय, वलय।
2. **सम्बन्ध एवं फलन** : सम्बन्ध एवं फलन, समुच्चयों का कार्तीय गुणन, समबन्ध का प्रांत, सहप्रांत तथा परिसर, एक फलन का एक समुच्चय से दूसरे समुच्चय में विशेष प्रकार का सम्बन्ध। फलन, प्रांत, सहप्रांत तथा परिसर का चित्रण। विभिन्न प्रकार के फलन एवं उनके ग्राफ।

यूनिट-2

3. **गणितीय आगमन** : गणितीय आगमन का सिद्धान्त तथा साधारण अनुप्रयोग, समिश्र संख्यायें तथा द्विघातीय समीकरण, समिश्र संख्याओं की आवश्यकता, समिश्र संख्याओं के गुण, आर्गंड तल और ध्रुवीय निरूपण। बीजगणित की आधारीय प्रमेय, समिश्र संख्याओं के निकायों के द्विघातीय समीकरण का हल। समिश्र संख्याओं का वर्गमूल।
4. **रैखिक असमिकाएँ** : रैखिक असमिकाएँ, एक चर राशि के रैखिक असमिकाओं का बीजगणितीय हल और उनका अंक रेखा पर आलेखीय निरूपण। दो चर राशियों की असमिका निकाय का हल।
5. **क्रमचय और संचय** : क्रमचय और संचय, गणना का आधार भूत सिद्धान्त, $n!$ फलन, क्रमचय तथा संचय के सूत्रों का प्रतिपादन तथा उनमें सम्बन्ध, साधारण अनुप्रयोग। धन पूर्णाकों के लिये द्विपद प्रमेय। साधारण अनुप्रयोग।

6. अनुक्रम तथा श्रेणी : समांतर श्रेणी, गुणोत्तर श्रेणी, इन श्रेणियों का व्यापक पद, गुणोत्तर श्रेणी के n पदों का योग, अनन्त गुणोत्तर श्रेणी तथा उनका योग, समांतर माध्य तथा गुणोत्तर माध्य में सम्बन्ध ।

यूनिट-3

7. द्वि-विमीय निर्देशांक ज्यामिती : सरल रेखायें, मूल बिन्दू का स्थानान्तरण, रेखा का व्यापक समीकरण, रेखा के समीकरण के विविध रूप। दो सरल रेखाओं के कटान बिन्दू से गुजरने वाली सरल रेखाओं की फैमिली का समीकरण, एक बिन्दू की सरल रेखा से दूरी। वृत्त, परवलय, दीर्घवृत्त, अति परवलय, अपभ्रष्ट शंकु परिच्छेद। परवलय, दीर्घवृत्त तथा अति परवलय की मानक समीकरणों तथा उनके गुण। वृत्त की मानक समीकरण।

8. त्रि-विमीय ज्यामिति : त्रिविमीय अंतरिक्ष में निर्देशांक और निर्देशांक तल। अंतरिक्ष में एक बिन्दु के निर्देशांक, दो बिन्दुओं के बीच की दूरी तथा विभाजन सूत्र तथा उनका दिशीय कोज्या/भिन्न। एक तल की कार्तीय तथा सदिश समीकरण, सहतलीय तथा त्रियक रेखायें। दो रेखाओं के मध्य न्यूनतम दूरी। किसी तल की कार्तीय तथा सदिश समीकरण। क. दो रेखाओं ख. दो तलों ग. एक रेखा तथा एक तल, के मध्य कोण । किसी बिन्दु की तल से दूरी।

9. सदिश विश्लेषण : सदिश एवं अदिश, सदिश का मापांक एवं दिशा, सदिशों की दिशीय कोज्या/भिन्न। सदिशों के प्रकार, किसी बिन्दु का स्थिति सदिश। सदिश की ऋणात्मकता, सदिशों के अवयव, सदिशों का योग, सदिशों का अदिश से गुणन। उस बिन्दु का स्थिति सदिश जो किसी सरल रेखा के भाग को दिये गये भागों से विभाजित करता है। सदिश का अदिश गुणनफल। किसी रेखा पर सदिश का प्रक्षेपण। सदिशों का सदिश गुणनफल, सदिशों का त्रिअदिश गुणनफल।

यूनिट-4

10. सांख्यिकी एवं प्रायकिता : प्रकीर्णन की माप, माध्य विचलन, सामूहिक तथा असामूहिक आकड़ों का प्रसरण और विचलन। समान माध्यों तथा असमान प्रसरणों वाले बारंबारता बंटनों का विश्लेषण। प्रतिदर्श समष्टि तथा घटनायें। कालजयी, अनुभव एवं मान्यताओं पर आधारित प्रायकिता की परिभाषा। घटनाओं का घटित होना 'not', 'and' और 'or' घटनायें। परिभाषा। स्वतन्त्र घटनायें, प्रतिबन्धित प्रायकिता, बेज प्रमेय, असंगत तथा संगत एक चरीय बंटन, नाम है:—द्विपद, प्वाँजन तथा प्रसामान्य।

11. आव्यूह एवं सारणिक : आव्यूहों के प्रकार, सममित तथा विषम सममित आव्यूह, आव्यूहों पर संक्रियायें तथा उनके गुण, व्युत्क्रमणीय आव्यूह तथा व्युत्क्रम आव्यूह की अद्वितीयता। आव्यूह का सारणिक, गुण, उपसारणिक, सहखंड तथा अनुप्रयोग। सहखंडज तथा व्युक्रम आव्यूह। रैखिक समीकरणों के निकायों के हल तथा उदाहरण। व्युत्क्रम आव्यूह के प्रयोग से दो या तीन चरों वाले रैखिक समीकरणों के निकायों का हल।

यूनिट—5

12. अवकलन : फलन का अवकलन, सांतव्य और अवकलनीयता, फलनों के योग, अन्तर, गुणनफल तथा लब्धि का अवकलन। बहुपदों तथा त्रिकोणमितीय फलनों का अवकलन, समग्र फलनों का अवकलन, श्रंखला नियम, व्युक्रम, त्रिकोणमितीय फलनों का अवकलन, घातीय तथा लघुगणक फलनों का अवकलन। पैरामीट्रिक रूप के फलनों का अवकलन, द्विकोटिय अवकलन। रॉल्स तथा लैगरेंजिस—मीन वैल्यू प्रमेय तथा उनकी ज्यामितीय व्याख्या। स्पर्शी व लम्ब रेखाओं, अनुमान व अधिकतमता निकालने में अवकलनों का अनुप्रयोग। साधारण समस्याएं।

13. समाकलन : समाकलन, प्रतिस्थपन, आशिक भिन्न तथा भागों द्वारा समाकलन, सम्बन्धित उदाहरण। किसी फलन के योग सीमा के रूप में निश्चित समाकलन। समाकलन आधारीत मूलभूत प्रमेय, निश्चित समाकलन

के मूलभूत गुण तथा मूल्यांकन। समाकलन के अनुप्रयोग द्वारा साधारण वक्रों के नीचे का क्षेत्रफल ज्ञात करना।

14. अवकलन समीकरण : परिभाषा, आर्डर एवं डिग्री और अवकलन समीकरणों का व्यापक तथा विशेष हल, दिये गये हल से अवकल समीकरण बनाना, चरों की पृथक्करण विधि द्वारा अवकलन समीकरणों का हल। प्रथम आर्डर तथा प्रथम डिग्री वाली समान कोटि पद की, अवकलन समीकरण का हल। रैखिक साधारण अवकलन, समीकरणों का हल, सजातीय तथा असजातीय रैखिक अवकलन समीकरणों का हल, पैरामीटर विविधता, द्वि-आर्डर की आंशिक अवकल समीकरणों का लैंग्रैन्जे तथा चारपिट्स विधियों द्वारा हल। प्रथम आर्डर की आंशिक अवकल समीकरण से संबंध कौशी प्रश्न, द्वितीय आर्डर की आंशिक अवकल समीकरण का वर्गीकरण।
15. रैखिक प्रोग्रामिंग : रैखिक प्रोग्रामिंग समस्याओं का गणितीय सूत्रीकरण। विभिन्न प्रकार की रैखिक प्रोग्रामन समस्याएं, दो चरों की समस्याओं का ग्राफीय विधि से हल, सम्भव तथा असम्भव क्षेत्र, सम्भव तथा असम्भव हल, इष्टतम सम्भव हल, सिम्पलेक्स विधि, रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं का दोहरा रूप, डुवल सिम्पलेक्स विधि।

यूनिट-6

16. विचरण कलन : फलन का विचरण, आयलर-लैंगरेन्ज समीकरण, चरण के लिये आवश्यक एवं पर्याप्त प्रतिबन्ध, साधारण एवं आंशिक अवकलन समीकरणों के सीमा मान समस्याओं में विचरण विधि।
17. संख्यात्मक विश्लेषण : बीजगणितीय समीकरणों का संख्यात्मक हल, इट्रेशन तथा न्यूटन-रैफसन विधियां, अभिसरण दर, गौस-एलीमिनेशन तथा गास-सिडल विधियों द्वारा रैखिक बीजगणितीय समीकरणों का हल, परिमित तथा अपरिमित अन्तरों में अंतर्वेशन। आईवीपी का हल।

जीव विज्ञान

1. पादप और जन्तुओं में विविधताएं

- क सूक्ष्मजीवों की सामान्य अवधारणा। आकृति विज्ञान, संरचना, प्रजनन और जीवाणु और विषाणु के जीवन चक्र।
- ख कवकों की संरचना, प्रजनन और जीवन चक्र
- ग मिक्जोमाइकोटीना, मैस्टिगोमोकोटीना, उमाइकोटीना, जाइगोमाइकोटीना, एस्कोमाइकोटीना, बेसिडोमाइकोटीना और ड्यूट्रोमाइकोटीना की विशिष्ट विशेषताओं के साथ कवक का वर्गीकरण।
- घ कवकों का आर्थिक महत्व।
- ङ रोग की सामान्य अवधारणा, पादपों में रोगों के लक्षण, संक्रमण के तरीके।
- च संरचना, रोग चक्र और भिगोना, विल्ट, जड़ सड़ांध, स्टेम रोट, पाउडर और डाउनीमिल्डीयू, रस्ट, स्मुट्स, पत्ती के धब्बे और पत्ती के ब्लाइट्स के नियंत्रण के तरीकों का संक्षिप्त विवरण।
- छ रोगाणुओं का आर्थिक महत्व।
- ज शैवाल का वर्गीकरण।
- झ प्रोटोक्लोरोफाइटा, क्लोरोफायटा, कैरौफाइटा, जैन्थोफाईटा, बैसिलैरियोफाईटा, फियोफाइटा, रोडोफाइटा और साइनोफाइटा की मुख्य विशेषताएं।
- ञ विभिन्न शैवालों के जीवन चक्रों का सामान्य उल्लेख।
- ट शैवाल का आर्थिक महत्व।
- ठ ब्रायोफाईट्स के आकारिकी, संरचना, प्रजनन और जीवन इतिहास का सामान्य विवरण।
- ड ब्रायोफाईट्स का वर्गीकरण।
- ढ ब्रायोफाईट्स का आर्थिक महत्व।
- ण टेरिडोफाइट्स का वर्गीकरण।
- त साइलोफाइटोपसीडा, साइलोटोपसीडा, लाइकोपसीडा, स्फीनोपसीडा, टेरोपसीडा का आकृति विज्ञान और जीवन इतिहास।
- थ टेरिडोफाइट्स का आर्थिक महत्व।
- द अनावृतबीजीयों का वर्गीकरण।
- ध टेरिडोस्पेल्स, बेनेटिटेल्स, साइकेडेल्स, गिंगकोऐल्स, कोनिफेरेल्स, टेक्सेल्स, एफीडरेल्स, वेलवीस्चियेल्स और नीटेल्स की आकृति विज्ञान एवं जीवनचक्र।
- न जिमनोस्पेर्म का आर्थिक महत्व।
- न एंजियोस्पेर्मस के वर्गीकरण की महत्वपूर्ण प्रणाली (बेंथम और हुकर, हचिन्सन और क्रॉनिकिस्ट)।

- प वर्गीकरण में शरीर रचना, भ्रूण विज्ञान, कोशिका विज्ञान, फाइटोकेमिस्ट्री और पैलेनौलाजी की भूमिका।
- फ रेननकुलेसी, मैगनोलिएसी, रूटेसी, फैंबेसी, रोजेसी, एपीएसी, एस्टरएसी, प्रिमुलेसी, एस्क्लेपीडियेसी, लैमिऐसी, वर्बिनेसी, कोनवौल्युलेसी, एकैन्थैसी, सोलेनैसी, अमेरेनथैसी, युफोरबिएसी, ऑर्किडेसी, साइपेरेसी और पोएसी की विभेदीय विशेषताएं एवं उनका आर्थिक महत्व।
- ब प्रोटोजोआ, पोरिफेरा, सिलेन्टीरेटा, प्लैटिहेलमैनथिस, एस्कीहेलमैनथिस, एनीलिडा, आथ्रोपोड़ा, मोलस्का, इकार्डीनोर्डरमेटा और कोर्डटा के सामान्य लक्षण एवं वर्ग तक वर्गीकरण।
- भ प्रोटोजोआ में संचलन, पोरिफेरा में नहर प्रणाली, सिलेनट्रेटा में बहुरूपता, हेलमैन्थस् में परजीवी अनुकूलता और कीटों में सामाजिक जीवन।
- म हेमिकोर्डेटा, सिफैलोकोर्डेटा, यूरोकोर्डेटा में सम्बन्ध। उभयचर प्राणियों में पैत्रिक देखभाल, विष एवं विषहीन सर्प और पक्षियों में प्रवास। प्रोटोथिरिया, मैटाथिरिया और यूथिरिया के सामान्य लक्षण एवं उनकी समानताएं।

2. कोशिका विज्ञान और आनुवांशिकी

- क कार्बोहाइड्रेट, लिपिड, प्रोटीन, न्यूक्लिक अम्ल, विटामिन और वर्णकों की संरचना, कार्य एवं चयापचय।
- ख एंजाइमों का वर्गीकरण, एंजाइम बलगतिकी, किण्वक विनियमन, किण्वक उत्प्रेरक प्रकिया, समकिण्वक और सह-किण्वक।
- ग प्रोटीन्स की प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक संरचनाएं।
- घ मॉडल झिल्ली, लिपिड बाइलेयर की संरचना तथा झिल्ली प्रोटीन प्रसार, परासरण, आयन चैनल, सक्रिय परिवहन।
- ङ कोशिका भित्ति, केन्द्रक, माईटोकॉन्ड्रीया, गोल्गी काँय, लाइसोमस, अंतगर्द्रविक जालिका, परआक्सीसोम, प्लास्टीड्स, रिक्तिकाएं, साइटोपंजर की संरचना एवं कार्य तथा गतिशीलता में इसकी भूमिका।
- च गुणसूत्रों और विशालकाय गुणसूत्रों की संरचना।
- छ समसूत्रीय और अर्धसूत्रीय विभाजन, सेल चक्र, सेल चक्र का विनियमन एवं नियंत्रण।
- ज प्रतिकृति की इकाई, इसमें शामिल किण्वक, गुणसूत्रवाह्य प्रतिकृतियां, डी एन ए क्षति एवं मरम्मत तंत्र।
- झ न्यूक्लिक एसिड की संरचना: हेलिक्स (ए, बी, जेड)।
- ञ आर एन ए संश्लेषण एवं प्रसंस्करण।
- ट मेंडेलियन के सिद्धांत, प्रभुत्व, अलगाव, अपव्यूहन, वंशानुगतता और विविधता।
- ठ जीन की अवधारणा एलिल, एकाधिक एलील्स, स्यूडोएलिल्स।

- ड मेंडेलियन सिद्धांतों का विस्तारण : सहप्रभुत्वता, अधूरा वर्चस्व, जीन परस्पर क्रिया, सहलंगनता, क्रोसिंग ओवर, लिंग सहलंगनता, लिंग प्रभावित लक्षण, उत्परिवर्तन के कारण एवं प्रकार ।
- ढ अतिरिक्त गुणसूत्र वंशानुगतता, माइटोकोन्ड्रिया और क्लोरोप्लास्ट जीन का उत्तराधिकार, मातृ वंशानुगतता ।
- ण गुणसूत्रों में संरचनात्मक एवं संख्यात्मक फेर बदल : विलोपन, दोहराव, उलटाव, स्थानान्तरण, प्लॉइडी ।
- त पुनर्संयोजन: ट्रांसपोजिशन सहित समरूप और गैर-समरूप पुनर्संयोजन ।
- थ पादप प्रजनन के लक्ष्य, उद्देश्य और बुनियादी तकनीक ।
- द फसल सुधार विधियाँ—पादप परिचय, चयन, अनुकूलन, संकरण, कायिक प्रवर्धन और कलम बांधना ।
- ध संकरीकरण : अन्तराजातिय एवं अन्तरावंशीय, शुद्ध वंशक्रम, बेक क्रॉस संकरण, स्व-असंगति प्रणाली ।

3. विकास एवं व्यवहार

- क लैमार्कवाद एवं डार्विनवाद, अनुकूलन, संघर्ष, परिपूर्णता और प्राकृतिक चयन मेन्डलवाद : विकासवादी संश्लेषण, जैविक विकास के प्रमाण
- ख बुनियादी जैविक अणुओं का उद्भव, कार्बनिक एकलकों एवं बहुलकों का अजैविक संश्लेषण, ओपरिन और हल्दने की अवधारणा, मिलर का प्रयोग (1953), प्रथम कोशिका, प्रोकेरियोट्स का विकास: यूकेरियोटिक कोशिकाओं का उद्भव: एक कोशिकीय यूकेरियोट्स का विकास : अवायवीय चयापचय, प्रकाश संश्लेषण तथा वायवीय चयापचय ।
- ग भू वैज्ञानिक समय मापक्रम, विकासवादी समय पैमाने की प्रमुख घटनाएँ: एक कोशिकीय एवं बहुकोशिकीय जीवधारीयों का उद्भव : जन्तुओं के प्रमुख समूह: प्रमुख जीवाश्म अभिलेख । घोडा, हाथी एवं मानव का विकास ।
- घ प्राकृतिक विकास की अवधारणा ।

4. व्यावहारिक जीव विज्ञान

- क) रेशा उत्पादक पादप, औषधीय एवं सुगंधित पादप ।
- ख) महत्वपूर्ण काष्ठ-उपज देने वाले पादप एवं अकाष्ठ-वन उत्पाद (एन टी एफ पी_ज) जैसे बांस, गोंद, टैनिन्स, रंजक, रेजिन, पेय पदार्थ और सजावटी पादप ।
- ग) बौद्धिक संपदा अधिकार ।
- घ) सूक्ष्म जीवधारी किण्वन एवं छोटे और बड़े अणुओं का उत्पादन ।

ड) प्रतिरक्षाविज्ञानीय सिद्धांतों की प्रयोज्यता, टीके, जाँच। पौधों एवं जन्तुओं में ऊतक एवं कोशिका संवर्धन की विधियाँ ।

च) परा-उत्पत्तिमूलक पादप एवं जन्तु, स्ट्रेन की पहचान एवं लक्षणों का आणविक दृष्टिकोण ।

छ) जीनोमिक्स एवं जीन उपचार सहित स्वास्थ्य एवं कृषि में इसका उपयोग ।

ज) चिन्हक-सहायता प्रदान चयन सहित पादप एवं जन्तुओं में जनन करना ।

झ) मानव एवं घरेलू पशुओं के आम परजीवी एवं रोगजनक ।

ञ) रेशम कीट पालन, मधुमक्खी पालन, लाख पालन, कृमि संवर्धन, मोती संवर्धन , मतस्य पालन ।

ट) औषधि, जैव-नियंत्रण एवं भोजन में उपयोग में आने वाले कीट ।

ण) एकीकृत कीट प्रबंधन ।

5. पादप एवं जन्तु कार्यिकी

क) पादप जल सम्बन्ध: प्रसार, परासरण, पानी की क्षमता और इसके घटक, प्लाज्मोलाइसिस, पानी का अन्तःशोषण तथा अवशोषण, जड़ दबाव तथा पौधों में रस आरोहण ।

ख) पौधों में जल हानि: वाष्पोत्सर्जन तथा उसका महत्व, वाष्पोत्सर्जन को प्रभावित करने वाले कारक, रन्ध्र खुलने एवं बन्द होने की प्रक्रिया, बिन्दु स्त्राव ।

ग) खनिज पोषण- आवश्यक तत्व, दीर्घ एवं सूक्ष्म तत्व, तत्वों की आवश्यकताओं के मानदंड, आवश्यक तत्वों की भूमिका, खनिजों की कमी के लक्षण, कोशिका झिल्ली के आरपार आयनों का परिवहन, सक्रिय एवं निष्क्रिय परिवहन ।

घ) पौधों में प्रकाश संश्लेषण ।

ड) अवायवीय एवं वायवीय श्वसन, ग्लाइकोलाईसिस, केब्स चक्र (साइट्रिक अम्ल चक्र), ऑक्सीकरणी फॉस्फोराइलेशन, इलेक्ट्रॉन परिवहन प्रणाली, किण्वन, आर.क्यू ।

च) नाइट्रोजन निर्धारण, नाइट्रेट और अमोनियम सम्मिलन एमिनो अम्लों का जैव संश्लेषण ।

छ) पादप वृद्धि नियंत्रक – ऑक्जिन्स, जिबेरिलिन्स साइटोकिनिन, इथाईलीन, ऐबस्सिसिक अम्ल, पोलीएमाइन्स, जैसमोनिक अम्ल, हार्मोन अभिग्राही एवं विटामिन्स की कार्यिकी प्रभाव एवं क्रियाविधि ।

ज) प्रकाशकालिता एवं इसका महत्व ।

झ) टरपिन्स, फिनाँल, नाइट्रोजनीय यौगिकों का जैवसंश्लेषण एवं उनकी भूमिका ।

ञ) पौधों पर जैविक एवं अजैविक तनावों की प्रतिक्रिया ।

ट) हृदय की तुलनात्मक आंतरिक शरीर रचना : पेशीजनक एवं तंत्रिकाजनक हृदय, हृदय चक्र, हृदयी निर्गम, स्ट्रोक आयतन, रक्त चाप, हृदय का हार्मोनल और तंत्रिकीय नियन्त्रण। तन्त्रिका कोशिकाओं के आकारकीय प्रकार, तन्त्रिका आवेग का उद्भव, संचरण एवं कार्यिकी। जन्तुओं में नाइट्रोजीनी अपशिष्ट के प्रकार, स्तनधारियों में मूत्र निर्माण कार्यिकी, " किण्वक एवं विटामिन्स तथा उनका मानव कार्यिकी में महत्व। अन्तःस्त्रावी ग्रन्थियाँ तथा उनके स्त्राव एवं कार्य। मानव में पाचन की कार्यिकी।

6. पारिस्थितिकी

क) पारिस्थितिकी तन्त्र के प्रकार, संरचना और कार्य (जलीय एवं स्थलीय)।

ख) ऊर्जा प्रवाह, एवं पोषक खाद्य चक्रण (N, P, C, O) खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल और पारिस्थितिक पिरामिड।

ग) जनसंख्या पारिस्थितिकी : लक्षण, जनसंख्या वृद्धिवक्र, जनसंख्या नियमन, डीम्स एवं प्रसार।

घ) समुदाय पारिस्थितिकी : संरचना एवं संगठन, विशेषताएँ, नाम पद्धति।

ङ) पारिस्थितिकीय अनुक्रम : प्रकार, क्रियावली, अनुक्रम में शामिल परिवर्तन।

च) पर्यावरणीय प्रदूषण वायु : जल, ध्वनि, नाभिकीय (स्रोत, प्रभाव एवं अल्पीकरण)

छ) जैवविविधता : आनुवांशिक, प्रजाति तथा पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता का मूल्य, जैव विविधता में ह्रास के कारण तथा इसका संरक्षण (अंतस्थ तथा संसगत संरक्षण)।

7. पादप एवं जन्तुओं में प्रजनन और विकास—

परागण, निषेचन और भ्रूणपोष का विकास। पौधों में भ्रूण का विकास और बीज गठन। बीजांड की संरचना, गुरुबीजाणुजनन, का विकास एवं भ्रूण-कोष का संगठन। युग्मनन, निषेचन एवं मेंढक, चूजों और स्तनधारियों में आरम्भिक विकास, ब्लास्टुला गठन, कंदुकन तथा जन्तुओं में जर्म परतों का गठन। युग्मनज का गठन, भ्रणोद्भय। चूजों में आंख, मस्तिष्क और हृदय का विकास, अपरा का वर्गीकरण, स्तनधारियों में अपरा की कार्यिकी एवं कार्य। जन्तुओं में कायान्तरण के प्रकार एवं हार्मोन नियन्त्रण। चूजों में अतिरिक्त भ्रूणीय झिल्लियाँ।

8. जैव प्रौद्योगिकी

क) विभिन्न प्रकार के सूक्ष्मजीव।

ख) आनुवांशिक अभियान्त्रिकी की तकनीक एवं कार्यक्षेत्र पर संक्षिप्त विचार।

ग) जीन प्रतिरूपण : संकल्पना एवं बुनियादी कदम, आनुवांशिक अभियान्त्रिकी के उपयोग के परिपेक्ष में *इ. कोलाई* तथा जीवाणुभोजी का आनुवांशिक विकास में जीवाणुओं एवं विषाणुओं का उपयोग।

घ) पादप कोशिका, ऊतक और अंग संवर्धन, ऊतक संवर्धन की तकनीक, जनन्द्रव का संग्रहण एवं भंडारण (निम्न ताप परिरक्षण)। पादप ऊतक संवर्धन का उपयोग। ट्रान्सजेनिक पौधें।

ड) खेतों में जैव उर्वरक एवं जैविक नियंत्रण।

च) आनुवंशिक रूप से रूपान्तरित खाद्य फसलों, नैनो जैव प्रौद्योगिकी, पी सी आर, आर टी पी सी आर, जीन लायब्रेरी, जीन बैंक की प्रारंभिक जानकारी।

ज) आणविक चिन्हकों के प्रकार एवं उनकी भूमिका।

9. जीव विज्ञान में विधियाँ

क) आणविक जीवविज्ञान और पुनः संयोजक डी०एन०ए० विधि :

एक और द्विआयामी जैल वैद्युतकणसंचलन द्वारा आर०एन०ए०, डी०एन०ए० और प्रोटीन का विश्लेषण, समविधुतविभव फोकसिंग जैल्स।

जीवाणु और यूकेरियोटिक प्रणालियों में डी०एन०ए० या आर०एन०ए० टुकड़ों का आणविक प्रतिरूपण। जीवाण्विक, जन्तुओं एवं पादप वाहकों का उपयोग करके पुनः संयोजक प्रोटीन की अभिव्यक्ति। विशिष्ट अमिनो अम्ल अनुक्रमों का अलगाव।

प्लाज्मिड, फेज, कॉस्मीड, बी ए सी, और वाई ए सी, वाहकों में जीनोमिक और सी डी एन ए पुस्तकालयों का निर्माण।

प्रोटीन अनुक्रमण विधियाँ : प्रोटीन के पोस्ट अनुवाद रूपान्तरण का अवलोकन डी एन ए अनुक्रमण विधियाँ, जीनोम अनुक्रमण के लिए रणनितियाँ।

आर०एन०ए० और प्रोटीन स्तर पर जीन अभिव्यक्ति के विश्लेषण के तरीके, बड़े पैमाने पर अभिव्यक्ति जैसे सूक्ष्म सरणी आधारित तकनीक। कार्बोहाइड्रेट एवं लिपिड अणुओं का अलगाव, प्रथककरण एवं विश्लेषण।

आर०एफ०एल०पी, आर०ए०पी०डी० और ए०एफ०एल०पी तकनीकें।

ख) सांख्यिकीय विधियाँ : केंद्रीय प्रवृत्ति और वितरण का मापआंकन : संभावना बंटन (द्विपदीय, प्वाइजन, साधारण) : नमूने का विक्षेपण" प्राचल और अप्राचल के बीच अंतर : विश्वास अंतराल त्रुटियाँ, आँकड़ों के स्तर" महत्व, समाश्रयण और सहसंबंध टी-परीक्षण, विचरता का विश्लेषण, X^2 परीक्षण।

ग) सूक्ष्मदर्शी तकनीक : प्रकाश सूक्ष्मदर्शी द्वारा कोशिकाओं और सबसेल्यूलर, घटकों को देखने की प्रक्रिया विसर्जन, विभिन्न सूक्ष्मदर्शीयों की शक्तियों का हल।, जीवित कोशिकाओं की माइक्रोस्कोपी, स्कैनिंग और ट्रांसमिशन सूक्ष्मदर्शी।

घ) क्षेत्र जीव विज्ञान की विधियाँ : रेन्जिंग पैटर्न द्वारा प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष तथा सुदूर अवलोकन, व्यवहार के अध्ययन की प्रतिचयन विधियाँ। वास, लक्षण वर्णन, धरातल एवं सदुर संवेदन विधियाँ।

नागरिक-शास्त्र

1. राजनीतिक सिद्धान्त और विचार

- राजनीतिक सिद्धान्त की प्रकृति, इसकी मुख्य चिंताएं, पतन और पुनरोत्थान, प्रजातंत्र, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, सम्प्रभुता, उदारवाद एवं मार्क्सवाद।
- शक्ति, सत्ता एवं वैधता।
- भारतीय राजनीतिक विचारक : मनु, कौटिल्य, विनायक दामोदर सावरकर, गाँधी तथा अम्बेडकर।
- पाश्चात्य राजनीतिक विचारक : प्लेटो, अरस्तु, बेंथम, जे0एस0मिल, हीगेल और मार्क्स।
- आधुनिक राजनीतिक विचारक : लेनिन, माओ, ग्राम्शी तथा जॉन रॉल्स।

2. तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण

- तुलनात्मक राजनीति का एक अनुशासन के रूप में उद्भव; प्रकृति और विषय क्षेत्र।
- तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम: पारम्परिक एवं आधुनिक।
- शासन के प्रकार : एकात्मक तथा संघात्मक, संसदात्मक तथा अध्यक्षीय।
- शासन के अंग : कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका— तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में उनके अन्तरसम्बन्ध।
- दल-प्रणालियाँ तथा दबाव-समूह: चुनावी व्यवस्थाएँ।
- राजनीतिक विकास, राजनीतिक संस्कृति और राजनीतिक समाजीकरण।
- राजनीतिक अभिजन; प्रजातंत्र का अभिजात्य सिद्धान्त।

3. भारतीय शासन एवं राजनीति

- राष्ट्रीय आन्दोलन— 1. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रभाव।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का निर्माण एवं कार्य
3. स्वतंत्रता आंदोलन में गाँधी जी की भूमिका।
4. स्वतंत्रता आन्दोलन में क्रान्तिकारियों का योगदान।
- संविधान सभा-रचना एवं कार्य।
- प्रस्तावना, नागरिकता, मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निदेशक-सिद्धान्त तथा मौलिक कर्तव्य।
- संवैधानिक संशोधन-प्रक्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन।
- संरचना और प्रकार्य—1-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रि-परिषद्, संसदात्मक व्यवस्था की कार्य-शैली।
- संरचना और प्रकार्य—2- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रि-परिषद्, राज्य विधायिका।
- स्थानीय स्वायत्त शासन : (ग्रामीण और नगरीय), उत्तराखण्ड राज्य के विशेष संदर्भ में, स्थानीय स्वायत्त शासन में महिलाओं हेतु आरक्षण और उसका प्रभाव।
- संघवाद : भारत में संघवाद की संरचना, स्वायत्तता की मॉर्गें और पृथक्तावादी आन्दोलन, केन्द्र-राज्य सम्बन्धों के उभरते प्रतिमान।
- न्यायपालिका : उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय (संरचना एवं प्रकार्य), न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता, जनहित याचिका सम्बन्धी मुकदमों सहित, न्यायिक सुधार।
- भारत में पंथ निरपेक्षवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद एवं जातिवाद की राजनीति।
- भारत में लोकपाल एवं लोकायुक्त।
- भारत के नवीन सामाजिक आन्दोलन (कृषक आन्दोलन, महिला आन्दोलन, पर्यावरण तथा विकास प्रभावित जन आन्दोलन)
- राजनैतिक दल एवं जनमत।
- उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में महिलाओं की भूमिका।
- नीति आयोग-संरचना एवं प्रकार्य।

- भारत में चुनाव आयोग और चुनाव सुधार।
- उत्तराखंड में महिला सशक्तिकरण।
- उत्तराखंड में मानवाधिकार आयोग की रचना एवं कार्यविधि।

4. लोक प्रशासन

- लोक प्रशासन : अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र।
- संगठन के सिद्धान्त : सूत्र और स्टाफ, पद सोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, केन्द्रीयकरण और विकेन्द्रीकरण, संगठन के प्रकार—औपचारिक एवं अनौपचारिक, संगठन के प्रारूप— विभाग और लोक निगम।
- मुख्य कार्यपालिका :— प्रकार, कार्य और भूमिका।
- कार्मिक प्रशासन :— भर्ती, प्रशिक्षण और पदोन्नति।
- नौकरशाही :— प्रकार तथा भूमिका, मैक्स वेबर और उनकी आलोचना।
- वित्तीय प्रशासन :— बजट, भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की भूमिका।
- सुशासन :— प्रशासनिक भ्रष्टाचार की समस्याएँ, पारदर्शिता, जवाबदेही उत्तराखंड के विशेष संदर्भ में
- सूचना का अधिकार।

5. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का अर्थ प्रकृति एवं क्षेत्र।
- शक्ति : शक्ति के तत्व, राष्ट्रीय हित का निर्माण और उन्नयन, विदेश नीति के निर्धारक तत्व।
- शस्त्र : पारम्परिक, नाभिकीय एवं जैवरासायनिक, परमाणु निवारण।
- शस्त्रस्पर्धा, शस्त्र नियंत्रण एवं निःशस्त्रीकरण।
- विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान एवं कूटनीति।
- गुट—निरपेक्षता तथा वैश्वीकरण।
- नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था, उत्तर—दक्षिण संवाद, दक्षिण—दक्षिण सहयोग, विश्व व्यापार संगठन, (डब्ल्यू0 टी0 ओ0)।
- संयुक्त राष्ट्र : उद्देश्य, लक्ष्य, संरचना।
- संयुक्त राष्ट्र की कार्य प्रणाली : शान्ति, विकास तथा पर्यावरणीय संदर्भ में।
- क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय संगठन विशेषतः 'सार्क', 'आसियान' और 'ओपेक'।
- अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका : भारत के पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका) एवं प्रमुख देशों (ब्रिटेन, अमेरिका, रूस और चीन) से सम्बन्ध, भारतीय विदेश नीति और कूटनीति, भारत की परमाणु नीति।
- आतंकवाद और राज्य प्रायोजित आतंकवाद।
- राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती अवधारणा एवं राष्ट्र राज्य की चुनौतियां।

अर्थशास्त्र

1. **सूक्ष्म अर्थशास्त्रः**— अर्थ, अर्थशास्त्र की केंद्रीय समस्यायें, उत्पादन सम्भावना वक्र एवं अवसर लागत।

उपभोक्ता संतुलन एवं माँग: उपयोगिता का अर्थ, सीमान्त उपयोगिता, सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम, सीमान्त उपयोगिता विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता का संतुलन, माँग एवं इसके निर्धारक तत्व, माँग में संकुचन व विस्तार तथा माँग वक्र में वृद्धि व कमी, माँग की कीमत लोच एवं इसके निर्धारण तथा मापन की विधियाँ; तटस्थता वक्र विश्लेषण एवं उपभोक्ता संतुलन।

उत्पादक व्यवहार एवं पूर्ति: उत्पादन फलन; कुल उत्पाद, औसत उत्पाद एवं सीमान्त उत्पाद; प्रतिफल के नियम; लागत एवं आगम की अवधारणायें एवं उनका सम्बन्ध;

उत्पादक का संतुलन—अर्थ एवं संतुलन की दशायें; पूर्ति एवं इसके निर्धारक तत्व; पूर्ति वक्र में संकुचन व विस्तार एवं पूर्ति में कमी एवं वृद्धि, पूर्ति की कीमत लोच एवं इसके मापन की विधियाँ।

बाजार के स्वरूप एवं कीमत निर्धारण: पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता एवं अल्पाधिकार बाजार का अर्थ एवं इसकी विशेषताएँ, बाजार संतुलन दशायें एवं पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत निर्धारण, उच्चतम् (ceiling) कीमत एवं निम्नतम् (floor) कीमत। भूमि, श्रम, पूँजी एवं लाभ की अवधारणायें एवं सिद्धान्त।

2. **व्यापक अर्थशास्त्रः**— अर्थ; राष्ट्रीय आय अंकेक्षण; आय का चक्रीय प्रवाह; राष्ट्रीय आय की माप—उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित विधि, व्यय विधि और आय विधि; राष्ट्रीय आय समग्र—सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP), शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP), सकल एवं शुद्ध घरेलू उत्पाद (GDP एवं NDP) साधन लागत एवं बाजार कीमतों पर; व्यय योग्य आय, निजी आय तथा वैयक्तिक आय; वास्तविक एवं मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद; सकल घरेलू उत्पाद एवं आर्थिक कल्याण।

मुद्रा एवं बैंकिंग: मुद्रा का अर्थ एवं कार्य, मुद्रा की पूर्ति एवं इसके विभिन्न माप, वाणिज्यिक बैंकों के द्वारा साख सृजन, केन्द्रीय बैंक एवं इसके कार्य, साख नियंत्रण, मुद्रा स्फीति एवं व्यापार चक्र की अवधारणा।

रोजगार एवं आय का निर्धारण—समग्र माँग एवं समग्र पूर्ति फलन, रोजगार एवं आय का निर्धारण; उपभोग एवं बचत प्रवृत्ति; विनियोग गुणक एवं इसका कार्यकरण; पूर्ण रोजगार एवं अनैच्छिक बेरोजगारी का अर्थ तथा इसे दूर करने के उपाय।

सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था— अर्थ, उद्देश्य एवं घटक, प्राप्तियों एवं व्यय का वर्गीकरण, सरकारी घाटे के मापक—राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा एवं प्राथमिक घाटा; राजकोषीय नीति।

भुगतान संतुलन—अर्थ एवं घटक, भुगतान संतुलन घाटा, विनिमय दर—अर्थ एवं प्रकार; मुक्त बाजार के अन्तर्गत विनियमय दर निर्धारण।

3. **भारतीय अर्थ व्यवस्था: विकास नीतियाँ एवं अनुभव (1947 से 1990):**— भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ, पंचवर्षीय योजनाओं के उद्देश्य; वृद्धि एवं क्षेत्रक विकास;

भारतीय कृषि की मुख्य विशेषतायें, समस्यायें व नीतियाँ; जैविक खेती, औद्योगिक विकास एवं औद्योगिक नीति; भारत का विदेशी व्यापार। 1991 के पश्चात आर्थिक सुधार; भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ—जनसंख्या; मानव पूँजी निर्माण एवं इसकी भूमिका; संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में रोजगार, गरीबी एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम; ग्रामीण विकास; साख एवं विपणन समस्यायें, सहकारिता की भूमिका; स्वास्थ्य एवं ऊर्जा की समस्यायें, मुद्रास्फीति; संधारणीय विकास और पर्यावरण; वैश्विक उष्णता; भारत के पाकिस्तान एवं चीन के साथ तुलनात्मक विकास के अनुभव; नीति आयोग।

4. **सांख्यिकी:—** अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व; आकड़ों का संकलन—स्रोत, विधियाँ एवं आँकड़ों का संगठन, बारम्बारता वितरण; आकड़ों का प्रस्तुतीकरण, केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप—माध्य, माध्यिका एवं बहुलक; अपकिरण—विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन और मानक विचलन तथा इनके सापेक्ष अपकिरण माप; लॉरेन्ज वक्र एवं इसके अनुप्रयोग; सहसंबंध—कार्ल पियर्सन एवं स्पियरमैन विधि। सूचकांक— थोक मूल्य सूचकांक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पाद सूचकांक एवं इनके उपयोग, मुद्रास्फीति एवं सूचकांक।

इतिहास

प्राचीन भारत:

प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत: पुरातात्विक स्रोत, पुरालेख शास्त्र, मुद्राशास्त्र, साहित्यिक स्रोत यात्रा-वृतान्त। मानव का उद्विकास: पुरापाषाण, मध्यपाषाण एवं नवपाषाण युग।

सिन्धु घाटी की सभ्यता: उद्गम, तिथि, विस्तार, विशेषताएं और पतन।

वैदिक युग: समाज का उद्विकास, अर्थव्यवस्था, धर्म एवं राजव्यवस्था; वैदिक साहित्य।

सोलह महाजनपद और मगध साम्राज्य का अभ्युदय

नवीन धर्मों का युग: जैन एवं बौद्ध मत- उनकी मुख्य शिक्षाएं, विस्तार एवं पतन।

विदेशी आक्रमण: ईरान तथा मकदूनिया के प्रभाव।

मौर्य साम्राज्य: मौर्य साम्राज्य की नींव- चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, अशोक तथा उसका धम्म, मौर्य प्रशासन, समाज एवं अर्थव्यवस्था, कला, और मौर्य साम्राज्य का पतन।

मौर्योत्तर भारत: हिन्द-यवन, शक, कुषाण, पल्लव तथा पश्चिमी क्षत्रप: समाज, कला एवं स्थापत्य, अर्थव्यवस्था।

सातवाहन; संगम युग -संगम साहित्य; सम्राट खारवेल

गुप्त साम्राज्य: स्थापना-श्रीगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्र गुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य), स्कन्दगुप्त और उत्तरवर्ती गुप्त सम्राट; विस्तार तथा पतन, प्रशासन, समाज एवं संस्कृति; कला एवं स्थापत्य, व्यापार, जाति व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था- नालन्दा, विक्रमशिला तथा वल्लभी विश्वविद्यालय; विदेशों से सम्बन्ध।

वाकाटक: मौखरी; हर्ष-युग: उसकी राजनैतिक तथा धार्मिक उपलब्धियां।

नवीन शक्तियों का अभ्युदय- बादामी के चालुक्य, कदम्ब; प्रशासन, वैष्णव एवं शैव मत-शंकराचार्य।

कल्याणी के चालुक्य, चोल; होयसल, पाड्य एवं पल्लव-प्रशासन तथा स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य; अर्थव्यवस्था एवं व्यापार, श्री लंका तथा दक्षिण पूर्व एशिया से सम्बन्ध।

कामरूप के वर्मन और पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूट, परमार, चंदेल, कलचुरी, चेदि, सेन; गुजरात के चालुक्य, इस्लान का आक्रमण- मुहम्मद-बिन-कासिम, महमूद गजनी, अल्बेरूनी।

मध्यकालीन भारत-

स्रोत: पुरातात्विक स्रोत, पुरालेख एवं मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्यिक स्रोत- फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएं, विदेशी यात्रीयों के अभिलेख।

सल्तनत काल- गौरी, तुर्क, खिलजी, तुगलक, सैय्याद और लोदी। प्रशासन, अर्थव्यवस्था और समाज- स्त्रियों की दशा, संस्कृति, कला और स्थापत्य, धार्मिक आन्दोलन- सूफी और भक्ति आन्दोलन, शिक्षा एवं साहित्य, दिल्ली सल्तनत का पतन एवं क्षेत्रीय शक्तियों का अभ्युदय।

विजयनगर और बहमनी राज्य- उनका विस्तार, प्रशासन, समाज और संस्कृति, अर्थव्यवस्था और स्थापत्य, साहित्य, पतन के कारण।

मुगलों का आरोहण- बाबर से औरंगजेब तक और उत्तरवर्ती मुगल, अफगान-अन्तराल- शेरशाह सूरी और उसके सुधार।

मुगल प्रशासन- भू-सुधार, मनसबदारी और जागीरदारी व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं वाणिज्य- आन्तरिक तथा बाह्य, समाज तथा संस्कृति, कला एवं स्थापत्य- हिंद-मुगल स्थापत्य; चित्रकला, संगीत; साहित्य- फारसी, संस्कृत तथा क्षेत्रीय भाषाएं।

मुगल साम्राज्य का विघटन- कारण।

शिवाजी और मराठा शक्ति का अभ्युदय— मराठा संघ— विस्तार, प्रशासन, समाज एवं संस्कृति, मराठा शक्ति का पतन।

आधुनिक भारत—

स्रोत— पुरातात्विक और अभिलेखीय सामग्री— सिक्के एवं इमारतें, साहित्य— यूरोपीय एवं भारतीय जीवनवृत्त तथा संस्मरण, यात्रावृत्तान्त, समाचारपत्र, मिशनरी सहित्य।

औपनिवेशिक शक्तियों का आगमन तथा ब्रिटिश साम्राज्य का अभ्युदय एवं सृष्टीकरण, यूरोपीय व्यापारी तथा अन्तर-औपनिवेशिक प्रतिस्पर्धा— पुर्तगाली, डच, अंग्रेज तथा फ्रांसीसी।

ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रमुख भारतीय राज्यों के साथ सम्बन्ध— बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा तथा सिक्ख।

ईस्ट इंडिया कम्पनी तथा ताज के आधीन प्रशासन— कम्पनी के अधीन केन्द्रीय तथा प्रान्तीय प्रशासन का विकास (1773–1853); परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्याय—व्यवस्था, पुलिस तथा सेना।

ब्रिटिश शासन में अर्थव्यवस्था— अर्थव्यवस्था का बदलता परिदृश्य, 'दि ट्रिब्यूट'; कृषि का विस्तार एवं वाणिज्यीकरण, अकाल एवं महामारी, भू-अधिकार, भू-व्यवस्था, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, हस्तशिल्प का अधःपतन,

ब्रिटिश औद्योगिक नीति; प्रमुख उद्योग; फ़ैक्ट्री अधिनियम, श्रमिक एवं मजदूर संघ के आन्दोलन।

मौद्रिक नीति: बैंक व्यवस्था, रेल तथा भूतल परिवहन।

संक्रमणाधीन भारतीय समाज: ईसाई धर्म—आगमन, मिशनरी गतिविधियाँ तथा जनसामान्य को तत्सम्बन्धी लाभ: शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक—स्वास्थ्यविज्ञान।

ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत शैक्षणिक व्यवस्था।

भारतीय पुनर्जागरण— सामाजिक—धार्मिक आन्दोलन और इसके मुख्य प्रवर्तक।

प्रिंटिंग प्रेस का अभ्युदय— पत्रकारिता सम्बन्धी गतिविधियाँ, तथा जनमत निर्माण में इसकी सहभागिता।

स्वाधीनता संघर्ष: भारतीय राष्ट्रवाद का उद्भव: राष्ट्रीय आन्दोलन का सामाजिक एवं आर्थिक आधार।

1857 का विद्रोह: कारण एवं परिणाम—विभिन्न आन्दोलन— जनजातीय एवं कृषक आन्दोलन को समाहित करते हुए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म तथा विकास— प्रारम्भिक वर्ष— 1885–1920।

वामपंथी दल तथा भारत में वामपंथी राजनीति।

स्वदेशी आन्दोलन— बंग—भंग, देश तथा विदेश में भारतीय क्रान्तिकारियों की गतिविधियां।

गाँधी तथा गाँधीवादी आन्दोलन।

दलित समाज से सम्बन्धित आन्दोलन, जस्टिस पार्टी, अम्बेडकर, पेरियार। साम्प्रदायिक राजनीति का अभ्युदय तथा जिन्ना का उद्भव।

आजाद हिन्द फौज तथा सुभाष चन्द्र बोस।

स्वतन्त्रता प्राप्ति की ओर एवं भारत का विभाजन। भारतीय संविधान का निर्माण,

राष्ट्रीय आन्दोलन में उत्तराखण्ड का योगदान।

विश्व का इतिहास:

विश्व इतिहास का परिचय

प्रारम्भिक समाज— आरंभिक समय से भूमिका; अफ्रीका, यूरोप 15000 ई0पू0 तक,

प्रारम्भिक शहर: ईराक, तीसरी सहस्राब्दि ई0पू0

साम्राज्य: भूमिका, तीन महाद्वीपों में फैला रोमन साम्राज्य 27 ई0पू0 से 600 ई0पू0।

मध्य इस्लामिक भूमि: 7वीं से 12वीं ई० तक

आदिवासी साम्राज्य: मंगोल 13वीं से 14वीं ई० तक।

परिवर्तित परम्पराएं: भूमिका, तीन आदेश, पश्चिमी यूरोप, 13वीं से 16वीं ई० तक
14वीं से 17वीं सदी तक यूरोप में परिवर्तनशील सांस्कृतिक परम्पराएं।

यूरोप में क्रांतियां— फ्रांसिसी क्रांति, रूसी क्रांति।

सांस्कृतिक संघर्ष: 15वीं से 18वीं सदी तक अमेरिका।

आधुनिकीकरण की ओर: भूमिका, औद्योगिक क्रान्ति और कृषि क्रांति।

मूल निवासियों का विस्थापन: उत्तरी अमेरिका और आस्ट्रेलिया 18वीं से 20वीं सदी तक।

आधुनिकीकरण की ओर: पूर्वी एशिया 19 वीं सदी के पश्चात् से 20 वीं सदी।

प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के मध्य यूरोप।

महामंदी तथा न्यू डील।

नाजीवाद तथा फासीवाद

चीन में साम्यवाद का प्रभाव— कुओमिन्तांग तथा माओ की लम्बी पदयात्रा। सयुक्त राष्ट्र संघ शीत युद्ध तथा शक्ति संतुलन,

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन: स्वातंत्रयोत्तर भारत की वैदेशिक नीति।

भूगोल

1. भूगोल, एक विषय के रूप में

- परिभाषा, वितरणों के विज्ञान के रूप में, स्थानिक भिन्नताओं के विज्ञान समाग्रही एवं समाकलन अनुशासन के रूप में भूगोल।
- भूगोल की विषय – वस्तु
- भूगोल की प्राथमिक शाखाएँ: भौतिक एवं मानव
- भूगोल में प्रमुख दृष्टिकोण: निश्चयवाद, संभववाद, नव-निश्चयवाद एवं संभाव्यवाद
- विषय की अनुपयोगिता

2. भौतिक भूगोल

भू-आकृति विज्ञान

- पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास, पृथ्वी का अभ्यन्तर: महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त तथा प्लेट विवर्तनिकी की संकल्पना
- भूकम्प तथा ज्वालामुखी के कारण एवं परिणाम
- प्रमुख चट्टानों के प्रकार एवं खनिज-उनकी विशेषताएँ एवं वितरण
- भू-दृश्यों के प्रकार: अभिकर्ता, प्रक्रियाएँ तथा संबंधित आकृतियाँ
- भ्वाकृतिक प्रक्रम- अनाच्छादन, अपक्षय, वृहद क्षरण, अपरदन; निक्षेपण
- मृदा-निर्माण की प्रक्रिया

जलवायु विज्ञान

- वायुमण्डल का संघटन एवं संरचना
- सूर्यताप: आपतन का कोण तथा वितरण, पृथ्वी का ताप-बजट, पृथ्वी के तापन व शीतलता को प्रभावित करने वाले कारक, जैसे- संचलन, संवहन, पार्थिव विकिरण तथा अभिवहन।
- जलवायु एवं मौसम के तत्व
- तापमान- नियंत्रक कारक, क्षैतिज एवं लम्बवत् वितरण, तापमान का व्युत्क्रम
- वायुमण्डलीय दाब, दाब-पेटियाँ, पवनों का सामान्य संचरण-स्थानीय व मौसमी पवनें; वायु-राशियाँ एवं वाताग्र, मानसून की क्रिया विधि, चक्रवातों के प्रकार, एल-निनो एवं ला-नीना का प्रभाव
- वर्षण की प्रकृति एवं प्रकार, वाष्पीकरण तथा संघनन-मेघ, ओस, पाला, कोहरा व धुन्ध, वर्षा का विश्व-वितरण
- विश्व जलवायु का वर्गीकरण (कोपेन तथा थार्नवेट)
- वैश्विक तापन एवं जलवायु परिवर्तन-कारण तथा परिणाम, जलवायु परिवर्तन से संबंधित उपचारात्मक उपाय

जल-मण्डल

- समुद्र विज्ञान के आधारभूत पक्ष
- जलीय चक्र
- समुद्रों में तापमान व लवणता का वितरण

- समुद्री नितलों का उच्चावच
- समुद्रीजल की गतियाँ—धाराएँ, तरंगे तथा ज्वार—भाटे
- समुद्री संसाधन तथा समुद्री प्रदूषण की समस्याएँ

जैवमण्डल

- वृहत जैवमण्डल के रूप में पृथ्वी
- पर्यावरण तथा परिस्थितिकी की अवधारणा, पर्यावरण के घटक
- जैव विविधता: प्रकार, महत्व एवं संरक्षण, परिस्थितिक तंत्र की परिभाषा तथा प्रकार
- पर्यावरण पर मानवीय प्रभाव, प्रदूषण, पारिस्थितिक तंत्रों का संरक्षण एवं प्रबंधन, पारिस्थितिक सन्तुलन

भारत का भूगोल

भौतिक विशेषताएँ (अभिलक्षणायें) —

- अवस्थिति, स्थानिक संबंध, संरचना, उच्चावच तथा भारत के भौतिक विभाग
- भारत का अपवाह—तंत्र, नदी बेसिनों एवं जलगमों की संकल्पना, उत्तराखण्ड की नदियाँ
- जलवायु विशेषताएँ: तापमान का वितरण (स्थानिक व कालिक), दाब तंत्र, पवनें, वर्षा में प्रतिरूप तथा मौसमी विशेषताएँ, भारतीय मानसून की विशेषताएँ एवं क्रिया—विधि, जलवायु के प्रकार (कोपेन)
- प्राकृतिक वनस्पति— वनस्पति—प्रदेश, वनावरण, वन्य—जीव, वनस्पति एवं वन्य जीवों का संरक्षण—जैव—संरक्षित क्षेत्र, राष्ट्रीय उद्यान तथा वन्यजीव अभयारण्य
- मुख्य मृदा प्रकार तथा उनका वितरण (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार), मृदा अपरदन तथा अवनयन की समस्या, मृदा—संरक्षण
- प्राकृतिक आपदाओं व प्रकोप के कारण, परिणाम, न्यूनीकरण तथा प्रबन्धन—बाढ़, सूखा, भूकम्प, चक्रवात, सुनामी तथा भू—स्खलन, उत्तराखण्ड की प्राकृतिक आपदाएँ

मानवीय विशेषताएँ—

- जनसंख्या— वितरण, घनत्व व वृद्धि, जनसंख्या की विभिन्न विशेषताओं को प्रभावित करने वाले कारक, जनसंख्या का संघटन: लिंग—अनुपात, ग्रामीण—नगरीय, धार्मिक, भाषाई, अनुसूचित जाति व जनजातिय जनसंख्या, जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना, जनसंख्या के क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास प्रतिरूप, भारत की जनसंख्या के प्रवास के प्रतिरूप के कारण और प्रभाव, उत्तराखण्ड में जनसंख्या प्रवास के प्रतिरूप, कारण तथा प्रभाव।
- ग्रामीण तथा नगरीय, अधिवासों के प्रकार एवं वितरण, नगरीय बस्तियों का कार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीकरण की समस्याएँ

संसाधन—

- प्राकृतिक संसाधनों की संकल्पना, प्रकार तथा वितरण। भूमि संसाधन—भूमि उपयोग प्रतिरूप तथा इसको प्रभावित करने वाले कारक
- जल संसाधन—संभाव्यता, उपलब्धता तथा उपयोग, जल का प्रयोग—सिंचाई, घरेलू, औद्योगिक तथा अन्य, जल—अल्पता की समस्या, जल—संसाधनों का प्रबन्धन और संरक्षण—सुसंगत तकनीकें, जलागम प्रबन्धन व वर्षा जल का संचयन, पर्वतीय क्षेत्रों में जल प्रबन्धन

- खनिज संसाधन, धात्विक तथा अधात्विक खनिजों का वितरण, लौह अयस्क, तांबा, बॉक्साइट, मैंगनीज, अभ्रक तथा लवण आदि का अध्ययन
- ऊर्जा संसाधन-वर्गीकरण, पारम्परिक (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा जल विद्युत) तथा गैर-पारम्परिक (सौर पवन, बायोगैस) ऊर्जा-संसाधनों का महत्व व विवरण, ऊर्जा-संसाधनों का प्रबन्धन एवं संरक्षण

आर्थिक क्रियायें:-

- कृषि भूमि-उपयोग, प्रतिरूप, भौगोलिक परिस्थितियाँ एवं भारत की प्रमुख फसलें (गेहूँ, धान, कपास, जूट, गन्ना, चाय, कहवा तथा रबर), कृषि विकास व इसका प्रादेशिक प्रतिरूप, कृषि की समस्याएँ व समाधान
- उद्योग- उद्योगों का महत्व तथा प्रकार, औद्योगिक अवस्थापन को प्रभावित करने वाले कारक, प्रमुख उद्योगों का वितरण तथा बदलता प्रतिरूप-लौहा एवं इस्पात, सूती वस्त्र, चीनी, पेट्रो-रसायन, सूचना तकनीकी पर आधारित उद्योग, औद्योगिक प्रदेश एवं औद्योगिक समूह; उद्योगों पर निजीकरण तथा वैश्वीकरण का प्रभाव
- परिवहन तथा संचार-तंत्र: सड़कें, रेलमार्ग, आन्तरिक जलमार्ग तथा वायुमार्ग, तेल एवं गैस पाइप लाइनें, संचार तंत्र
- भारतीय विदेशी व्यापार की प्रकृति तथा इसका बदलता प्रतिरूप, समुद्री पत्तनों की भूमिका तथा प्रभाव-क्षेत्र, विदेशी व्यापार में हवाई अड्डों का महत्व तथा भूमिका
- भारत में नियोजन-भारत में नियोजन का इतिहास, 12वीं पंचवर्षीय योजना की मुख्य विशेषताएँ। नियोजन के प्रकार-क्षेत्रीय तथा खण्डीय, सतत विकास-संकल्पना तथा सूचक
- भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित समस्याएँ-पर्यावरण अवनयन, जल-प्रदूषण, निर्वनीकरण, स्रोतों का सूखना, नगरीय अपशिष्ट प्रबन्धन, ग्रामीण-नगरीय प्रवास, मलिन बस्तियों की समस्याएँ।

●

मानव भूगोल

- मानव भूगोल की परिभाषा, प्रकृति तथा कार्य-क्षेत्र। जनसंख्या: वितरण, घनत्व तथा वृद्धि, आयु तथा लिंगानुपात, ग्रामीण-नगरीय संयोजन, जनसंख्या की बदलती संरचना तथा स्थानिक प्रतिरूप, जनसंख्या परिवर्तन के निर्धारक
- मानव विकास की संकल्पना एवं सूचक, अन्तर्राष्ट्रीय तुलनाएं
- आर्थिक क्रियाएँ-
- वर्गीकरण
- प्राथमिक क्रियाएँ: संकल्पना एवं परिवर्तनशील प्रवृत्तियाँ (संग्रहण, लकड़ी काटना, पशुचारण, पशुपालन, खनन, मछली पकड़ना, निर्वाहमूलक तथा गहन कृषि, विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में कृषि तथा संबंधित क्रियाओं की भूमिका)
- द्वितीयक क्रियाएँ: संकल्पना एवं परिवर्तनशील प्रवृत्तियाँ, उद्योगों के प्रकार-कुटीर, लघु व वृहद उद्योग, कृषि व खनिजों पर आधारित उद्योग, द्वितीयक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या-चयनित देशों से उदाहरण
- तृतीयक क्रियाएँ: संकल्पना तथा परिवर्तनशील प्रवृत्तियाँ, व्यापार, परिवहन, पर्यटन, सेवाएँ, तृतीय क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या-चयनित देशों से उदाहरण
- चतुर्थक क्रियाएँ: संकल्पना, सूचना प्रौद्योगिकी आधारित क्रियाएँ, चतुर्थक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या-चयनित देशों से उदाहरण
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार - प्रकृति व परिवर्तनशील प्रतिरूप, पत्तनों की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भूमिका, विश्व व्यापार संगठन की भूमिका
- समुद्र: महत्व, राष्ट्रीय अधिकार, अन्तर्राष्ट्रीय समझौते

- परिवहन तथा संचार— सड़के, रेल, हवाई तथा जल परिवहन, ट्रॉस—महाद्वीपीय रेल, वृहत समुद्री मार्ग, अर्न्देशीय जलमार्ग, अन्तर्राष्ट्रीय वायु मार्ग, तेल एवं गैस पाइपलाइन।
- संचार के साधन—परम्परागत, मोबाइल टेलीफोन, इन्टरनेट, उपग्रह संचार और साइबर स्पेस, भौगोलिक सूचना का महत्व और उपयोग। जी.पी.एस. का उपयोग
- मानव अधिवास— ग्रामीण एवं नगरीय अधिवास के प्रकार एवं प्रारूप, शहरों, वृहत शहरों की आकृतिकी, विकसित देशों में अधिवास की समस्या।

मानचित्र कला एवं मानचित्र कार्य

- मापक— मापकों का महत्व एवं प्रकार, सरल, तुलनात्मक और कर्णवत मापकों की रचना
- मानचित्रों का महत्व, उपयोग तथा प्रकार, परम्परागत चिन्ह और उनका उपयोग, दूरी की माप, स्थिति निर्धारण तथा दूरी।
- भू स्थानिक आंकड़ा— संकल्पना और प्रकार (बिन्दु, रेखा और क्षेत्र आंकड़ा)
- मानचित्र प्रक्षेप : अक्षॉश, देशान्तर, प्रक्षेपों के प्रकार शंक्वाकार तथा मरकेटर प्रक्षेप की रचना विधि और विशेषतायें।
- स्थलाकृतिक मानचित्र—पहचान, मापक, क्षेत्र, सम्मोच्च रेखायें और उनके अनुभाग, भू-दृश्य की पहचान, भूमि उपयोग की व्याख्या, विषय सम्बन्धि मानचित्र
- वायु फोटो चित्र— प्रकार, ज्यामितीय विशेषतायें, मापक, मानचित्र और वायु फोटोचित्रों में अन्तर, भौतिक व सांस्कृतिक तत्वों की पहचान।
- सुदूर संवेदन – महत्व और उत्पाद (वायु फोटोचित्र, उपग्रह चित्र) सुदूर संवेदन में आंकड़ा निवेश एवं प्रक्रम की अवस्थायें, उपग्रह सेंसर्स तथा आंकड़ा उत्पाद
- मौसम उपकरणों का उपयोग: तापमापी (नम एवं शुष्म बल्ब), वायुदाव मापी, वायुवेग मापी और वर्षामापी, मौसम मानचित्रों की व्याख्या।
- क्षेत्रीय अध्ययन का महत्व
- पाठ्यक्रम के भौतिक/मानव/भारतीय भूगोल के खण्डों में दिये गये विभिन्न तत्वों तथा क्रियाओं का मानचित्रण एवं पहचान।

समाजशास्त्र

इकाई-01

समाजशास्त्रः—अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, विषय क्षेत्र और इसका महत्व। यूरोप और भारत में समाजशास्त्र का ऐतिहासिक विकास। समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।

इकाई-02

मौलिक अवधारणायें:— समाज, समुदाय, समूह, समिति, सामाजिक संरचना, सामाजिक व्यवस्था, संस्कृति, सामाजीकरण, प्रस्थिति और भूमिका, सामाजिक नियंत्रण और सामाजिक परिवर्तन।

इकाई-03

सामाजिक प्रक्रियायें:

सहयोगात्मक प्रक्रियायें: सहयोग, समायोजन, आत्मसात्करण

असहयोगात्मक प्रक्रियायें : प्रतियोगिता और संघर्ष।

सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक गतिशीलता।

इकाई-04

सामाजिक संस्थायें:— विवाह, परिवार, नातेदारी, आर्थिक संस्थायें, राजनीतिक संस्थायें, शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थायें।

इकाई-05

सामाजशास्त्रीय विचारक: (I)

कार्लमार्क्स—ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन के ढंग, अलगाव, वर्ग संघर्ष।

इमाइल दुर्खीम— श्रम विभाजन, सामाजिक तथ्य, आत्महत्या, धर्म और समाज।

मैक्स वेबर— सामाजिक क्रिया, आदर्श प्रारूप, सत्ता, नौकरशाही, प्रोटस्टैन्ट आचार संहिता और पूंजीवाद की भावना।

टॉल्कट पारसनस—सामाजिक व्यवस्था, प्रतिमानित चर।

रॉबर्ट के0मर्टन— प्रकट और प्रछन्न प्रकार्य, अनुरूपता और विचलन, संदर्भ—समूह।

इकाई-06

सामाजशास्त्रीय विचारक—(II)

अल्फ्रेड शूट्ज और पीटर बर्जर : प्रघटनाशास्त्र

गारफिन्कल : लोकविधि विज्ञान

गॉफमैन : प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद

जे0 अलैकजेन्डर : नव—प्रकार्यवाद

हेबरमास और एल्थ्यूजर : नव—मार्क्सवाद

एन्थनी गिडन्स : संरचनाकरण

इकाई—07

अनुसंधान पद्धति: (I)

सामाजिक अनुसंधान: अर्थ, प्रकार और महत्व, वैज्ञानिक पद्धति: तथ्य और मूल्य, कारक, सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता की समस्या, सर्वेक्षण, शोध प्रारूप और इसके प्रकार, उपकल्पना, निदर्शन। तथ्य संकलन की प्राविधियां:— अवलोकन, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार।

इकाई—08

सामाजिक अनुसंधान: (II)

गुणात्मक पद्धतियां:— सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अध्ययन, अर्न्तवस्तु विश्लेषण।

सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी: केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप—माध्य, मध्यांक, बहुलक; विचलन माप के तरीके तथा सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर की उपयोगिता।

इकाई—09

भारतीय समाज का परिचय:

- (i) जी०एस० घुरिये और लुई ड्यूमों: भारत विद्याशास्त्रीय/वाङ्मयी परिप्रेक्ष्य, एम०एन०श्रीनिवास और एस०सी० दुबे: संरचनात्मक प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य
डी०पी० मुकर्जी और ए०आर०देसाई: मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य
बी०आर० अम्बेडकर और डेविड हार्डिमेन : दलितवादी परिप्रेक्ष्य

- (ii) भारतीय समाज की सामाजिक पृष्ठभूमि: इस्लाम, ईसाई, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलनों और समाज सुधार आन्दोलनों का भारतीय समाज पर प्रभाव।

इकाई—10

भारतीय सामाजिक संरचना, परिवर्तन और चुनौतियां:

- (i) भारत में सामाजिक वर्ग: कृषक वर्ग संरचना, औद्योगिक वर्ग संरचना, भारत में मध्यम वर्ग।
(ii) भारत में जनजातीय समुदाय: भौगोलिक विस्तार, जनजातियों संबंधी विभिन्न कल्याणकारी नीतियां।
(iii) भारत में नातेदारी व्यवस्था: नातेदारी व्यवस्था के प्रकार, भारत में परिवार और विवाह
(iv) भारत में सामाजिक परिवर्तन और चुनौतियां: विकास के नियोजन का विचार और मिश्रित आर्थिकी।

परिवर्तन की प्रक्रियाएं: संस्कृतिकरण, आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण।

- (a) भारत में ग्रामीण रूपान्तरण: ग्रामीण विकास के कार्यक्रम, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, गरीबी उन्मूलन योजनायें, ग्रामीण मजदूरों की समस्यायें।
- (b) भारत में औद्योगिकरण और नगरीकरण: भारत में आधुनिक उद्योगों का उद्विकास, भारत में नगरीय बसावट में वृद्धि और गंदी बस्तियां, कामागार वर्ग: संरचना, वृद्धि
- (c) आधुनिक भारत में सामाजिक आन्दोलन : कृषक और किसान आन्दोलन, महिला आन्दोलन, पिछड़ी जाति और दलित आन्दोलन, पर्यावरण संरक्षण आन्दोलन।
- (d) जनसंख्या गतिशीलता: जनसंख्या का आकार, वृद्धि, संरचना, वितरण। जनसंख्या वृद्धि के घटक: जन्म, मृत्यु, प्रजनन। जनसंख्या नीति और परिवार नियोजन।
समकालीन मुद्दे—वृद्धावस्था, लिंगानुपात, बाल और शिशु मृत्यु दर, प्रजनन स्वास्थ्य।
- (e) सामाजिक रूपान्तरण की चुनौतियां :
विकास के संकट—विस्थापन, पर्यावरणीय समस्यायें और सततता; श्वेतवसन अपराध और भ्रष्टाचार, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, वर्णीय संघर्ष, जातीय संघर्ष, साम्प्रदायिकता, बेरोजगारी एवं आतंकवाद।

कला

कला के मूलाधार : कला के तत्व – रेखा, रूप, रंग, तान, पोत , स्थान, आदि । संयोजन के सिद्धांत – एकरूपता, अनुरूपता, सन्तुलन , प्रभाविता, लय, अनुपात । द्विआयामी एवं त्रिआयामी चित्रण, परिप्रेक्ष्य चित्रण । कलात्मक प्रक्रिया— अभिव्यक्ति, कल्पना, संवेदना, विषयवस्तु आदि । माध्यम और तकनीक – पेन्सिल, चारकोल, पेन , इंक , जल रंग, तैल रंग, ग्वाश, पेस्टल, म्यूरल, फ्रेस्को, टेम्परा, मोजाइक, वाश तकनीकियां, और मिक्स मीडिया ।

प्राविधिक कला – अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें । द्विआयामी एवं त्रिआयामी ठोस एवं सामान्य ज्यामितीय आकार, चित्रण औजार— पेन्सिल, स्केल्स , डिवाइडर, प्रोटेक्टर , कम्पास , टी-सक्वायर , सेट-सक्वायर, अनियमित वक्र । त्रिभुज की परिभाषा और प्रकार – समकोण, समबाहु, समद्विबाहु, विषमबाहु त्रिभुज बनाने की विधियां । ज्यामितीय आकारों के गुण और पहचान ।

भवन अनुरेखन , आकार, प्रकार, कलात्मक वास्तुकला अनुरेखन, आधार रूप । भवन और उसके घटकों के द्विआयामी एवं त्रिआयामी रूप का निर्माण करना । भवन के नींव (आधार) एवं मंजिल योजना के स्वरूप का कलात्मक निर्माण करना ।

कला का इतिहास : (चित्रकला एवं मूर्तिकला) **भारतीय कला** – प्रागैतिहासिक काल , सिन्धु घाटी सभ्यता, मौर्य काल, गुप्त काल, अजन्ता, ऐलोरा एवं बाघ गुफाओं की कला, मुगल शैली, राजस्थानी शैली , उत्तराखण्ड शैली, पटना शैली, राजा रवि वर्मा, बंगाल शैली, काली घाट पेंटिंग, पट्टचित्रकला, प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप, कलकत्ता ग्रुप, मद्रास स्कुल, शिल्पी चक्र आदि, एवं स्वतंत्रता पश्चात् की समकालीन कला । इन्डो इस्लामिक स्थापत्य , मन्दिरों का स्थापत्य एवं मूर्तिकला ।

लोक कला – उत्पत्ति, अर्थ, विकास । मधुबनी कला, रंगोली, थापा, मांडना, अल्पना, सांझी, गोदना ऐपण, कलमकारी, एवं उत्तराखंड की लोक संस्कृति और कला ।

पाश्चात्य कला – प्रागैतिहासिक कला , मिस्र और मेसोपोटामिया की कला, क्रीट और इट्रस्कन कला, ग्रीक कला , रोमन कला, ईसाई कला, बाइजेन्टाइन कला , रोमनस्क कला , गोथिक कला , रीतिवाद, बारोक कला, रोकोको कला, स्वच्छन्दतावाद , यथार्थवाद, प्रभाववाद, अभिव्यक्तिवाद , घनवाद, फाववाद, अतिथार्थवाद, अमूर्तवाद, भविष्यवाद ।

सौन्दर्यशास्त्र : कला और सौन्दर्य – उत्पत्ति, अर्थ , परिभाषा, विशेषता , वर्गीकरण । षंडग, अलंकार, रस , ध्वनि, औचित्य आदि । कला और समाज, कला और परम्परा, कला और धर्म , कला और कल्पना, कला और अनुकृति, कला और सम्प्रेषण, कला और प्रतीक, कला और कलात्मकता, कला और मनोविज्ञान, सहजानुभूति, तदात्म्य, स्वप्न एवं अवास्तविक कल्पना, रूपवाद का सिद्धान्त । भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार कला और सौन्दर्य ।

व्यावसायिक अध्ययन

भाग प्रथम:—व्यवसाय परिचय

प्रकृति एवं उद्देश्य, व्यवसाय बनाम पेशा, व्यावसायिक संगठन के स्वरूप: प्रकृति एवं सीमाएं। निजी एवं सार्वजनिक उद्यमों का अर्थ एवं भूमिका, लघु एवं मध्यम उपक्रम, व्यवसाय की उभरती पद्धतियां, व्यवसाय की नैतिकता। तकनीकी नवप्रवर्तन, कौशल विकास एवं मेक इन इण्डिया।

भाग द्वितीय: निगमीय संगठन एवं व्यवसाय के वैधानिक पहलू

(a) कम्पनी अधिनियम 2013 : प्रशासन (NCLT एवं NCLAT सहित), संयुक्त स्कन्ध कम्पनी की स्थापना, सार्वजनिक और निजी कम्पनी, सरकारी कम्पनी, एक व्यक्ति कम्पनी, रचनात्मक सूचना का सिद्धान्त एवं आन्तरिक प्रबन्ध का सिद्धान्त, निगमीय आवरण को उठाना।

प्रपत्रीकरण : रेड हेरिंग प्रविवरण एवं शेल्फ प्रविवरण, पार्षद सीमानियम एवं पार्षद अन्तर्नियम।

प्रबन्ध : संचालक, सभाएं एवं प्रस्ताव। कम्पनी का समापन। निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व एवं इसका क्रियान्वयन।

(b) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम : आवश्यकता, महत्व, उपभोक्ता जागरूकता, उपभोक्ता अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत वैधानिक प्रावधान।

(c) वस्तु एवं सेवाकर (GST) : व्यवसाय में इसके उद्देश्य एवं प्रभावशीलता।

भाग तृतीय: व्यावसायिक पर्यावरण

व्यावसायिक पर्यावरण का अर्थ, प्रकृति एवं मूलतत्व। अर्थिक पर्यावरण : उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण, द्वितीय पीढ़ी सुधार, वर्तमान सरकार द्वारा किए गए नवीन परिवर्तनों सहित नवीन औद्योगिक नीति।

भाग चतुर्थ: व्यवसाय, वित्त एवं विपणन प्रबन्ध

(a) व्यावसायिक प्रबन्ध : प्रकृति, महत्व एवं प्रबन्ध के सिद्धान्त।

नियोजन : उद्देश्य, रणनीति, नियोजन प्रक्रिया, निर्णयन।

संगठन : संगठनात्मक ढाँचा, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, शाक्ति एवं अधिकार।

स्टाफिंग : प्रक्रिया, प्रशिक्षण एवं विकास, निष्पादन मूल्यांकन।

निर्देशन : अभिप्रेरणा, नेतृत्व एवं संवहन।

नियंत्रण : आवश्यकता, प्रक्रिया एवं तकनीक।

(b) वित्तीय प्रबन्ध: आशय एवं उद्देश्य, वित्तीय निर्णयों को प्रभावित करने वाले घटक, पूंजीगत ढाँचा, पूंजी लागत एवं पूंजी बजट।

(c) विपणन प्रबन्ध : विपणन का प्रादुर्भाव (उत्पत्ति), विपणन बनाम विक्रय, विपणन मिश्रण, CRM, आधुनिक विपणन, बाजार विभक्तिकरण, उपभोक्ता व्यवहार। उत्पाद, मूल्य, संवर्धन एवं वितरण संबंधी विपणन निर्णय

भाग पांच:— बैंकिंग संस्थाएं एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :

(a) व्यवसाय में बैंकिंग का महत्व, बैंकों के विभिन्न प्रकार और इनके कार्य, आर0बी0आई0, नाबार्ड एवं आर0 आर0बी0 (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक)। बैंकिंग क्षेत्र में सुधार— एन0पी0ए0 (गैर निष्पादित सम्पत्तियां) एवं बैंकिंग उद्योग में आधुनिक प्रवृत्तियां। विमुद्रीकरण एवं इसका बैंकिंग उद्योग पर प्रभाव।

(b) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार: अर्थ, एवं प्रकृति, व्यापार सन्तुलन।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थान : IMF, IBRD, IFC, ADB

विश्व व्यापार संगठन : इसके कार्य एवं नीतियां, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां।

भाग—ब

लेखाशास्त्र

इकाई 01—लेखांकन एक परिचय:— लेखांकन का अर्थ, उद्देश्य एवं भूमिका, लाभ एवं सीमायें, लेखांकन एक सूचना प्रणाली के रूप में, लेखांकन की मूल-अवधारणाएँ एवं रीतियां/परम्पराएं सर्वमान्य स्वीकृत सिद्धान्त (गैप), अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (आई.एफ.आर.एस.)।

इकाई 02—लेखांकन प्रक्रिया— लेखांकन समीकरण, लेखांकन के सुनहरे नियम, मुख्य लेखांकन शब्दावली, लेखांकन प्रणालियां, रोजनामचा, खाताबही, प्रारम्भिक लेखे की सहायक पुस्तकें, रोकड़ बही, क्रय बही, विक्रय बही, क्रय वापसी बही एवं विक्रय वापसी बही, तलपट बनाने की विधियां तथा अशुद्धियों का संशोधन।

इकाई 03—अंतिम खाते—गैर निगमीय व्यावसायिक संस्थाओं के अंतिम खाते समायोजन सहित।

इकाई 04—बैंक समाधान विवरण तथा विनिमय विपत्र—बैंक समाधान विवरण की आवश्यकता तथा बैंक समाधान विवरण का निर्माण, विनिमय विपत्र का अर्थ, लाभ, बिल की कटौती, बिल का अनादरण एवं नवीनीकरण, अनुग्रह बिल, व्यापारिक बिल एवं अनुग्रह बिल में अन्तर।

इकाई 05—ह्रास, आयोजन तथा संचय—ह्रास का अर्थ एवं आवश्यकता, ह्रास की गणना की विधियां, आयोजन तथा संचय। पूंजीगत एवं आयगत व्यय एवं प्राप्तियां।

इकाई 06—गैर-व्यावसायिक संगठनों के खाते—अर्थ, विशेषताएँ तथा लाभ अर्जित न करने वाले गैर व्यावसायिक संगठनों के लेखे, प्राप्ति तथा भुगतान खाता एवं आय-व्यय खाता।

इकाई 07—साझेदारी खाते—मुख्य अवधारणाएँ, प्रकृति एवं साझेदारी संलेख। सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम 2008, नये साझेदार का प्रवेश, अवकाश ग्रहण एवं साझेदार की मृत्यु तथा साझेदारी का समापन।

इकाई 08—कंपनी खाते— अर्थ, अंश पूंजी के प्रकार, समता एवं पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन, अंशों का हरण तथा हरित अंशों का पुनःनिर्गमन, स्वेट—समता अंश तथा कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ई0एस0ओ0पी0)। पूर्वाधिकार अंशों का शोधन। ऋणपत्रों का निर्गमन एवं शोधन।

इकाई 09—(अ) वित्तीय—विवरणों का विश्लेषण—कंपनी के वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार कंपनी के आर्थिक चिट्ठे का निर्माण।

(ब) वित्तीय विवरण विश्लेषण के औजार (टूल्स) —अर्थ, महत्व एवं सीमायें, तुलनात्मक वित्तीय विवरण तथा समरूप (कॉमन) वित्तीय विवरण, लेखांकन अनुपात—लाभदायकता, तरलता, शोधन—क्षमता और क्रियाशीलता अनुपात।

इकाई 10—(अ) लेखांकन की किराया क्रय पद्धति एवं किस्त भुगतान पद्धति।

(ब) लेखांकन में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग—कम्प्यूटरीकृत लेखांकन—कम्प्यूटरीकृत लेखांकन की अवधारणाएं एवं भेद, विशेषताएँ, स्वरूप तथा लेखांकन में कम्प्यूटर की भूमिका। लेखांकन में टेली एवं इलैक्ट्रानिक स्प्रेड—शीट का उपयोग।

कृषि

I. सस्य और कृषि मौसम विज्ञान

कृषि और इसके क्षेत्र, बीज और बुवाई, जुताई और जोती हुई जमीन, फसल घनत्व और ज्यामिति, फसल पोषण, खाद और उर्वरक, पौष्टिक तत्व उपयोग दक्षता, जल संसाधन, मृदा-पौध-जल सम्बन्ध, फसल जल आवश्यकता, जल उपयोग दक्षता, सिंचाई-निर्धारण मानदंड और विधियाँ, सिंचाई के पानी की गुणवत्ता, जल भराव। खरपतवार – महत्व, वर्गीकरण, फसल-खरपतवार प्रतिस्पर्धा, खरपतवार प्रबन्धन की संकल्पना-सिद्धान्त एवं विधियाँ, खरपतवार नाशक का वर्गीकरण, चयनात्मकता और प्रतिरोध।

खरपतवार, उसके लक्षण, प्रसार एवं वर्गीकरण, विभिन्न फसलों के साथ सम्बन्ध; एवं उनके गुणन; खरपतवार का सांस्कृतिक, जैविक तथा रासायनिक नियंत्रण।

फसल की वृद्धि एवं विकास; वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक, फसल चक्र एवं उसके सिद्धान्त, फसलों का अनुकूलन एवं वितरण, फसलों की कटाई एवं मड़ाई।

पारिस्थितिकी, प्राकृतिक संसाधनों एवं उनके प्रबन्धन तथा संरक्षण में मानव के लिए प्रासंगिकता। फसल के वितरण एवं उत्पादन के पर्यावरणीय कारक। फसल वृद्धि के लिए जलवायवीय तत्व, बदलते हुए पर्यावरण का फसलों के स्वरूप में प्रभाव। पर्यावरण प्रदूषण तथा फसल, पशुओं एवं मानव से सम्बन्धित जोखिम।

पृथ्वी का वायुमण्डल-इसकी रचना, सीमा तथा संरचना, वायुमण्डल में मौसम परिवर्तनियता; वायुमण्डलीय दबाव तथा उँचाई के साथ इसमें भिन्नता; हवा, हवा के प्रकार, चक्रवात, प्रतिचक्रवात, स्थल एवं समुद्र समीर; सौर विकिरण की प्रकृति एवं गुण; वायुमण्डलीय तापमान, तापमान का व्युत्क्रमण, ह्लास दर, तापमान का उर्ध्वाधर स्वरूप; वायुमण्डलीय आर्द्रता, वाष्प दबाव, संघनन प्रक्रिया, ओस, कोहरा, पाला, बादल का बनना; वर्षण एवं इसकी प्रक्रिया, वर्षण एवं इनके प्रकार जैसे वर्षा, फुहार, हिम, सहिम वृष्टि एवं ओले; बादल का बनना एवं वर्गीकरण; कृत्रिम वर्षा, मानसून तथा कृषि में उसका महत्व, ओजोन अल्पीकरण, मौसम सम्बन्धी खतरे-सूखा, बाढ़, पाला और अति-मौसम जैसे गरम एवं ठंडी लहरे, बादल फटना। मौसम पूर्वानुमान- मौसम पूर्वानुमान के प्रकार एवं उपयोग। जलवायु परिवर्तन एवं परिवर्तिता, भूमण्डलीय उष्णता, जलवायु परिवर्तन के कारण एवं क्षेत्रीय व राष्ट्रीय कृषि पर इसका प्रभाव।

राज्य के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्र में फसल पद्धतियाँ। अधिक उत्पाद एवं अल्प कालिक प्रजातियों का फसल पद्धतियों पर प्रभाव। बहुफसलीय, बहुमंजली, रीले एवं अन्तरफसल की संकल्पना एवं सतत फसल उत्पादन में उसका महत्व। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में खरीफ एवं रबी मौसम के दौरान पैदा होने वाले महत्वपूर्ण अनाज, दलहनी, तिलहन, फाइबर, चीनी तथा नगदी फसलों के उत्पादन के लिए पद्धतियों का संकुल। कृषि एवं सामाजिक वानिकी के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के वानिकी पौधों के प्रमुख लक्षण, महत्व एवं प्रसारण।

II. मृदा विज्ञान और कृषि रसायन

मृदा उत्पत्ति : मिट्टी बनाने वाली चट्टानें और खनिज; अपक्षय, प्रक्रिया और मिट्टी के गठन के कारक; मृदा स्वरूप, मृदा घटक, मृदा के भौतिक गुण, समस्याग्रस्त मृदायें, भारत में उनका विस्तार, वितरण और सुधार। मृदा और पौधों में आवश्यक पौध पोषक तत्व एवं अन्य लाभकारी तत्व। सहजीवी और गैर-सहजीवी नाइट्रोजन यौगिकीकरण।

मिट्टी की उर्वरता के सिद्धान्त और उसका सही उर्वरक उपयोग हेतु मूल्यांकन। जैविक खाद, भारी एवं केन्द्रित खाद तैयार करने की विधियाँ और गुण। हरी खाद। खाद संस्तुति की पद्धतियाँ। एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन। पौधों में पोषक प्रवाह तंत्र, पौधों में पोषक तत्व उपलब्धता को प्रभावित करने वाले कारक।

मृदा के नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्सियम, मैग्निशियम, सल्फर और सूक्ष्म पोषक तत्वों के रासायनिक गुणधर्म। मृदा के विभिन्न पोषक तत्वों के महत्वपूर्ण स्तर। जल विभाजन आधार पर मृदा संरक्षण योजना। पर्वतीय क्षेत्रों, तलहटी और घाटियों में अपरक्षण और अपवाह प्रबन्धन; प्रक्रिया एवं उनको प्रभावित करने वाले कारक।

शुष्क कृषि और उनकी समस्याएँ। वर्षा आधारित कृषि में कृषि उत्पादन के स्थायीकरण की तकनीक। फसल उत्पादन के लिए जल उपयोग दक्षता, सिंचाई निर्धारण के मानदंड, सिंचाई योग्य जल के अपवाह हानि को कम करने वाले तरीके एवं साधन। मिट्टी में जलभराव की निकासी।

कृषि भूमि प्रबन्धन, क्षेत्र, महत्व एवं विशेषताएं, कृषि योजना और बजट। विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियों का अर्थशास्त्र। कृषि निवेश व उत्पाद का विपणन एवं मूल्य निर्धारण, मूल्य में उतार चढ़ाव व उनकी लागत, कृषि अर्थव्यवस्था में सहकारिता की भूमिका, कृषि के प्रकार एवं प्रणाली और उनको प्रभावित करने वाले कारक। आर्थिक विश्लेषण का दृष्टिकोण, बुनियादी अवधारणाएं: वस्तु एवं सेवा, अभीष्ट, माँग, खपत, उपयोगिता, लागत और मूल्य, धन, पूंजी, आय और कल्याण।

कृषि प्रसार, इसका महत्व एवं भूमिका, प्रसार कार्यक्रमों के मूल्यांकन की विधियाँ, विसरण, संचार और नवप्रवर्तन को अपनाने में लोगों की भागीदारी एवं प्रेरणा। कृषि यंत्रीकरण और कृषि उत्पादन व ग्रामीण रोजगार में इसकी भूमिका।

III. कृषि सांख्यिकी

कृषि में सांख्यिकीय अनुप्रयोग, केन्द्रीय प्रवृत्ति और विक्षेपण की माप, प्रायिकता, जोड़ और गुणा प्रमेय (बिना प्रमाण) की परिभाषा। प्रायिकता पर आधारित सरल समस्याएँ। द्विपदीय और पॉयसन वितरण, सह-संबंध की परिभाषा, स्कैटर आरेख। कार्ल पियरसन का सह-संबंध गुणांक। रेखीय प्रतिगमन समीकरण। सार्थकता परीक्षण का परिचय, माध्य के लिए एक-नमूना व दो-नमूना t-परीक्षण, 2x2 आकस्मिकता तालिका में गुणों की स्वतंत्रता का काई-स्क्वायर परीक्षण। विचरण, एकपक्षीय वर्गीकरण के विश्लेषण का परिचय। नमूनाकरण पद्धतियों का परिचय, नमूनाकरण बनाम

पूर्ण गणना, प्रतिस्थापन के साथ एवं प्रतिस्थापन के बिना सरल याहच्छिक नमूनाकरण, सरल याहच्छिक नमूने के चयन के लिए याहच्छिक संख्या टेबल्स का उपयोग।

IV. आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन

मेण्डल के वंशानुक्रम का नियम, वंशानुक्रम के गुणसूत्र का सिद्धान्त, सेक्स से जुड़े, सेक्स प्रभावित और सेक्स उत्परिवर्तन। महत्त्वपूर्ण क्षेत्र फसलों की किस्मों व सम्बन्धित प्रजातियों के बदलाव का आकारिकी स्वरूप। फसल सुधार में भिन्नता के कारण और उपयोग। प्रमुख कृषि फसलों के सुधार के लिए पौध प्रजनन के सिद्धान्तों का उपयोग, स्वतः व पर परागण फसलों के प्रजनन की विधियाँ। सूत्रपात, चयन, संकरण। पुरुष बाँझपन और आत्मविहीनता, प्रजनन में बहुगुणित के उत्परिवर्तन का उपयोग।

आनुवंशिक विकार। आनुवंशिक पदार्थ की प्रकृति, संरचना और पुनरावृत्ति। प्रोटीन संश्लेषण, जीन अवधारणा: जीन संरचना, कार्य और विनियमन।

बीज प्रौद्योगिकी और उसके महत्व, उत्पादन, प्रसंस्करण, भण्डारण और बीज परीक्षण। उन्नत बीजों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन में राष्ट्रीय और राज्य बीज संगठनों की भूमिका। फसल कार्यिकी और कृषि में इसका महत्व; प्रोटोप्लाजम का भौतिक गुण व रसायनिक संघटन, अवरोध, पृष्ठ तनाव, विस्तार, परासरण, पानी का अवशोषण और स्थानान्तरण, पादप कोशिका में वाष्पोत्सर्जन।

V. पादप कार्यिकी विज्ञान

पादप वृद्धि नियंत्रक: कार्यिकी भूमिका और कृषिक उपयोग, प्रमुख फसलों के वृद्धि और विकास के कार्यिकी पक्ष: वृद्धि विश्लेषण, फसल उत्पादकता में कार्यिकी विकास मानकों की भूमिका।

किण्वक और पौध रंजक, प्रकाश संश्लेषण— आधुनिक अवधारणाएँ और प्रभावित करने वाले कारक, प्रकाश व अंधकारकृत प्रतिक्रियाएँ, सी3, सी4 और कैम पौधे; वायुजीवी व अवायवीय श्वसन, वृद्धि और विकास, दीप्तिकालिता और बसंतीकरण।

प्रमुख फल और सब्जी फसलों की खेती एवं जलवायु सम्बन्धी आवश्यकताएँ; अभ्यास का संकुल और उसका वैज्ञानिक आधार। फलों और सब्जियों के कटाई के पूर्व व बाद की कार्यिकी। प्रसंस्करण तकनीक और उपकरण। भूदृश्य और पुष्पोत्पादन सहित सजावटी पौधों की खेती। लान और बगीचों की रूपरेखा व खाका।

राज्य की सब्जियों, फलों और रोपण फसलों के रोग और कीट और पौध बीमारियों के नियंत्रण के उपाय। कीटनाशक और उनका निरूपण व उनका प्रयोग, पौध संरक्षण उपकरण, उनकी देखभाल और रखरखाव।

VI. कृषि कीट विज्ञान

फाइलम आर्थ्रोपोडा का कक्षाओं तक वर्गीकरण। आकारिकी विज्ञान: कीट छल्ली तथा निर्मोचन की संरचना और कार्य। सिर, वक्ष और पेट की संरचना। कीट में एंटीना की संरचना व संशोधन, मुखभाग, पैर, पंखों का शिराविन्यास, संशोधन और पंखों का युग्मन तंत्र। नर व मादा कीट जननांग

की संरचना। कीटों में उपरति व कायान्तरण। लार्वा व प्यूपा के प्रकार। कीटों के पाचन, संचलन, उत्सर्गी, श्वसन, तंत्रिका, कार्यदर्शि (अंतः स्त्रावी) और प्रजनन प्रणाली की संरचना व कार्य। सरल और यौगिक आँखे।

कीट पारिस्थितिकी: वृद्धि एवं विकास पर जैविक व अजैविक कारकों का प्रभाव। कीटनाशकों का वर्गीकरण, उनका नियमन और प्रयोग तकनीक, आई0पी0एम0 की अवधारणा, प्रमुख फसलों, सब्जियों, फलों और भण्डारित अनाज के रोग एवं कीट तथा उनका प्रबन्धन।

लाभकारी कीटों का प्रबन्ध: मधुमक्खी पालन, पालने की विधियाँ, मधुमक्खी के शत्रु और रोग। रेशम कीट के प्रकार और उनकी जैविकी। शहतूत की खेती, कोकूनो का पालन, बढ़त और कटाई। रेशम कीट के रोग व कीट। लाख कीट, जैविकी, मेजबान पौधा, लाख उत्पादन— बीजू लाख, बटन लाख, चपड़ा, लाख उत्पाद। सामान्य तौर पर जैविक नियंत्रण में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख परजीवियों और परभक्षियों की पहचान।

VII. पादप रोग विज्ञान और प्रबन्धन

पौधों की बीमारियाँ, क्षेत्र और पादप रोग विज्ञान के उद्देश्यों का महत्व। पादप रोग विज्ञान की शर्तें और अवधारणाएं। रोगजनन। रोग के विकास को प्रभावित करने वाले कारण/कारक: रोग त्रिकोण और चतुष्फलक एवं पौध रोगों का वर्गीकरण।

महत्वपूर्ण पौध रोगजनक जीव, विभिन्न समूह: कवक, जीवाणु, दुराराध्य वायुकोशीय जीवाणु, फाइटोप्लास्मास, स्पिरोप्लास्मास, विषाणु, वाइरोइड्स, शैवाल, प्रोटोजोवा, फोनरोगैमिक परजीवी और सूत्रकृमि, उनके द्वारा होने वाले रोगों के उदाहरणों के साथ। कवक: सामान्य लक्षण और कवक का कक्षाओं तक वर्गीकरण। जीवाणु और श्लेष्म: सामान्य आकारिकी लक्षण। वर्गीकरण की मौलिक विधियाँ। विषाणु: प्रकृति, संरचना, पुनरावृत्ति और संचरण। फोनरोगैमिक पौध परजीवी का अध्ययन। सूत्रकृमि: सामान्य आकारिकी और प्रजनन, वर्गीकरण, लक्षण और पौध सूत्रकृमि की वजह से हुई क्षति की प्रकृति। पौध रोग प्रबन्धन का सिद्धान्त तथा विधियाँ।

महामारी विज्ञान: रोग के विकास को प्रभावित करने वाले कारक। कवकनाशियों और प्रतिजैविकों की प्रकृति, रसायनिक संयोजन, वर्गीकरण, कार्यविधि और नियमन। क्षेत्र और बागवानी फसलों के महत्वपूर्ण रोग और उनका प्रबन्धन। एकीकृत कीट और रोग प्रबन्धन के सिद्धान्त।

Physics

Unit I: Kinematics

Frame of reference, Motion in a straight line, Uniform and non - uniform motion, Uniformly accelerated motion, velocity-time, position-time graphs, relations for uniformly accelerated motion, Elementary concepts of differentiation and integration for describing motion, Scalar and vector quantities: Position and displacement vectors, general vectors and notation, equality of vectors, Relative velocity, Unit vector, Resolution of a vector in a plane – rectangular components, Motion in a plane, Cases of uniform velocity and uniform acceleration-projectile motion, Uniform circular motion.

Unit II: Laws of Motion

Concept of force, Inertia, Newton's first law of motion, Newton's second law of motion, impulse, Newton's third law of motion, Law of conservation of linear momentum and its applications, Static and kinetic friction, laws of friction, rolling friction, Dynamics of uniform circular motion, Centripetal force and its examples.

Unit III: Electrostatics

Electric Charges; Coulomb's law, Electric field, electric field due to a point charge, charge distribution and dipole, torque on a dipole in uniform electric field, Electric flux, Gauss's theorem and its applications. Electric potential, potential difference, Electric field as a negative gradient of electric potential, electric potential due to a point charge, a dipole, charge distribution and system of charges, equipotential surfaces, electrical potential energy of a system of two point charges and electric dipole in an electrostatic field.

Conductors and insulators, Dielectrics and electric polarisation, capacitors and capacitance, capacitance of a parallel plate capacitor with and without dielectric medium between the plates, energy stored in a capacitor. Van de Graaff generator.

Unit IV: Electric Conduction

Electric current, flow of electric charges in a metallic conductor, drift velocity, mobility and their relation with electric current, Lorentz – Drude theory of electrical conduction, Wiedmann – Franz's law, Ohm's law, electrical energy and power, electrical resistivity and conductivity. Carbon resistors, colour code for carbon resistors, temperature dependence of resistance, Kirchhoff's laws and its applications.

Unit V: Magnetic Effects of Current and Magnetism

Biot – Savart law and its application, Ampere's law and its applications, Force on a moving charge in uniform magnetic and electric fields, Cyclotron, Force on a current-carrying conductor in a uniform magnetic field. Force between two parallel current-carrying conductors, moving coil galvanometer and conversion to ammeter and voltmeter.

Current loop as a magnetic dipole and its magnetic dipole moment. Magnetic dipole moment of a revolving electron, Magnetic field intensity due to a magnetic dipole along its axis and perpendicular to its axis, Torque on a magnetic dipole in a uniform magnetic field; magnetic field lines; Para-, dia- and ferro – magnetic substances with examples, Electromagnets and factors affecting their strengths.

Unit VI: Electromagnetic Induction and Alternating Currents

Electromagnetic induction, Faraday's law, induced emf and current, Lenz's Law, Eddy currents, Self and mutual inductance, Alternating currents, peak and rms value of alternating current

and voltage, reactance and impedance, LCR series and parallel circuit, resonance, power in AC circuits, wattless current, AC generator and transformer.

Unit VII: Work, Energy and Power

Work, kinetic energy, work-energy theorem, power, Potential energy of a spring, conservative forces, conservation of mechanical energy, non-conservative forces, elastic and inelastic collisions in one and two dimensions.

Unit VIII: Gravitation

Keplar's laws of planetary motion, law of gravitation, Acceleration due to gravity and its variation with altitude and depth, Gravitational potential energy, gravitational potential, Escape velocity, Orbital velocity of a satellite, Geo-stationary satellites.

Unit IX: Electromagnetic waves

Displacement current, Electromagnetic waves and their characteristics, Transverse nature of electromagnetic waves, Electromagnetic spectrum, Maxwell's equations in free space and linear isotropic media, boundary conditions on the fields at interfaces, Scalar and vector potentials, gauge invariance, Electromagnetic waves in free space, Poynting vector, Poynting theorem, energy and momentum of electromagnetic waves.

Unit X: Optics

Reflection of light, spherical mirrors, mirror formula, Refraction of light, total internal reflection and its applications, optical fibres, refraction at spherical surfaces, lenses, thin lens formula, lensmaker's formula, Magnification, power of a lens, combination of thin lenses in contact, Refraction and dispersion of light through a prism, Scattering of light – blue colour of the sky and reddish appearance of the sun at sunrise and sunset.

Optical instruments: Human eye, image formation and accommodation, correction of eye defects using lenses, Microscopes and astronomical telescopes and their magnifying powers.

Wave optics: wave front and Huygens' principle, reflection and refraction of plane wave at a plane surface using wave fronts, Proof of laws of reflection and refraction using Huygens' principle. Interference, Young's double slit experiment and expression for fringe width, coherent sources and sustained interference of light, Diffraction due to a single slit, width of central maximum, Resolving power of microscopes and astronomical telescopes, Polarisation, plane polarised light, Brewster's law, uses of plane polarised light and Polaroids.

Unit XI: Dual Nature of Matter and Radiation

Dual nature of radiation, Photoelectric effect, Hertz and Lenard's observations, Einstein's equation of photoelectric effect, particle nature of light, Matter waves, wave nature of particles, de Broglie relation, Davisson - Germer experiment, Wave - particle duality, Wave functions in coordinate and momentum representations, Commutator and Heisenberg's uncertainty principle, Dirac's notation for state vectors, Schrödinger equation (time - dependent and time -independent), Eigen value problems (particle in a box, harmonic oscillator, etc.), Tunneling through a barrier.

Unit XII: Atoms and Nuclei

Alpha-particle scattering experiment, Rutherford's model of atom, Bohr model, energy levels, hydrogen spectrum, Composition and size of nucleus, atomic masses, isotopes, isobars, isotones. Radioactivity, alpha, beta and gamma particles and their properties, radioactive decay law, Mass-energy relation, mass defect, binding energy per nucleon and its variation with mass number, nuclear fission, nuclear reactor, nuclear fusion.

Unit XIII: Electronic Devices

Semiconductors; semiconductor diode, diode as a rectifier, LED, photodiode, solar cell and Zener diode, Zener diode as a voltage regulator, Junction transistor, transistor action, characteristics of a transistor, transistor as an amplifier and oscillator, Number system: binary, octal, hexadecimal, BCD code, Gray code. Boolean algebra, De Morgan's law, Logic circuits: OR- gate, AND- gate, NOT- gate, NAND - gate, NOR - gate and XOR - gate, Digital techniques and applications (registers, counters, comparators and similar circuits), Operational amplifiers and their applications.

Unit XIV: Communication Systems

Elements of a communication system, bandwidth of signals, bandwidth of transmission medium, Propagation of electromagnetic waves in the atmosphere, sky and space wave propagation, Need for modulation, Production and detection of an amplitude-modulated wave, Computer and communications, Need for communication networks, Internet, World Wide Web, Communication protocols, Local Area Network.

XV: Atomic and Molecular Physics

Quantum states of an electron in an atom, Electron spin, Hund's rule, Pauli exclusion principle, Stern - Gerlach experiment, Zeeman, Paschen - Back and Stark effect, X- ray spectroscopy, Lasers, spontaneous and stimulated emission, Einstein A and B coefficients, Optical pumping, population inversion, rate equation, Modes of resonators and coherence length.

XVI: Condensed Matter Physics

Bravais lattices. Reciprocal lattice, Diffraction and the structure factor, Bonding of solids, Elastic properties, phonons, lattice specific heat, Free electron theory and electronic specific heat, Response and relaxation phenomena, Drude model of thermal conductivity, band theory of solids: metals, insulators and semiconductors, Superconductivity.

XVII: Nuclear and Particle Physics

Basic nuclear properties: size, shape and charge distribution, spin and parity, Binding energy, semi - empirical mass formula, liquid drop model, Nature of the nuclear force, Particle accelerators and detectors, Classification of elementary particles, Fundamental interactions, Elementary particles and their quantum numbers, symmetries and conservation laws, Lepton and Baryon numbers, Gellmann - Nishijima formula, Quark model.

XVIII: Mathematical Methods of Physics

Vector algebra and vector calculus, Gauss, Stokes and Green's theorem, Matrices: orthogonal, unitary and Hermitian matrices, Eigen values and eigen vectors of matrices, Special functions (Legendre, Bessel, Hermite and Laguerre functions), Tensor: covariant, contravariant and mixed tensors, Epsilon, Christoffel and Ricci tensor.

XIX: Classical Mechanics

D' Alembert's principle, Central force motions, Kepler's laws and equations, Artificial Satellite, Lagrange and Poisson bracket, Canonical transformations, Hamilton – Jacobi equation, Action angle variable, Lagrangian and Hamiltonian formalism and equations of motion, Special theory of relativity - Lorentz transformations, relativistic kinematics and mass–energy equivalence.

Unit XX: Thermodynamics

Zeroth law of thermodynamics, Heat, work and internal energy, First and Second law of thermodynamics, reversible and irreversible processes, Heat engines and refrigerators, Third law of thermodynamics.

Unit XXI: Behaviour of Perfect Gas and Kinetic Theory

Equation of state of a perfect gas, Kinetic theory of gases – assumptions, concept of pressure, Kinetic energy and temperature, rms speed of gas molecules, degrees of freedom, law of equipartition of energy and application to specific heats of gases, Mean free path, Avogadro's number.

Unit XXII: Oscillations and Waves

Periodic motion, Periodic functions. Simple harmonic motion (S.H.M) and its equation, phase, oscillations of a spring-restoring force and force constant, energy in S.H.M.-kinetic and potential energies, simple pendulum-derivation of expression for its time period, free, forced and damped oscillations, resonance, Wave motion, Longitudinal and transverse waves, speed of wave motion, Displacement relation for a progressive wave, Principle of superposition of waves, reflection of waves, standing waves in strings and organ pipes, fundamental mode and harmonics, Beats, Doppler effect.

CHEMISTRY

SECTION-A

Inorganic Chemistry

- 1. Structure of atom :** Electron behaviour, quantum numbers, orbitals and their shapes, rules for filling of electrons in various orbitals of sub-shells. Electronic configuration of elements.
- 2. Periodic classification of elements and atomic properties :** Modern periodic laws periodicity in properties of elements and extended form of periodic table including translawrencium elements. Types of elements on the basis of blocks (s,p,d,f). Atomic properties: atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.
- 3. Chemical bonding :** Ionic bond - ionic solids, close-packed structure of simple ionic compounds. Classification and properties of ionic solids. Imperfections in ionic solids. Covalent bond: VBT, concept of hybridisation, sigma and pi bonds, VSEPR theory and shapes of simple inorganic molecules, general discussion of MO theory, MO energy level diagrams for homo and hetero nuclear diatomic molecules, bond order. Weak Interactions: hydrogen bond and van der Waals' forces.
- 4. Radioactivity and nuclear chemistry :** Theory of disintegration of radioactive substances and emission of particles/rays. Soddy-Fajan's group displacement law. Rate of disintegration of radioactive elements, disintegration constant, half life and average life. Artificial radioactivity: Transmutation of elements, nuclear fission and fusion, nuclear reactions & their balancing. Nuclear forces, nuclear binding energy, nuclear stability and N/P ratio.
- 5. Oxidation, reduction and electrolysis :** Modern concept of oxidation & reduction. Valency and Oxidation number. Oxidants & reductants and their equivalent weights. Redox reactions and their balancing. Electrolysis, standard electrode potential, electrochemical series and its importance.
- 6. Elements of Group 1 and 2 : Hydrogen, alkali and alkaline earth metals (s-block) :** Position of hydrogen in periodic table. Nuclear spin isomers of hydrogen molecule, heavier isotopes of hydrogen, heavy water and hydrogen peroxide. General properties, chemical reactivity and group trends of s-block metals, chemical behaviour with respect to their hydrides, halides and oxides.
- 7. Elements of Groups 3 to 12: Transition & inner transition elements (d & f-blocks) :** Position of d & f-block elements in periodic table. Characteristic properties of d-block elements: variable oxidation states, complex formation tendency, colour, magnetic and catalytic properties. Comparative study of 3d, 4d and 5d transition elements with reference to their ionic radii and oxidation states. Characteristic properties of f-block elements - lanthanide contraction, oxidation states, colour and magnetic properties.
- 8. Elements of Groups 13 to 18 (p-block) :** General properties, chemical reactivity of elements and group trends. variable oxidation states (inert pair effect), chemical behaviour with respect to their hydrides, oxides and halides. Position of noble gases in periodic table. Xenon fluorides and uses of noble gases.
- 9. Extraction of metals :** Ores and minerals, concentration of ores. General methods of extraction and refining of metals.
- 10. Coordination chemistry :** IUPAC system of nomenclature, isomerism in coordination compounds, nature of bonding - VBT, CFT. Crystal field splitting of d-orbitals in octahedral, tetrahedral and square planar complexes, spectrochemical series. Calculation of CFSE for d^1 to d^9 weak and strong field octahedral

complexes, electronic transitions and selection rules. Electronic spectra of 3d-transition metal complexes.

- 11. Bioinorganic chemistry** : Essential & trace elements in biological processes, biological role of Na^+ K^+ Mg^{2+} and Ca^{2+} cations.

SECTION-B

Physical Chemistry

- 1. Solid state** : Classification of solids based on different binding forces, unit cell in two dimensional and three dimensional lattices, packing of solids and number of atoms per unit cell in a cubic cell.
- 2. Gaseous state** : Kinetic theory of gases & gas laws, Maxwell's law of distribution of velocities, van der Waals' equation, critical behaviour of gases, law of corresponding states, heat capacity of gases.
- 3. Liquid state & solution** : Properties of liquids - viscosity, surface tension & vapour pressure. Raoult's law of lowering of vapour pressure, depression of freezing point, elevation of boiling point, osmotic pressure, association & dissociation of solutes.
- 4. Chemical kinetics** : Chemical kinetics, rate of chemical reaction, specific reaction rate. Molecularity & order of a reaction - zero order, first order, second order & third order reaction. Energy of activation. Reversible & irreversible reactions.
- 5. Chemical equilibrium** : Chemical equilibrium, law of mass action & its applications. Le-Chatelier's principle & its applications.
- 6. Ionization** : Theory of electrolytic dissociation. Factors affecting ionization. Ionic product & ionization constant of water. Ionic equilibrium - Ostwald's dilution law. Concepts of acids & bases. Solubility product & its application in analytical chemistry. Salt hydrolysis.
- 7. pH and buffer solutions**
- 8. Catalysis** : Types and theories of catalysis, classification & characteristics of catalysts.
- 9. Distribution law & its applications.**
- 10. Colloidal state**
- 11. Thermodynamics & thermochemistry** : Terms used in thermodynamics. First law of thermodynamics - heat content, heat capacity. Second law of thermodynamics. Thermochemistry - heat of reaction, heat of formation, heat of combustion, heat of neutralization, heat of solution, intrinsic energy. Hess's law of constant heat summation.

SECTION – C

Organic Chemistry

- 1. General Organic Chemistry** : Classification and nomenclature of organic compounds. Electronic displacement – inductive, electromeric and mesomeric effects, Resonance & hyperconjugation and their applications in organic compounds. Electrophiles, nucleophiles, carbocations, carbanions and free radicals. Organic acids and bases. Effects of structure on the strength of organic acids and bases. Hydrogen bond and its effect on the properties of organic compounds.
- 2. Stereochemistry** : Elements of symmetry, optical and geometrical isomerism in simple organic compounds. Absolute configuration (R & S), configurations of geometrical isomers, E & Z notations. Conformations and stability of cyclohexane, mono- and disubstituted cyclohexanes.
- 3. Aliphatic Compounds** : Chemistry of simple organic compounds belonging to following classes with special reference to the mechanisms of the reactions involved therein ; alkanes,

alkenes, alkynes, alkyl halides, alcohols, ethers, thiols, aldehydes, ketones, carboxylic acids, amines and their derivatives.

4. **Aromatic Compounds** – Modern structure of benzene; concept of aromaticity, Huckel rule and its simple application to non-benzenoid aromatic and heterocyclic compounds. Activating and deactivating effect of substituent groups, directive influence. Chemistry of the compounds containing following groups attached to benzene ring – halogen, hydroxyl, nitro, amino, aldehydic, ketonic and carboxylic groups.
5. **Name reactions & rearrangements and their mechanism**- Reimer-Tiemann reaction, Vilsmeier reaction, Sharpless epoxidation reaction, Barton reaction, Favorskii reaction, Wagner-Meerwein rearrangement and Beckmann rearrangement.
6. **Carbohydrates**: Classification and general reactions of monosaccharides. Chemical properties and structure of glucose, fructose and sucrose.
7. **Natural products**: General methods of structure elucidation of terpenoids and alkaloids.
8. **Elementary idea of Chemistry of** : Oils, fats, amino acids, proteins, vitamins and their roles in nutrition and industry.
9. **Organic Polymers** : Mechanism of polymerization, polymers of industrial importance, synthetic fibres.
10. **Organometallic Compounds**: Organometallic reagents of lithium, magnesium & zinc and their synthetic applications.
11. **Spectroscopy** : Basic principles and applications of spectroscopic techniques - UV, Visible, IR & NMR.
12. **Chromatography** : Classification of chromatographic techniques, general principles of adsorption, partition, ion exchange, paper and thin layer chromatography.
13. **Environmental Chemistry** : Air pollutants and their toxic effects, depletion of ozone layer, effects of oxides of nitrogen, chlorofluorocarbons and their effects on ozone layer, greenhouse effect, acid rain, strategy for the control of environmental pollution.

MATHEMATICS

UNIT I:

1. Set Theory:

Set theory, Empty and Finite sets. Subsets, Power set, Universal set. Venn diagrams. Union, intersection and Difference of sets. Groups, subgroups, normal subgroups, quotient groups, homomorphism, cyclic groups, permutation groups, Caley's theorem, Sylow theorem, Rings.

2. Relations and Functions:

Relations and Functions, Cartesian product of sets. domain, co-domain and range of a relation. Function as a special kind of relation from one set to another. Pictorial representation of a function, domain, co-domain and range of a function. Various types of functions with their graphs.

UNIT II:

3. Mathematical Induction:

Principle of Mathematical Induction and simple applications. Complex Numbers and Quadratic Equations, Need for complex numbers, description of algebraic properties of complex numbers. Argand plane and polar representation of complex numbers. Statement of Fundamental Theorem of Algebra, solution of quadratic equations in the complex number system, Square-root of a Complex number.

4. Linear Inequalities:

Linear Inequalities, Algebraic solutions of linear inequalities in one variable and their representation on the number line. Solution of system of linear inequalities in two variables.

5. Permutations and Combinations:

Permutations and Combinations, Fundamental principle of counting. $n!$ function. Permutations and combinations derivation of formulae and their connections, simple applications. Binomial theorem for positive integral indices, simple applications.

6. Sequence and Series:

Arithmetic Progression, Geometric Progression, general term of these series, sum of n terms of a Geometric Progression, infinite Geometric Progression and its sum. Relation between Arithmetic Mean and Geometric Mean.

UNIT III:

7. Two-Dimensional Coordinate Geometry:

Straight Lines, shifting of origin. General equation of a line, various forms of equations of a line. Equation of family of lines passing through the point of intersection of two lines. Distance of a point from a line. Circles, ellipse, parabola, hyperbola, degenerated conic section. Standard equations and simple properties of parabola, ellipse and hyperbola. Standard equation of a circle.

8. Three-dimensional Geometry:

Coordinate axes and coordinate planes in three dimensions. Coordinates of a point. Distance between two points and section formula. Direction cosines/ratios of a line joining two points. Cartesian and vector equation of a line, coplanar and skew lines, shortest distance between two lines. Cartesian and vector equation of a plane. Angle between (i) two lines, (ii) two planes, (iii) a line and a plane. Distance of a point from a plane.

9. Vector Analysis:

Vectors and scalars, magnitude and direction of a vector. Direction cosines/ratios of vectors. Types of vectors, position vector of a point, negative of a vector, components of a vector, addition of vectors, multiplication of a vector by a scalar, position vector of a point dividing a line segment in a given ratio. Scalar product of vectors, projection of a vector on a line. Vector product of vectors, scalar triple product.

UNIT IV:

10. Statistics and Probability:

Measure of dispersion, mean deviation, variance and standard deviation of ungrouped/grouped data. Analysis of frequency distributions with equal means but different variances. Sample space and events with classical, empirical, axiomatic definition of probability, Occurrence of events, 'not', 'and' & 'or' events, Multiplications theorem on probability. independent events, mutually exclusive events, conditional probability. Baye's theorem. Discrete and continuous univariate distributions namely, Binomial, Poisson and Normal.

11. Matrices and Determinants:

Types of matrices, symmetric and skew symmetric matrices. Operations on matrices and their properties, Invertible matrices and proof of the uniqueness of inverse. Determinant of a matrix, properties, minors, cofactors and applications of determinants. Adjoint and inverse matrix. solutions of system of linear equations and examples, solving system of linear equations in two or three variables using inverse of a matrix.

UNIT V:

12. Differential Calculus:

Derivative of a function, Continuity and differentiability, derivative of sum, difference, product and quotient of functions. Derivatives of polynomial and trigonometric functions. derivative of composite functions, chain rule, derivatives of inverse trigonometric functions, derivative of implicit function. Concepts of exponential, logarithmic functions. Derivatives of $\log_e x$ and e^x . Logarithmic differentiation. Derivative of functions expressed in parametric forms. Second order derivatives. Rolle's and Lagrange's Mean Value Theorems and their geometric interpretations. Applications of derivatives in finding tangents and normals, approximation, maxima and minima. Simple problems.

13. Integral Calculus:

Integration, Integration of a functions by substitution, by partial fractions and by parts, example related cases. Definite integrals as a limit of a sum. Fundamental Theorem of Calculus. Basic properties of definite integrals and evaluation of definite integrals. Applications of the Integrals in finding the area under simple curves.

14. Differential Equations:

Definition, order and degree, general and particular solutions of a differential equation. Formation of differential equation whose general solution is given. Solution of differential equations by method of separation of variables, homogeneous differential equations of first order and first degree. Solutions of linear differential equation. Homogeneous and non-homogeneous linear ODEs, variation of parameters. Lagrange and Charpit method for solving first order Partial differential equations, Cauchy's problem for first order PDE, classification of second order PDEs.

15. Linear Programming:

Mathematical formulation of linear programming problems, different types of linear programming problems, Graphical method of solution for problems in two variables, feasible and

infeasible regions, feasible and infeasible solutions, optimal feasible solutions. Simplex method, dual of LPP, Dual simplex method.

UNIT VI:

16. Calculus of Variation:

Variation of a functional, Euler-Lagrange equation, necessary and sufficient conditions for extrema. Variation methods for boundary value problems in ODEs and PDEs.

17. Numerical Analysis:

Numerical solutions of algebraic equations: method of iteration and Newton-Raphson method, Rate of convergence, solution of system of linear algebraic equations using Gauss elimination and Gauss-Seidel method. Interpolation in equal and unequal differences. Solution of IVP.

BIOLOGY

1. DIVERSITY IN PLANTS & ANIMALS.

- a. General concept of microorganisms. Morphology, structure, reproduction and life cycle of bacteria and viruses.
- b. Structure, reproduction and life cycle in fungi.
- c. Classification of fungi with characteristic features of Myxomycotina, Mastigomycotina, Oomycotina, Zygomycotina, Ascomycotina, Basidiomycotina and Deuteromycotina.
- d. Economic importance of fungi.
- e. Concept of disease, symptoms of plant diseases, methods of infection.
- f. Brief account of structure, disease cycle and control methods of damping off, wilt, root rot, stem rot, powdery and downy mildews, rust, smuts, leaf spots and leaf blights.
- g. Economic importance of microbes.
- h. Classification of algae.
- i. Salient features of Protochlorophyta, Chlorophyta, Charophyta, Xanthophyta, Bacillariophyta, Phaeophyta, Rhodophyta and Cyanophyta.
- j. General account of various life cycles in algae.
- k. Economic importance of algae.
- l. General account of morphology, structure, reproduction and life history of bryophytes.
- m. Classification of bryophytes.
- n. Economic importance of bryophytes.
- o. Classification of pteridophytes.
- p. Morphology and life history of Psilophytopsida, Psilotopsida, Lycopsida, Sphaenopsida and Pteropsida.
- q. Economic importance of pteridophytes.
- r. Classification of Gymnosperms.
- s. Morphology and life history of Pteridospermales, Bennetiales, Cycadales, Ginkgoales, Coniferales, Taxales, Ephedrales, Welwitschiales and Gnetales.
- t. Economic importance of Gymnosperms.
- u. Important systems of classification of Angiosperms (Bentham and Hooker, Hutchinson and Cronquist).
- v. Role of anatomy, embryology, cytology, phytochemistry and palynology in taxonomy.
- w. Distinguishing features of Ranunculaceae, Magnoliaceae, Rutaceae, Fabaceae, Rosaceae, Apiaceae, Asteraceae, Primulaceae, Asclepiadaceae, Lamiaceae, Verbenaceae, Convolvulaceae, Acanthaceae, Solanaceae, Amaranthaceae, Euphorbiaceae, Orchidaceae, Cyperaceae and Poaceae with their economic importance.
- x. General characters and classification the following phyla upto classes: Protozoa, Porifera, Coelenterata, Platyhelminthes, Aschelminthes, Annelida, Arthropoda, Mollusca, Echinodermata and Chordata.
- y. Locomotion in Protozoa, canal system in Porifera, polymorphism in Coelenterata, parasitic adaptations in Helminthes and Social life in insects.
- z. Affinities of Hemichordata, Cephalochordata, Urochordata. Parental care in Amphibians, poisonous & non poisonous snakes and migration in birds. General Characters of Prototheria, Metatheria and Eutheria with affinities.

2. CYTOLOGY AND GENETICS

- a) Composition, structure, function and metabolism of carbohydrates, lipids, proteins, nucleic acids, vitamins and pigments.

- b) Classification of enzymes, enzyme kinetics, enzyme regulation, mechanism of enzyme catalysis, isozymes and coenzymes.
- c) Primary, secondary and tertiary structures of proteins.
- d) Structure of model membrane, lipid bilayer and membrane protein diffusion, osmosis, ion channels, active transport.
- e) Cell wall, nucleus, mitochondria, Golgi bodies, lysosomes, endoplasmic reticulum, peroxisomes, plastids, vacuoles, structure & function of cytoskeleton and its role in motility.
- f) Structure of chromosomes and giant chromosomes.
- g) Mitosis and meiosis, cell cycle, regulation and control of cell cycle.
- h) Unit of replication, enzymes involved, extrachromosomal replicons, DNA damage and repair mechanisms.
- i) Structure of nucleic acids: Helix (A, B, Z).
- j) RNA synthesis and processing.
- k) Mendelian principles : Dominance, segregation, independent assortment. Inheritance and variation.
- l) Concept of gene : Allele, multiple alleles, pseudoalleles.
- m) Extension of Mendelian principles : Codominance, incomplete dominance, gene interactions, linkage and crossing over, sex linkage, sex influenced characters; mutation, its types and causes.
- n) Extra chromosomal inheritance : Inheritance of mitochondrial and chloroplast genes, maternal inheritance.
- o) Structural and numerical alterations of chromosomes : Deletion, duplication, inversion, translocation, ploidy.
- p) Recombination : Homologous and non-homologous recombinations including transposition.
- q) Aims, objectives and basic techniques of plant breeding.
- r) Crop improvement methods- plant introduction, selection, acclimatization, hybridization, vegetative propagation and grafting.
- s) Hybridization: Interspecific and inter-generic, pure line, back cross hybridization, self-incompatibility system.

3. EVOLUTION AND BEHAVIOUR

- a. Lamarckism and Darwinism, adaptations, struggle, fitness and natural selection; Mendelism; The evolutionary synthesis, evidences of organic evolution.
- b. Origin of basic biological molecules; abiotic synthesis of organic monomers and polymers; concept of Oparin and Haldane; experiment of Miller (1953); the first cell; evolution of prokaryotes; origin of eukaryotic cells; evolution of unicellular eukaryotes; anaerobic metabolism, photosynthesis and aerobic metabolism.
- c. Geological time scale, major events in the evolutionary time scale; origins of unicellular and multi cellular organisms; major groups of animals; major fossil records, evolution of horse, elephant and man.
- d. Concepts of neutral evolution,

4. APPLIED BIOLOGY

- a) Fiber yielding plants, medicinal and aromatic plants.
- b) Important timber - yielding plants and non-timber forest products (NTFPs) such as bamboos, gums, tannins, dyes, resins, beverages and ornamental plants.

- c) Intellectual Property Rights.
- d) Microbial fermentation and production of small and macro molecules.
- e) Application of immunological principles, vaccines, diagnostics. Tissue and cell culture methods for plants and animals.
- f) Transgenic plants and animals, molecular approaches in diagnosis and strain identification.
- h. Genomics and its application to health and agriculture, including gene therapy.
- i. Breeding in plants and animals, including marker – assisted selection
- j. Common parasites and pathogens of humans and domestic animals.
- k. Sericulture, apiculture, lac culture, vermiculture, pearl culture and fish culture.
- l. Insects used in medicines, bio-control and food.
- m. Integrated pest management.

5. PLANT AND ANIMAL PHYSIOLOGY

- a) Plant water relations: diffusion, osmosis, water potential and its components, plasmolysis, imbibition and absorption of water, root pressure and ascent of sap.
- b) Water loss in plants: Transpiration and its significance, factors affecting transpiration, mechanism of stomatal opening and closing, guttation.
- c) Mineral Nutrition- Essential elements, macro and micro nutrients, criteria of essentiality of elements, role of essential elements, mineral deficiency symptoms, transport of ions across cell membrane, active and passive transport.
- d) Photosynthesis in plants.
- e) Aerobic and anaerobic respiration, glycolysis, Kerbs cycle(Citric acid cycle) , oxidative phosphorylation, electron transport system, fermentation, R.Q.
- f) Nitrogen fixation, nitrate and ammonium assimilation; amino acid biosynthesis.
- g) Plant Growth Regulators – Physiological effects and mechanism of auxins, gibberellins, cytokinins, ethylene, abscissic acid, polyamines, jasmonic acid; hormone receptors and vitamins.
- h) Photoperiodism and its significance.
 - i) Biosynthesis of terpenes, phenols, nitrogenous compounds and their role.
 - j) Responses of plants to biotic and abiotic stresses.
- k)Comparative anatomy of heart; myogenic & neurogenic heart, cardiac cycle, cardiac output, stroke volume, blood pressure, hormonal and neural regulation of heart; Morphological types of neurons, origin and physiology of transmission of nerve impulse. Types of nitrogenous wastes in animals, physiology of urine formation in mammals; types of enzymes and vitamins and their significance in human physiology. Endocrine glands, their secretions and functions. Physiology of digestion in man.

6. ECOLOGY

- a) Types, structure and functions of ecosystems(Aquatic, terrestrial).
- b) Energy flow, and nutrient cycling (N, P, C,O) food chain, food web and ecological pyramids.
- c) Population Ecology: Characteristics, population growth curve, population regulation, demes and dispersal.
- d) Community ecology: Structure and organization, attributes, nomenclature.
- e) Ecological Succession : Types, mechanism, changes involved in succession.
- f) Environmental Pollution : Air, Water, noise, nuclear (sources, effects and mitigation).
- g) Biodiversity: Genetic, species and ecosystem, Value of biodiversity, causes of depletion of biodiversity and its conservation (intrinsic and extrinsic conservation).

7. REPRODUCTION AND DEVELOPMENT IN PLANTS AND ANIMALS

Pollination, fertilization and development of endosperm, development of embryo in plants and seed formation. Structure of ovule, megasporogenesis development and organization of embryo-sacs. Gametogenesis, fertilization and early development in frog, chick and mammals, blastula formation, gastrulation and formation of germ layers in animals. Zygote formation embryogenesis. Development of eye, brain and heart in chick., classification of placenta, physiology and functions of placenta in mammals. Types of metamorphosis and its hormonal control in animals. Extra embryonic membranes in chick.

8. BIOTECHNOLOGY

- a) Different types of microorganisms.
- b) Brief idea of techniques and scope of genetic engineering.
- c) Gene cloning: concept and basic steps, application of bacteria and viruses in genetic molecular biology of *E.coli* and bacteriophages in the context of their use in genetic engineering.
- d) Plant cell, tissue and organ cultures, tissue culture techniques, collection and storage of germplasm (cryopreservation), application of plant tissue culture. Transgenic plants.
- e) Biofertilizers and biological control in fields.
- f) Elementary idea of Genetically Modified Food Crops, Nano biotechnology , PCR, RTPCR, Gene library, Gene Bank.
- g) Types of Molecular markers and their role.

9. METHODS IN BIOLOGY

- a) Molecular Biology and Recombinant DNA methods:

Analysis of RNA, DNA and proteins by one and two dimensional gel electrophoresis, Isoelectric focusing gels.

Molecular cloning of DNA or RNA fragments in bacterial and eukaryotic systems. Expression of recombinant proteins using bacterial, animal and plant vectors. Isolation of specific nucleic acid sequences.

Generation of genomic and cDNA libraries in plasmid, phage, cosmid, BAC and YAC vectors.

Protein sequencing methods, detection of post translation modification of proteins. DNA sequencing methods, strategies for genome sequencing.

Methods for analysis of gene expression at RNA and protein level, large scale expression, such as micro array based techniques.

Isolation, separation and analysis of carbohydrate and lipid molecules. RFLP, RAPD and AFLP techniques.

- b) Statistical Methods: Measures of central tendency and dispersal; probability distributions (Binomial, Poisson and normal); Sampling distribution; Difference between parametric and non-parametric, confidence interval; errors; levels of statistics; significance, regression and correlation; t-test; analysis of variance; χ^2 test.
- c) Microscopic techniques: Visualization of cells and subcellular components by light microscopy, resolving powers of different microscopes, microscopy of living cells, scanning and transmission microscopes.
- d) Methods in field biology: Methods of estimating population density of plants, ranging patterns through direct, indirect and remote observations, sampling methods in the study of behavior, habitat characterization: ground and remote sensing methods.

CIVICS

1. Political Theory and Thought

- Nature of Political Theory, its main concern, decline and resurgence. democracy, liberty, equality, justice, sovereignty, liberalism and Marxism.
- Power, Authority and Legitimacy
- Indian Political Thought : Manu, Kautilya, Vinayak Damodar Savarkar, Gandhi and Ambedkar.
- Western Political Thought : Plato and Aristotle, Bentham, J. S. Mill, Hegel and Marx
- Contemporary Political Thought : Lenin, Mao, Gramsci and John Rawls

2. Comparative Politics and Political Analysis

- Comparative Politics as a discipline; nature and scope.
- Approaches to the study of comparative politics : Traditional and modern.
- Forms of Government: Unitary – Federal, Parliamentary – Presidential.
- Organs of Government: Executive, Legislature, Judiciary – their interrelationship in comparative perspective.
- Party Systems and Pressure Groups; Electoral Systems.
- Political Development, Political Culture and Political Socialization.
- Political Elite; Elitist theory of Democracy.

3. Indian Government and Politics

- **National Movement-** (i) Consequences of first war of Independence.
(ii) Formation and working of Indian National Congress.
(iii) Gandhiji's role in Independence Movement.
(iv) Contribution of revolutionaries in the freedom movement.
- Constituent Assembly- Composition and working.
- Preamble, Citizenship, Fundamental Rights, Directive Principles of State Policy and Fundamental duties.
- Constitutional amendment process and social change.
- **Structure and Process – I :** President, Prime Minister, Council of Ministers, Working of the Parliamentary System.
- **Structure and Process – II :** Governor, Chief Minister, Council of Ministers, State Legislature.
- Local self governance (Rural and Urban) in Uttarakhand State, impact of reservation for women in Local self governance.
- Federalism : Federal structure in India; Demands of Autonomy and Separatist Movements; Emerging trends in Centre – State Relations.
- Judiciary : Supreme Court, High Courts (composition and working), Judicial Review, Judicial Activism including Public Interest Litigation cases, Judicial Reforms.
- Secularism, Communalism, Regionalism and caste politics in India.
- Lokpal and Lokayukta in India.
- New Social movements in India (Farmer's movement, women's, movement, Environment and Development-affected people's movement).
- Political Parties, Public Opinion.
- Role of women in Uttarakhand State movement.
- Niti Aayog-Composition and functions.
- Election Commission and Electoral Reforms in India.

- Empowerment of women in Uttarakhand State.
- Composition and working of Human Rights Commission in Uttarakhand.

4. Public Administration

- Public Administration: Meaning, Nature and scope.
- Principles of Organization: Line and staff, hierarchy, span of control, unity of command, centralization and decentralization, Types of organization – formal and informal; Forms of organization; department and public corporation.
- Chief Executive: Types, functions and roles.
- Personnel Administration: Recruitment, Training, Promotion,
- Bureaucracy: Types and Roles; Max Weber and his critics.
- Financial Administration : Budget, Budget formation in India and the role of CAG.
- Good Governance; Problems of Administrative Corruption; Transparency and Accountability with special reference to Uttarakhand
- Right to Information.

5. International Relations

- Meaning, Nature and scope of International Relations.
- Power; Elements of Power, Promotion of National Interest and determinants of foreign policy.
- Arms: conventional, Nuclear and bio – chemical; Nuclear deterrence.
- Arms Race, Arms Control and Disarmament.
- Peaceful Settlement of Disputes and Diplomacy.
- Non – Alignment and Globalization.
- New International Economic Order, North – South Dialogue, South – South Cooperation, WTO (World Trade Organisation).
- United Nations : Aims, Objectives and Structure.
- Working of UN; Peace, development and environment perspectives.
- Regional and sub – regional organizations especially SAARC, ASEAN, OPEC.
- India's Role in International affairs : India's relations with its neighbours (Pakistan, Bhutan, Bangladesh and Srilanka) and major countries(UK, USA, Russia and China) Indian Foreign Policy and Diplomacy, India's Nuclear policy.
- Terrorism and state sponsored terrorism.
- Changing Concept of National Security and Challenges to the Nation State system.

Economics

- 1- **Micro Economics:** Meaning, Central Economic problems, Production Possibility Frontier and opportunity cost
Consumer equilibrium and Demand: Meaning of Utility, Marginal Utility, Law of diminishing marginal utility, consumer's equilibrium using marginal utility analysis, Demand and Its determinants; Movement and shift in the demand curve, Price elasticity of demand, its determinants and measurement; indifference curve analysis and consumer's equilibrium.
Producer Behavior and Supply: Production function; Total, Average and Marginal Product; Laws of Returns; Concepts of Cost and Revenue and their relationship; Producer's equilibrium: Meaning and equilibrium conditions; Supply and its determinants; Movement and shift in Supply curve; Price elasticity of Supply and its measurement.
Market Forms and price determination: Meaning and features of Perfect competition, Monopoly, Monopolistic and Oligopoly market; Market equilibrium conditions and price determination under perfect competition; Ceiling price and Floor price. Concepts and theories of Land, Labour, Capital and Profit.
- 2- **Macro Economics:** Meaning; National Income Accounting; Circular flow of income; Measurement of National Income – Product or Value added method, Expenditure method and Income method; National Income Aggregates – Gross National Product (GNP), Net National Product (NNP), Gross and Net Domestic Product (GDP and NDP) at factor cost and market price; Disposable Income, private Income and personal Income, Real and Nominal GDP; GDP and welfare.
Money and Banking: Meaning and functions of money; supply of money and its various measures; credit creation by Commercial banks; Central Bank and its functions, credit Control; Money Inflation and Concept of Trade Cycle.
Determination of Income and Employment: Aggregate Demand and Supply functions, Determination of Income and Employment; Propensity to consume and save; Investment Multiplier and its mechanism; Meaning of full employment, involuntary unemployment and measures to correct them.
Government Budget and Economy: Meaning, Objectives and Components; Classification of receipts and Expenditure; Measures of Government deficits – revenue, fiscal and primary deficit; fiscal policy.
Balance of Payment: Meaning and components; Balance of payment deficit; Exchange rate- meaning and types; Exchange rate determination in a free market.
3. **Indian Economy: Developmental Policies and Experiences (1947 to 1990):**– Main features of Indian economy; Goals of Five Year Plans; Growth and sectoral development; Main features, problems and policies of agriculture; organic farming; Industrial development and Industrial Policy; Foreign trade of India; Economic Reforms since 1991; Current Challenges of Indian economy– Population; Human capital formation and its role; Formal and informal employment, Poverty and Poverty alleviation Programmes; Rural development; Credit and Marketing problems; Role of cooperatives; Health and Energy Problems; Inflation; Sustainable development and Environment; Global warming; Comparative development experience of India with Pakistan and China; NITI AAYOG.
4. **Statistics:** Meaning, scope and importance; Collection of data – sources, methods and organization of data; Frequency distribution; Presentation of data; Measurement of Central tendency – Mean, Median and Mode; Dispersion – Range, Quartile deviation, Mean deviation and Standard Deviation and their Relative dispersion measures; Lorenz Curve and its application; Correlation – Karl Pearson and Spearman's method; Index Number–Wholesale Price Index, Consumer Price Index, Index of Industrial Production and their uses; Inflation and Index Number.

HISTORY

Ancient India :-

Sources of Ancient Indian History:-Archaeological sources, Epigraphy, numismatics, literary sources and travel accounts.

Evolution of human being-Palaeolithic,Mesolithic and Neolithic.

Indus Valley Civilization:- origin,date,extent ,characteristics and decline.

The Vedic Age- evolution of society,economy,religion and polity;Vedic Literature.

Sixteen Mahajanpadas and Rise of Magadha Empire.

Era of New Religions:- Jainism and Buddhism-their basic tenets; spread and decline.

Foreign invasions-Iranian and Macedonian influences.

Mauryan Empire-Foundation of Mauryan Empire – Chandragupta Maurya, Bindusar, Asoka and his Dhamma; Mauryan administration, society and economy, art, and decline of Mauryan Empire.

Post –Mauryan India:- Indo-Greeks, Shakas, Kushanas, Pahlavs and Western Kshatrapas; society, art and architecture, economy.

Satvahans;Sangam Age-Sangam literature; King Kharvela.

Gupta Empire :-foundation- Shrigupta, Chandragupta I, Samudragupta, Chandragupta II (Vikramaditya), Skandgupta and later Guptas; extent and downfall, administration, society and culture, art and architecture, trade, caste system; educational system-Universities of Nalanda, Vikramshila and Vallabhi; contact with foreign countries.

Vakatakas; Maukharis; age of Harsha-his political and religious achievements.

Emergence of new powers-Chalukyas of Badami, Kadambas; administration; Vaishnavism and Saivism-Sankaracharya.

Chalukyas of Kalyani, Cholas, Hoysalas, Pandyas and Pallavas-Administration and local government; art and architecture, economy and trade;contact with Sri Lanka and South East Asia.

Varmans of Kamrup and Palas,Pratihars, Rashtrakutas, Paramaras,Chandels, Kalachuris,Chedis, Senas, ;Chalukyas of Gujarat ;Invasion of Islam-Mohammad- bin-Qasim,Mahmud of Ghazni;Al beruni.

Medieval India :-

Sources-Archaeological sources, epigraphy and numismatics, monuments; literaray sources-Persian, Sanskrit and regional language; .accounts of foreign travelers.

The Sultanate period-Ghorids, Turks, Khaljis, Tughlaqs, Saiyyads and Lodis.

Administration, economy and society- position of women; culture-art and architecture; religious movements-Sufi and Bhakti movements ;education and literature; decline of the Delhi Sultanate and emergence of regional powers.

Vijayanagar and Bahmani kingdoms-their extent ,administration, society and culture, economy, and architecture, literature; causes of decline.

Advent of the Mughals-Babar to Aurangzeb and later Mughals;Afghan interlude-Sher Shah Suri and his reforms.

Mughal Administration-land reforms,Mansabdari and Jagirdari system; economy, trade and commerce-internal and external; society and culture, art and architecture-Indo-Islamic architecture; painting; music; literature-Persian ,Sanskrit and regional languages.

Disintegration of the Mughal Empire –causes

Shivaji and rise of Maratha power :-Maratha Confederacy-extent –administration ,society and culture; decline of the Maratha power.

Modern India-

Sources-Archaeological & Archival material-coins and monuments; literature-European as well as Indian biographies and memoirs, travelogues, newspapers, missionary texts.

Advent of colonial powers and the rise and consolidation of the British Empire

European traders in India and inter –colonial rivalry-Portuguese, Dutch ,English and French.

Relations of East India Company with principal Indian states- Bengal, Oudh, Hyderabad, Mysore, Marathas and Sikhs.

Administration under the East India Company and the Crown-Evolution of central and provincial structure under the Company-1773-1853; Paramountcy, Civil service, Judiciary, Police and the Army.

Economy under British regime :- Changing composition of economy, the “Tribute”; expansion and commercialization of agriculture, famines and epidemics, land rights, land settlements, rural indebtedness ,decline of handicrafts,

British Industrial policy;major industries; factory legislations;labour and trade union movements.

Monetary policy:- banking, railways and surface transport.

Indian society in transition:- The advent of Christianity; Missionary activities and its attendant benefits to the masses-education, health -care, social hygiene .

Educational system under the British.

Indian Renaissance-socio-religious movement and its prominent proponents;

Advent of the printing press-journalistic activity and its role in creating public opinion.

Struggle for independence:- Rise of Indian Nationalism; social and economic base of national movement.

Uprising of 1857-causes and consequences; various movements including tribal and peasant movements.

Birth and growth of Indian National Congress-initial years-1885-1920.

Left parties and left wing politics in India.

Swadeshi Movement; Partition of Bengal.

Activities of Indian revolutionaries, both at home and abroad.

Gandhi and Gandhian movements.

Movements related to depressed classes-Justice Party, Ambedkar , Periyar.

Rise of communal politics and emergence of Jinnah,

Indian National Army and Subhash Chandra Bose,

Towards independence and partition of India,

The making of the Constitution,

Role of Uttarakhand in National Movement.

World History :-

Introduction to World History.

Early Societies- Introduction from the beginning of the time: Africa, Europe till 15000 BCE

Early Cities- Iraq in 3rd millennium BCE

Empires- Introduction, an Empire across Three Continents- Roman Empire, 27 BCE to 600 CE.

Central Islamic Lands- 7th to 12th centuries

Nomadic Empires- the Mongol, 13th to 14th century.

Changing Traditions- introduction, three Orders- Western Europe, 13th to 16th century.

Changing Cultural Traditions in Europe- from 14th to 17th century

Revolutions in Europe- French Revolution, Russian Revolution.

Confrontation of Cultures- America, 15th to 18th century.

Paths to Modernization- Introduction, The Industrial Revolution and Agrarian Revolution.

Displacing Indigenous People- North America and Australia, 18th to 20th century.

Paths of Modernization- East Asia, late 19th and 20th century.

Europe between the World Wars I and II.

The Great Depression and the New Deal.

Nazism and Fascism.

Influence of Communism in China-The Kuomintang and the Long March of Mao.

United Nations Organization.

The Cold War and balance of power.

Non Aligned Movement; India's post- independence foreign policy.

Geography

Geography as a discipline

- Definition, Geography as science of distribution, as science of spatial differentiation and as an integrating discipline
- Subject matter of Geography
- Primary branches of Geography- Physical and Human
- Main viewpoints in Geography- Determinism, Possibilism, Neo-determinism and Probablism
- Applicability of the discipline

Physical Geography

Geomorphology

- Origin and evolution of the earth, interior of earth, continental drift theory and the concept of plate tectonics
- Causes and consequences of earthquakes and volcanoes
- Major rock types and minerals- their characteristics and distribution
- Types of landforms: Agents, processes and associated features
- Geomorphic processes- denudation, weathering, mass wasting, erosion, deposition
- Process of soil formation

Climatology

- Composition and structure of atmosphere
- Insolation - angle of incidence and distribution, heat budget of the earth, factors affecting the heating and cooling of the earth e.g. conduction, convection, terrestrial radiation and advection
- Elements of weather and climate
- Temperature- controlling factors, horizontal and vertical distribution, inversion of temperature
- Atmospheric pressure, pressure belts, general circulation of winds-local and seasonal winds, Air masses and air fronts, monsoon mechanism, type of cyclones, Impact of El-nino and La-nina
- The nature and form of precipitation, evaporation and condensation- clouds, dew, frost, fog and mist, world distribution of rainfall
- Classification of climates of the world (Koeppen and Thornthwaite)

- Global warming and climate change, Causes, consequences and remedial measures related to climate change

Hydrosphere

- Basic aspects of Oceanography
- Hydrological cycle
- Distribution of temperature and salinity of oceans
- Relief features of ocean basins
- Movements of ocean water- currents, waves and tides
- Ocean resources and problems of ocean pollution

Biosphere

- Earth as giant biosphere
- Concept of environment and ecology, components of environment
- Biodiversity-types, importance and conservation; definition and types of ecosystems
- Anthropogenic influence on environment, pollution, conservation and management of ecosystems, ecological balance

GEOGRAPHY OF INDIA

Physical Characteristics

- Location, space relations, structure, relief and physiographic divisions of India
- Drainage pattern of India, concept of river basin and watershed, rivers of Uttarakhand
- Climatic characteristics: distribution of temperature (spatial and temporal), pressure system, winds, rainfall pattern and seasonal characteristics, Indian Monsoon-characteristics and mechanism, types of climate (Koeppen)
- Natural vegetation- vegetation regions, forest cover, wildlife, conservation of vegetation and wildlife-biosphere reserves, national parks and wildlife sanctuaries
- Major soil types and their distribution (according to ICAR classification), problems of soil erosion and degradation, soil conservation
- Causes, consequences, mitigation and management of natural hazards and disasters- floods, droughts, earthquakes, cyclones, Tsunami and landslides, natural hazards of Uttarakhand

Human Characteristics

- Population- Pattern of distribution, density and growth, factors influencing various population characteristics, composition of population: sex ratio, rural-urban, religious, linguistic, scheduled caste and scheduled tribe population, occupational structure of population
- Regional, national and international migration of population, pattern, causes and consequences of migration pattern of Indian population, migration in Uttarakhand
- Types and distribution of rural and urban settlements, functional classification of urban settlements, problems of urbanization

Resources

- Natural resources- concept, types and distribution
- Land resources- important factors of land use pattern
- Water resources- potential, availability and utilization, uses of water- irrigation, domestic, industrial and other uses, problem of water scarcity, management and conservation of water resources- appropriate techniques, watershed management and rainwater harvesting, water management in mountain region
- Mineral resources- distribution of metallic and non-metallic resources, study of Iron ore, Copper, Bauxite, Manganese, Mica, Salt etc
- Energy resources- classification, importance and distribution of conventional (Coal, Petroleum, Natural gas and Hydroelectricity) and Non-conventional (solar, wind, biogas) resources, management and conservation of energy resources

Economic Activities

- Agricultural land use pattern, Geographical conditions and major crops of India (Wheat, Rice, Cotton, Jute, Sugarcane, Tea, Coffee and Rubber), agricultural development and its regional pattern, problems and solutions of agriculture
- Industries- importance and types, factors of industrial location, distribution and changing pattern of important industries-iron and steel, cotton textile, sugar, petrochemicals, information-technology based industries, industrial regions and clusters, Impact of privatization and globalization on industries

- Transport and communication network- roads, railways, inland -waterways and airways: oil and gas pipelines, communication networks
- Nature of India's foreign trade and its changing pattern, role and hinterland of sea ports, importance and role of airports in foreign trade
- Planning in India- history of planning in India, highlights of 12th five year plan, types of planning- area and sectoral planning, sustainable development- concept and indicators
- Geographical perspective on selected issues- environmental degradation, water pollution, deforestation, drying of springs, urban-waste management, rural-urban migration, problems of slums etc

Human Geography

- Definition, nature and scope of human geography
- **Population:** distribution, density and growth, age and sex composition, rural and urban composition, Changing structure and spatial pattern of population, determinants of population change
- Concept and indicators of human development, international comparisons
- **Economic Activities-** classification, Primary activities- concept and changing trends; gathering, lumbering, pastoral, animal husbandry, mining, fishing; subsistence and intensive agriculture; role of agricultural and allied activities in economy of different countries of world
- Secondary activities- concept and changing trends, types of industries- household, small and large scale, agro-based and mineral based industries, population engaged in secondary activities-examples from selected countries
- Tertiary activities-concept and changing trends, trade, transport, tourism, services; population engaged in tertiary activities-examples from selected countries
- Quaternary activities- concept, information technology based activities, population engaged in quaternary activities-examples from selected countries
- International trade-nature and changing pattern, role of ports in international trade, role of World Trade Organization
- Oceans- importance, national rights, international treaties
- **Transport and Communication-** roads, railway, air and water transport; trans-continental railways, major ocean routes, inland waterways, international air routes; oil and gas pipelines

- Means of communication-traditional, mobile telephony, internet, satellite communication and cyber space, importance and use of geographical information, use of Global Positioning System
- **Human Settlements**-Types and pattern of rural and urban settlement, morphology of cities, mega cities, problem of settlements in developing countries

CARTOGRAPHY and MAP WORK

- Scale-importance and types of scale, construction of simple, comparative and diagonal scale
- Importance, use and types of maps, conventional signs and their use, measurement of distance, finding location and distance
- Geo-spatial data-concept and types (point, line and area data)
- Map projection: latitude, longitude, types of projections, construction and properties of conical and Mercator's projection
- Topographical maps- identification, scale, area, contours and their cross sections, identification of landforms, interpretation of land use, thematic maps
- Aerial photographs – types, geometrical characteristics, scale, difference between maps and aerial photographs, identification of physical and cultural features
- Remote sensing- importance and products (aerial photos, satellite imageries), stages in remote sensing data acquisition and processing, satellite sensors and data products
- Use of weather instruments: thermometer (wet and dry bulb), barometer, wind vane and rain gauge, interpretation of weather maps
- Significance of field study
- Mapping and identification of different features and activities mentioned in syllabus (physical/human/Indian geography sections)

SOCIOLOGY

Unit-I

Sociology: Meaning, Definition, Nature, Scope and its Significance; Historical Development of Sociology in Europe and India. Sociological Perspectives.

Unit-II

Basic Concepts: Society, Community, Group, Association, Social Structure, Social System, Culture, Socialization, Status and Role, Social Control and Social Change.

Unit-III

Social Processes:

Associative Processes: Cooperation, Accommodation, Assimilation,

Disassociative Process: Competition and Conflict.

Social Stratification and Social Mobility.

Unit-IV

Social Institutions: Marriage, Family, Kinship, Economy, Polity, Education and Religion.

Unit-V

Sociological Thinkers-(I)

Karl Marx- Historical Materialism, Mode of Production, Alienation, Class Struggle.

Emile Durkheim- Division of Labour, Social Fact, Suicide, Religion and Society.

Max Weber- Social Action, Ideal Types, Authority, Bureaucracy, Protestant Ethic and Spirit of Capitalism.

Talcott Parsons- Social System, Pattern Variables.

Robert K. Merton- Latent and Manifest Functions, Conformity and Deviance, Reference Group.

Unit-VI

Sociological Thinkers-(II)

Alfred Shultz and Peter Berger : Phenomenology

Garfinkel : Ethnomethodology

Goffman : Symbolic Interactionism

J. Alexander : Neo-Functionalism

Habermas and Althusser : Neo-Marxism

Anthony Giddens : Structuration

Unit-VII

Research Methodology: I

Social Research: Meaning, Types and Significance; Scientific Method; Fact and Value, Variables; Problems of Objectivity in Social Research, Survey, Research Design and its Types, Hypothesis and Sampling.

Techniques of Data Collections:- Observation, Questionnaire, Schedule, Interview.

Unit-VIII

Research Methodology:II

Qualitative Methods: Participant Observation, Case Study, Content Analysis.

Statistics in Social Research:- Measures of Central Tendency: Mean, Median, Mode; Measures of Dispersion; Usefulness of Computer in Social Research.

Unit-IX

Introducing Indian Society:

- (i) G.S Ghurye and Louis Dumont: Indological/Textual Perspective
M.N Srinivas and S.C Dube: Structural- Functional Perspective
D.P Mukherjee and A.R Desai: Marxian Perspective
B.R. Ambedkar and David Hardiman: Subaltern Perspective
- (ii) Social background of Indian Society; Impact of Islam, Christianity, Indian National Movements and Social Reform Movements on it

Unit-X

Indian Social Structure, Change and Challenges:-

- (i) Social Classes in India:- Agrarian Class Structure, Industrial Class Structure, Middle Class in India.
- (ii) Tribal Communities in India:- Geographical Spread, Different Welfare Policies related to Tribes.
- (iii) System of Kinship in India:- Types of Kinship System, Family and Marriage in India.
- (iv) Social Change and Challenges in India: Idea of Development Planning and Mixed Economy.

Processes of Change : Sanskritization, Modernization and Globalization.

- (a) Rural Transformation in India: Programmes of Rural Development, Community Development Programmers; Poverty Allevation Schemes; Problems of Rural Labour.
- (b) Industrialization and Urbanization in India: Evolution of Modern Industry in India. Growth of Urban Settlements and Slums in India.
Working Class: Structure and Growth.
- (c) Social Movements in Modern India: Peasants and Farmers Movements, Women's Movement, Backward Classes and Dalit Movement; Environmental Protection Movement.
- (d) Population Dynamics: Population Size, Growth, Composition and Distribution.
Components of Population Growth: Birth, Death, Migration. Population Policy and Family Planning.
Contemporary Issues: Old age, Sex-Ratios, Child and Infant Mortality, Reproductive Health.
- (e) Challenges of Social Transformation:
Crisis of Development- Displacement, Environmental Problem and Sustainability; White Collar Crime and Corruption, Violence against Women, Caste Conflicts, Ethnic Conflicts, Communalism, Unemployment and Terrorism.

Art

Fundamentals of Art : Element of art – Line , Form, Color, Tone , Texture, Space etc. Principles of composition – Unity, Harmony , Balance, Dominance, Rhythm , Proportion . Two- Dimensional and Three – Dimensional Drawing . Perspective Drawing . Creative process – Expression , Imagination , Sensation , Content etc. Material and Technique – Pencil , Charcoal , Pen, Ink , Water color, Oil paint, Gouache, Pastel , Mural , Fresco , Tempera, Mosaic , Wash technique and Mix media.

Technical Art : Meaning, Definition and Characteristics. 2D and 3D Plane and Solid Geometry. Drawing instruments- Pencil, Scales, Dividers, Protectors , Compass, T-squares, Set squares, Irregular curves. Definition and types of Triangle- Methods to draw a Right angled, equilateral, Isosceles, Scalene triangle. Properties and identification of geometrical shapes. Building drawing, shape, size, artistic architecturing drawing, Basic form. Produce 2D and 3D model drawings of a building and its components. Make a freehand artistic sketch of a floor plan and foundation.

History of Art : (Painting and Sculpture) **Indian Art** – Pre-historic period , Indus valley , Morya period , Gupta period , Ajanta , Ellora , Bagh caves , Mugal style , Rajasthani style , Uttarakhand style, Patna style , Raja Ravi Verma, Bangal School of art, Kalighat Paintings, Progressive artist Group, Calcutta group, Madras School , Shilpi chakra etc. Independent developments in Indian Contemporary art, Indo - Islamic architecture , Temple architecture and sculpture. Folk Art – origin, meaning and progress. Madhubani art, Rangoli, Thapa, Mandana, Alpana, Sanjhi, Godana, Aipan, Kalamkari and Folk culture and art of Uttarakhand.

Western Art - Pre-historic period , Egyptian and Mesopotamia , Creten, Etruscan Greek , Roman , Christian, Byzantine, Romanasac, Gothic, Mannerism, Baroc, Rococo, Romanticism, Realism , Impressionism , Expressionism , Cubism, Fauvism , Surrealism, Abstractism, Futurism.

Aesthetics: Art and beauty - Origin, Meaning, Definition, Characteristics, Classification. Six limbs, Alankar , Ras , Dhawni , Auchitya etc. Art and society , Art and Tradition , Art and Religion , Art and Imagination , Art and Imitation , Art and communication, Art and symbol, Art and Creativity, Art and Psychology, Intuition, Empathy , Dream and Fantasy, theory of formism. Art and aesthetics according to Indian and western thinkers.

COMMERCE

Part-A

Business Studies:

Part I- Introduction to Business: Nature and purpose, business vs profession, forms of business organisation: nature and limitations. Concept and role of private and public enterprises, small and medium enterprises. Emerging models of business, Business Ethics. Technological innovations, Skill development and Make in India.

Part II- Corporate Organisation and Legal Aspects of Business:

(a) **Companies Act 2013:** Its administration (including NCLT and NCLAT), formation of a Joint Stock Company, Public and Private company, Government company, One man company, concept of 'Doctrine of Constructive Notice' and 'Indoor Management', lifting of corporate veil.

Documentation: Red Herring Prospectus and Shelf Prospectus, Memorandum of Association and Articles of Association(MOA & AOA)

Management: Directors, Meetings and Resolutions. Winding up of a company. Corporate Social Responsibility and its enforcement.

(b) **Consumer Protection Act:** need, significance , consumer awareness, consumer rights, legal provisions under Consumer Protection Act.

(c) **Goods and Services Tax(GST):** Its objects and implications on business.

Part III- Business Environment: meaning, nature and elements of Business Environment:

Economic Environment- Liberalisation, Privatisation and Globalisation, second generation reforms, New Industrial Policy with latest changes initiated by existing government.

Part IV- Business, Financial & Marketing Management

(a) **Business Management:** Nature, significance and Principles of Management.

Planning: Objectives, strategies, planning process, decision making.

Organising: Organisational structure, formal and informal organisation, Power and Authority.

Staffing: Process, Training and Development , Performance Appraisal.

Directing: Motivation, Leadership and Communication.

Controlling: Need, Process and Techniques.

(b) **Financial Management:** Meaning & Objectives, factors affecting financial decisions, Capital Structure, Cost of Capital and Capital Budgeting.

(c) **Marketing Management:** Evolution of marketing, marketing vs selling, marketing mix, CRM, modern marketing, market segmentation, consumer behaviour, marketing decisions relating to product, price, promotion and distribution.

Part V- Banking Institutions and International Trade

(a) Role of banking in business, different types of banks and their functions, RBI, NABARD and RRB's. Reforms in banking sector- NPA's and recent trends in banking industry. Demonetisation and its impact on banking sector.

(b) International Trade: Meaning and nature, Balance of Payment.

International Economic Institutions: IMF, IBRD, IFC, ADB.

World Trade Organisation: its functions & policies, Foreign Direct Investment and MNC's.

Part-B

Accountancy

- Unit 1-** Introduction to Accounting: Meaning , objectives; Role of Accounting, advantages and limitations, Accounting as an information system, Basic Accounting Concepts and Conventions, Generally Accepted Accounting Principles[GAAP], International Financial Reporting Standards[IFRS].
- Unit 2-** Accounting Process: Accounting Equations,Golden rules of Accounting and basic accounting terms, Accounting Systems, Journal, Ledger, Books of original Entry, Cash book, Purchase book, sales book, purchase return book and sales return book. Methods of preparing of Trial Balance and Rectification of errors.
- Unit 3-** Final Accounts: Final Accounts with adjustments of Non-Corporate business Entities or Sole Proprietorship.
- Unit 4-** Bank Reconciliation statement and Bills of Exchange- Need and Preparation of Bank Reconciliation statement, Meaning of Bills of exchange, Advantages, Discounting of a bill, dishonour and Renewal of the Bill, Accomodation of Bills, Difference between Trade bill and Accomodation Bill.
- Unit 5-** Depreciation, Provisions and Reserves-: Meaning, Need of Depreciation, Methods of Computing depreciation. Provisions and Reserves, Capital and Revenue Expenditures and Receipts.
- Unit 6-** Accounting for Non-Profit organisations: Meaning, Characteristics and Accounting Records for Non-Profit Organisations- Receipts and Payment Account and Income & Expenditure Account.
- Unit 7-** Accounting for Partnership: Basic Concepts, Nature, Partnership Deed, The Limited Liability Partnership Act 2008, Admission of a New Prtner, Retirement and Death of a Partner, Dissolution of Partnership Firm.
- Unit 8-** Company Accounts: Meaning and Types of Share Capital, Issue of Equity and Preference Shares, Forfeiture and Re-issue of Forfeiture Shares, Sweat equity shares and Employees stock option plan [ESOP], Redemption of Preference Shares. Issue and Redemption of Debentures.
- Unit 9-** (a) Analysis of Financial statements- Financial statements of a Company, preparation of Balance sheet of a Company as per Company Act, 2013.
- (b) Meaning, significance, tools for financial statements analysis and limitations, comparative financial statement and common size financial statements. Accounting Ratios- Profitability, Liquidity,Solvency, Activity and turnover Ratios.
- Unit 10-** (a) Accounting for Hire Purchase systems and Instalment payment system.
- (b) Applications of Computers in Accounting- Introduction to Computer and Accounting Information System[AIS], Concept and types of Computerised Accounting, Features, Structure and Role of Computer in Accounting. Application of Tally and Electronic Spread sheet [E.S] in Accounting.

AGRICULTURE

I. Agronomy and Agrometeorology

Agriculture and its scope, seeds and sowing, tillage and tilth, crop density and geometry, crop nutrition, manures and fertilizers, nutrient use efficiency, water resources, soil-plant-water relationship, crop water requirement, water use efficiency, irrigation- scheduling criteria and methods, quality of irrigation water, water logging.

Weeds- importance, classification, crop weed competition, concepts of weed management-principles and methods, herbicides- classification, selectivity and resistance. Weeds, their characteristics, dissemination and association with various field crops; their multiplications; cultural, biological and chemical control of weeds.

Growth and development of crops, factors affecting growth and development, crop rotation and its principles, adaptation and distribution of crops, harvesting and threshing of crops.

Ecology and its relevance to man, natural resources, their management and conservation. Environmental factors of crop distribution and production. Climatic elements as factor of crop growth, impact of changing environment on cropping pattern. Environmental pollution and associated hazards to crops, animals and humans.

Earth atmosphere - its composition, extent and structure; Atmospheric weather variables; Atmospheric pressure, its variation with height; Wind, types of wind, cyclone, anticyclone, land breeze and sea breeze; Nature and properties of solar radiation; Atmospheric temperature, temperature inversion, lapse rate, vertical profile of temperature; Atmospheric humidity, vapor pressure, process of condensation, formation of dew, fog, frost, cloud; Precipitation and its process, forms of precipitation such as rain, drizzle, snow, sleet and hail; cloud formation and classification; artificial rainmaking, monsoon and its importance in agriculture, Ozone depletion, weather hazards - drought, floods, frost and extreme weather conditions such as heat and cold waves, cloud burst. Weather forecasting- types of weather forecast and their uses. Climate change, climatic variability, global warming, causes of climate change and its impact on regional and national agriculture.

Cropping patterns in different agro-climatic zones of the state. Impact of high yielding and short duration varieties on shifts in cropping patterns. Concepts of multiple cropping, multistory, relay and inter-cropping and their importance in relation to sustainable crops production. Package of practices for production of important cereals, pulses, oilseeds, fibre, sugar and cash crops grown during Kharif and Rabi seasons in different regions of the state. Important features, scope and propagation of various types of forestry plants with reference to agro-forestry and social forestry.

II. Soil Science and Agricultural Chemistry

Soil genesis: soil forming rocks and minerals; weathering, processes and factors of soil formation; soil profile, components of soil, soil physical properties, Problem soils, extent and distribution in India and their reclamation. Essential plant nutrients and other beneficial elements in soils and plants. Symbiotic and non-symbiotic nitrogen fixation.

Principles of soil fertility and its evaluation for judicious fertilizer use. Organic manures, properties and methods of preparation of bulky and concentrated manures. Green/leaf manuring. Fertilizer recommendation approaches. Integrated nutrient management. Mechanisms of nutrient transport to plants, factors affecting nutrient availability to plants.

Chemistry of soil nitrogen, phosphorus, potassium, calcium, magnesium, sulphur and micronutrients. Critical levels of different nutrients in soil. Soil conservation planning on watershed basis, Erosion and runoff management in hills, foothills and valleys; processes and factors affecting them.

Dryland agriculture and its problems. Technology for stabilizing agriculture production in rainfed agriculture. Water use efficiency in relation to crop production, criteria for scheduling irrigation, ways and means of reducing run-off losses of irrigation water. Drainage of water-logged soils.

Farm management, scope, importance and characteristics, farm planning and budgeting. Economics of different types of farming systems. Marketing and pricing of agriculture inputs and outputs, price fluctuations and their cost, role of co-operatives in agricultural economy, types and systems of farming and factors affecting them. Approaches to economic analysis, basic concepts: Goods and services, desire, want, demand, utility, cost and price, wealth, capital, income and welfare.

Agricultural extension, its importance and role, methods of evaluation of extension programmes, diffusion, communication and adoption of innovation people's participation and motivation. Farm mechanization and its role in agricultural production and rural employment.

III. Agricultural Statistics

Statistical applications in agriculture, Measures of Central Tendency & Dispersion, Definition of Probability, Addition and Multiplication Theorem (without proof). Simple Problems Based on Probability. Binomial & Poisson Distributions, Definition of Correlation, Scatter Diagram. Karl Pearson's Coefficient of Correlation. Linear Regression Equations. Introduction to Test of Significance, One sample & two sample test t for Means, Chi-Square Test of Independence of Attributes in 2×2 Contingency Table. Introduction to Analysis of Variance, Analysis of One Way Classification. Introduction to Sampling Methods, Sampling versus Complete Enumeration, Simple Random Sampling with and without replacement, Use of Random Number Tables for selection of Simple Random Sample.

IV. Genetics and Plant Breeding

Mendel's law of inheritance, chromosomal theory of inheritance, sex linked, sex influenced and sex mutation. Morphological patterns of variations in varieties and related species of important field crops. Cause and utilization of variation in crop improvement. Application of the principles of plant breeding to the improvement of major field crops, methods of breeding of self and cross-pollinated crops. Introduction, selection, hybridization. Male sterility and self-incompatibility, utilization of mutation of polypoidy in breeding.

Genetic disorders. Nature, structure & replication of genetic material. Protein synthesis, Gene concept: Gene structure, function and regulation.

Seed technology and its importance, production, processing, storage and testing of seeds. Role of national and state seed organizations in production and processing, marketing of improved seeds. Crop physiology and its importance in agriculture; physical properties and chemical constitution of protoplasm, inhibition, surface tension, diffusion and osmosis, absorption and translocation of water, transpiration in plant cell.

V. Plant Physiology

Plant growth regulators: Physiological roles and agricultural uses, physiological aspects of growth and development of major crops: growth analysis, role of physiological growth parameters in crop productivity.

Enzymes and plant pigments, photosynthesis – modern concepts and factors affecting the process, light and dark reactions, C₃, C₄ and CAM plants; aerobic and anaerobic respiration, growth and development, photoperiodism and vernalization.

Climatic requirements and cultivation of major fruits and vegetable crops; package of practices and the scientific basis for the same. Pre and post harvest physiology of fruits and vegetables. Processing techniques and equipments. Landscape and floriculture including raising of ornamental plants. Design and layout of lawns and gardens.

Diseases and pests of vegetables, fruits and plantation crops of the state, and measures to control plant diseases. Pesticides and their formulations and its applications, plant protection equipment, their care and maintenance.

VI. Agricultural Entomology

Classification of phylum Arthropoda upto classes. Morphology: Structure and functions of insect cuticle and molting. Structure of Head, thorax and abdomen. Structure and modifications of insect antennae, mouth parts, legs, Wing venation, modifications and wing coupling apparatus. Structure of male and female genital organ. Metamorphosis and diapause in insects. Types of larvae and pupae. Structure and functions of digestive, circulatory, excretory, respiratory, nervous, secretory (endocrine) and reproductive system in insects. Simple and compound eyes.

Insect ecology: Effect of abiotic and biotic factors on growth and development. Classification of insecticides, its formulations and application techniques, concept of IPM, insect pests of important crops, vegetables, fruits and stored grains with their management.

Management of beneficial insects: Beekeeping, methods of rearing, bee enemies and disease.

Types and biology of silkworm. Mulberry cultivation, rearing, mounting and harvesting of cocoons. Pest and diseases of silkworm. Lac insect, biology, host plant, lac production – seed lac, button lac, shellac, lac products. Identification of major parasitoids and predators commonly being used in biological control.

VII. Plant Pathology and Management

Importance of plant diseases, scope and objectives of plant pathology. Terms and concepts in plant pathology. Pathogenesis. Causes / factors affecting disease development: disease triangle and tetrahedron and classification of plant diseases.

Important plant pathogenic organisms, different groups: fungi, bacteria, fastidious vesicular bacteria, phytoplasmas, spiroplasmas, viruses, viroids, algae, protozoa, phanerogamic parasites and nematodes with examples of diseases caused by them. *Fungi*: General characters and classification of fungi upto classes. *Bacteria and mollicutes*: General morphological characters. Basic methods of classification. *Viruses*: Nature, structure, replication and transmission. Study of phanerogamic plant parasites. *Nematodes*: General morphology and reproduction, classification, symptoms and nature of damage caused by plant nematodes (*Heterodera*, *Meloidogyne*, *Anguina*). Principles and methods of plant disease management.

Epidemiology: Factors affecting disease development. Nature, chemical combination, classification, mode of action and formulations of fungicides and antibiotics. Important diseases of field and horticultural crops and their management. Principles of Integrated Pest and Disease Management.

परिशिष्ट-2

उत्तराखण्ड राज्य की आरक्षित श्रेणियों हेतु निर्धारित प्रमाण-पत्रों के प्रपत्र।

प्रमाण-पत्र का प्रारूप

परिशिष्ट-2(1)

उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिये जाति प्रमाण प्रपत्र
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम,2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री श्री निवासी ग्राम तहसील
..... नगर जिला उत्तराखण्ड कीजाति के व्यक्ति हैं,
जिसे संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 (जैसा कि समय-समय पर संशोधित हुआ) संविधान (अनुसूचित जनजाति
उ0प्र0) आदेश 1967, जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी है, के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप
में मान्यता दी गई है।

श्री/श्रीमती/कुमारीतथा अथवा उनका
परिवार उत्तराखण्ड के ग्रामतहसीलनगरजिला
..... में सामान्यतया रहता है।

स्थान :

हस्ताक्षर

दिनांक :

पूरा नाम

मुहर :

पदनाम

जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी

मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/

जिला समाज कल्याण अधिकारी।

परिशिष्ट-2(2)

उत्तराखण्ड राज्य के अन्य पिछड़े वर्ग के लिये जाति प्रमाण-पत्र
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम,2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री श्री निवासी ग्राम
तहसीलनगर जिला उत्तराखण्ड के राज्य की
..... पिछड़े जाति के व्यक्ति हैं। यह जाति उ0प्र0 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों
तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम,1994) जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी है, की अनुसूची-1 के
अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है। उक्त अधिनियम,1994 की अनुसूची-2 से अधिसूचना संख्या-22/16/92-का-2/1995 टी.
सी. दिनांक 08 दिसम्बर,1995 द्वारा यथा संशोधित से आच्छादित नहीं है।

श्री/श्रीमती/कुमारी तथा अथवा उनका परिवार उत्तराखण्ड के ग्राम
..... तहसील नगर जिला में सामान्यतया रहता
है।

स्थान :
दिनांक :

हस्ताक्षर
पूरा नाम
पदनाम
मुहर
जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी
मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार
/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

परिशिष्ट-2(3)

उत्तराखण्ड राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों के लिए प्रमाण-पत्र
शासनादेश संख्या 4/23/1982-2/1997, दिनांक 26 दिसम्बर, 1997
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)
प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
.....सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री निवासी ग्राम
.....तहसील नगर जिलाउत्तर प्रदेश लोक सेवा
(शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिक के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993
जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में लागू है, के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं और श्री/श्रीमती/कुमारी(आश्रित)
.....पुत्र/पुत्री/पौत्र (पुत्र का पुत्र) और पौत्री (पुत्र की पुत्री)(विवाहित या
अविवाहित)/पुत्री के पुत्र/पुत्री उपयांकित अधिनियम, 1993 के ही प्रावधानों के अनुसार उक्त श्री/श्रीमती/(स्वतंत्रता
संग्राम सेनानी) के आश्रित हैं।

स्थान :

हस्ताक्षर

दिनांक :

पूरा नाम.....

पदनाम

मुहर

जिलाधिकारी

(सील)

परिशिष्ट-2(4)

उत्तराखण्ड सरकार

(प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता)

(अधिसूचना संख्या 64 / XXXVI ;3) / 2019 / 19(1) / 2019 दि: 07 मार्च, 2019 के अधीन)

अर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या.....वर्ष.....हेतु मान्य दिनांक.....

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी.....

पुत्र / पत्नी / पुत्री.....ग्राम / मुहल्ला.....

पोस्ट ऑफिस.....जिला.....पिन कोड.....

उत्तराखण्ड राज्य के मूल निवासी / स्थायी निवासी हैं, जिनका नवीनतम फोटो नीचे प्रमाणित है। इनके परिवार की सभी स्रोतों से वित्तीय वर्ष..... की औसत आय आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निर्धारित मानक ₹ 8.00 लाख (रुपये आठ लाख) से कम है और इनका परिवार निम्न में से कोई सम्पत्ति धारित नहीं करता है :-

(I) कृषि भूमि 5 एकड़ या उससे अधिक, या

(II) आवासीय भवन 1000 वर्ग फुट या उससे अधिक, या

(III) अधिसूचित नगरपालिकाओं में 100 वर्ग गज या उससे अधिक के आवासीय भूखण्ड, या

(IV) अधिसूचित नगरपालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज या उससे अधिक के भूखण्ड।

2. श्री / श्रीमती / कुमारी.....जो कि.....जाति से हैं और भारत सरकार / उत्तराखण्ड सरकार की अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्तर् पिछड़ा वर्ग सूची में सम्मिलित नहीं है।

आवेदक का
नवीनतम पासपोर्ट
साइज का
प्रमाणित फोटो

हस्ताक्षर सहित कार्यालय की मुहर

नाम..... पदनाम.....

.....

परिशिष्ट-2(5)

संस्थान/अस्पताल का नाम और पता

प्रमाण पत्र संख्या - तारीख

निःशक्तता प्रमाण-पत्र

चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित उम्मीदवार का हाल का फोटो जो उम्मीदवार की निःशक्तता दर्शाता हो।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु0.....
सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्रीआयु लिंगपहचान चिन्ह
.....निम्नलिखित श्रेणी की स्थायी निःशक्तता से ग्रस्त है।

- क.** गति विषयक (लोकोमोटर) अथवा प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (फॉलिज)
- (i) दोनों टांगें (बी एल) – दोनों पैर प्रभावित किन्तु हाथ प्रभावित नहीं
- (ii) दोनों बांहें (बी ए) – दोनों बांहें प्रभावित (क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
- (iii) दोनों टांगें और बांहें (बी एल ए)–दोनों टांगें और दोनों बांहें प्रभावित
- (iv) एक टांग (ओ एल) – एक टांग प्रभावित (दायां या बायां)
(क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
- (v) एक बांह (ओ ए) – एक बांह प्रभावित
(क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
- (vi) पीठ और नितम्ब (बी एच) – पीठ और नितम्ब में कड़ापन (बैठ और झुक नहीं सकते)
- (vii) कमजोर मांस पेशियां (एम डब्लू) – मांस पेशियों में कमजोरी और सीमित शारीरिक सहनशक्ति।
- ख.** अंधापन अथवा अल्प दृष्टि –
- (i) बी – अंधता
- (ii) पी बी – आंशिक रूप से अंधता
- ग.** कम सुनाई देना
- (i) डी-बधिर

(ii) पी डी – ऑशिक रूप से बधिर

(उस श्रेणी को हटा दें जो लागू न हो)

2. यह स्थिति में प्रगामी है/ गैर प्रगामी है/ इसमें सुधार होने की सम्भावना है/ सुधार होने की सम्भावना नहीं है। इस मामले का पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा नहीं की जाती।वर्षों महीनों की अवधि के पश्चात् पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा की जाती है। '

3. उनके मामले में निःशक्तता का प्रतिशत है।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं को पूरा करते/करती हैं:-

- | | |
|--|----------|
| (i) एफ-अंगुलियों को चलाकर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (ii) पी पी-धकेलने और खींचने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (iii) एल-उठाने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (iv) के सी-घुटनों के बल झुकन और दबक कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (v) बी-झुक कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (vi) एस-बैठ कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (vii) एस टी-खड़े होकर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (viii) डब्लू-चलते हुए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (ix) एस ई-देख कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (x) एच-सुनने/बोलने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (xi) आर डब्लू-पढ़ने और लिखने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |

(डा0.....)

(डा0.....)

(डा0.....)

सदस्य
चिकित्सा बोर्ड

सदस्य
चिकित्सा बोर्ड

सदस्य
चिकित्सा बोर्ड

चिकित्सा अधीक्षक/मुख्य चिकित्सा
अधिकारी/अस्पताल के मुखिया द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित
(मुहर सहित)

' जो लागू न हो काट दें।

परिशिष्ट-3 (1)

उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग 'समूह-ग') सेवा (सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) परीक्षा-2024 की स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक (Qualifying Marks) :-

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया विनियमावली-2022 (यथा संशोधित) में वर्णित प्राविधान के तहत स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु निम्नलिखित न्यूनतम अर्हक प्राप्त करना अनिवार्य है:-

क्र. सं.	आरक्षण की श्रेणी	स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का परिणाम तैयार किए जाने हेतु निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक (प्रतिशत में)
1	अनारक्षित एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	35
2	अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	30
3	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी एवं संबंधित उपश्रेणी	30
4	अनुसूचित जाति श्रेणी/अनुसूचित जनजाति श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	25
5	उत्तराखण्ड के डी0एफ0एफ	25
6	भूतपूर्व सैनिक	25
7	उत्तराखण्ड के दिव्यांग	20

नोट :: अभ्यर्थियों को उक्तानुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक (प्रतिशत में) प्राप्त करने पर ही स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के परीक्षा परिणाम हेतु विचारित किया जायेगा।

स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) केवल अर्हकारी प्रकृति की होगी तथा अभ्यर्थियों द्वारा स्क्रीनिंग परीक्षा में प्राप्त अंकों को विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के साथ नहीं जोड़ा जायेगा।

परिशिष्ट-3 (2)

उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग 'समूह-ग') सेवा (सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) परीक्षा-2024 की विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक (Qualifying Marks) :-

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2022 यथा संशोधित में वर्णित प्राविधान के तहत निम्नलिखित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है:-

क्र. सं.	आरक्षण की श्रेणी	विषयवार लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का परिणाम तैयार किए जाने हेतु निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक (प्रतिशत में)
1	अनारक्षित एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	45
2	अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	40
3	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी एवं संबंधित उपश्रेणी	40
4	अनुसूचित जाति श्रेणी/अनुसूचित जनजाति श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	35
5	उत्तराखण्ड के डी0एफ0एफ	35
6	भूतपूर्व सैनिक	35
7	उत्तराखण्ड के दिव्यांग	30

नोट :- सम्बन्धित श्रेणी/उपश्रेणी के पदों के सापेक्ष अभ्यर्थियों को उक्तानुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक (प्रतिशत में) प्राप्त करने पर ही प्रवीणता सूची हेतु विचारित किया जाएगा।

परिशिष्ट-4

अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करते समय स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु नियत नगर का उल्लेख अवश्य करें। उक्त परीक्षा निम्नलिखित नगरों पर आयोजित की जायेगी :-

क्रम सं०	नगर का नाम
01.	अल्मोड़ा (अल्मोड़ा)
02.	रानीखेत (अल्मोड़ा)
03.	चम्पावत (चम्पावत)
04.	पिथौरागढ़ (पिथौरागढ़)
05.	नैनीताल (नैनीताल)
06.	हल्द्वानी (नैनीताल)
07.	रूद्रपुर (ऊधमसिंह नगर)
08.	काशीपुर (ऊधमसिंह नगर)
09.	बागेश्वर (बागेश्वर)
10.	पौड़ी (पौड़ी गढ़वाल)
11.	श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)
12.	कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)
13.	गोपेश्वर (चमोली)
14.	नई टिहरी (टिहरी गढ़वाल)
15.	रूद्रप्रयाग (रूद्रप्रयाग)
16.	उत्तरकाशी (उत्तरकाशी)
17.	देहरादून (देहरादून)
18.	ऋषिकेश (देहरादून)
19.	हरिद्वार (हरिद्वार)
20.	रूड़की (हरिद्वार)

परिशिष्ट-05

शासनादेश संख्या: 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014 दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अनुपालन में दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किए जाने के संबंध में मार्गदर्शिका सिद्धांत :-

1. आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली स्क्रीनिंग/प्रारंभिक/लिखित परीक्षा में Benchmark विकलांगता धारित अभ्यर्थी जो Blindness (अंधता), locomoter disability (Both arm affected-BA) (चलनक्रिया (दोनों हाथ प्रभावित)) तथा cerebral palsy (मस्तिष्क घात)से ग्रस्त हैं तथा इसके अतिरिक्त वे समस्त अभ्यर्थी, जो देश के किसी भी क्षेत्र में अवस्थित सक्षम स्वास्थ्य प्राधिकारी (मुख्य चिकित्साधिकारी/शल्य चिकित्सक/चिकित्सा अधीक्षक) द्वारा निर्गत **परिशिष्ट-5(1)** प्रारूप में प्रमाण पत्र धारित करते हैं, को श्रुतलेखक की सुविधा प्रदान की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा उक्त का दावा अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में करना होगा। परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व अभ्यर्थी को **परिशिष्ट-5(1)** की प्रति, श्रुतलेखक से संबंधित **परिशिष्ट-5(2)** की प्रति एवं श्रुतलेखक की दो आवक्ष फोटो को आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा।
2. अभ्यर्थी द्वारा अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख करना होगा कि श्रुतलेखक की सुविधा आयोग कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जानी है अथवा अभ्यर्थी द्वारा स्वतः श्रुतलेखक की व्यवस्था की जाएगी। यदि अभ्यर्थी द्वारा स्वयं श्रुतलेखक को लाने का दावा किया जाता है तो परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व अभ्यर्थी को **परिशिष्ट-5(1)** की प्रति, श्रुतलेखक से संबंधित **परिशिष्ट-5(2)** की प्रति एवं श्रुतलेखक की दो आवक्ष फोटो को आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा।
3. यदि अभ्यर्थी द्वारा श्रुतलेखक की सुविधा हेतु आयोग से अनुरोध किया जाता है तो परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व अभ्यर्थी को **परिशिष्ट-5(1)** प्रमाण पत्र की प्रति आयोग कार्यालय में उपलब्ध करानी होगी तथा श्रुतलेखक की समीक्षा/सत्यापन हेतु अभ्यर्थी को आयोग कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए श्रुतलेखक से परीक्षा तिथि से दो दिन पूर्व मिलवाया जाएगा तथा अभ्यर्थी का परीक्षा केन्द्र प्रत्येक दशा में परीक्षा भवन, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार होगा।
4. श्रुतलेखक की शैक्षिक योग्यता प्रश्नगत पद की अनिवार्य शैक्षिक योग्यता से एक स्तर कम होगी किंतु किसी भी दशा में हाईस्कूल से न्यून नहीं होगी। दिव्यांग अभ्यर्थी को विभिन्न भाषा विषय/प्रश्नपत्र में एक से अधिक श्रुतलेखक अनुमन्य किया जा सकता है, किंतु एक विषय/प्रश्नपत्र में एक से अधिक श्रुतलेखक किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं किया जाएगा।
5. दिव्यांग अभ्यर्थी की परीक्षा (प्रारंभिक/स्क्रीनिंग/लिखित) आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप पर नहीं ली जाएगी और न ही प्रश्नपत्र के प्रारूप में किसी प्रकार का संशोधन किया जाएगा।
6. कम्प्यूटर आधारित परीक्षाओं हेतु विकलांगता धारित अभ्यर्थियों को परीक्षा तिथि से एक दिन पूर्व कम्प्यूटर सिस्टम के निरीक्षण की सुविधा दी जाएगी। आयोग द्वारा अभ्यर्थी को कम्प्यूटर परीक्षा हेतु स्वयं का केवल की-बोर्ड तथा माउस लाने की अनुमति दी जाएगी।

7. श्रुतलेखक की सुविधायुक्त दिव्यांग अभ्यर्थियों को 20 मिनट प्रति घण्टे का क्षतिपूर्ति समय प्रदान किया जाएगा। एक घण्टे से कम समय हेतु क्षतिपूर्ति समय 20 मिनट प्रति घण्टे के अनुपात में निर्धारित किया जाएगा जो कि 5 मिनट से कम नहीं होगा तथा 5 मिनट के गुणांक में होगा।
8. जिन परीक्षाओं में कैलकुलेटर की सुविधा अनुमन्य होगी उन परीक्षाओं हेतु दिव्यांग अभ्यर्थियों को talking calculator की सुविधा प्रदान की जाएगी तथा श्रुतलेखक व अभ्यर्थी के मध्य संचार हेतु उपयोग में लाई जाने वाले उपकरण जैसे (trailer frame, Braille slate, abascus, geometry kit, communication devices etc.) भी परीक्षा हेतु अनुमन्य होंगे ;उपरोक्त सभी उपकरण अभ्यर्थी द्वारा स्वयं लाये जायेंगे)।
9. दिव्यांग अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रत्येक दशा में भू-तल के निर्धारित परीक्षा-कक्ष में बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

-Sd-
सचिव

Certificate regarding physical limitation in an examinee to write

This is to certify that, I have examined Mr/Ms/Mrs (name of the candidate with disability), a person with (nature and percentage of disability as mentioned in the certificate of disability), S/o/D/o, a resident of (Village/District/State) and to state that he/she has physical limitation which hampers his/her writing capabilities owing to his/her disability.

Signature

Chief Medical Officer/Civil Surgeon/Medical Superintendent of a Government Health care institution

(Name & Designation)

Name of Government Hospital/Health Care Centre with Seal:

Place:

Date:

Note: Certificate should be given by a specialist of the relevant stream/disability (eg. Visual impairment- Ophthalmologist, Locomotor disability Orthopedic specialist/PMR)

Letter of Undertaking for using own Scribe

I, a candidate with(name of the disability) appearing for the(name of the examination) bearing Roll No. at(name of the centre) in the District (name of the State). My qualification is

I do hereby state that (name of the scribe) will provide the service of scribe/reader/lab assistant for the undersigned for taking the aforesaid examination.

I do hereby undertake that his qualification is In case, subsequently it is found that his qualification is not as declared by the undersigned and is beyond my qualification, I shall forfeit my right to the post and claims relating thereto.

(Signature of the candidate with disability)

Place:

Date:

परिशिष्ट-06

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 2(s) से आच्छादित किन्तु अधिनियम की धारा 2(r) से अवमुक्त अर्थात् 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता धारित ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें लिखने में कठिनाई है, को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किये जाने हेतु दिशा निर्देश

1. आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली स्क्रीनिंग/प्रारंभिक/लिखित परीक्षा में श्रुतलेखक एवं/या क्षतिपूर्ति समय की सुविधा लिखने में असमर्थ केवल ऐसे दिव्यांग अभ्यर्थियों को प्रदान की जाएगी जिनके द्वारा **परिशिष्ट-6(1)** पर निर्धारित प्रारूप पर राजकीय चिकित्सालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त इस आशय का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा कि अभ्यर्थी लिखने में असमर्थ है तथा अभ्यर्थी को परीक्षा हेतु श्रुतलेखक की आवश्यकता है।

2. श्रुतलेखक की अनुमन्यता के संबंध में प्रेषित किया जाने वाला **परिशिष्ट-6(1)** पर निर्धारित प्रारूप पर प्रमाण-पत्र निम्नवत गठित बहु-सदस्यीय समिति द्वारा निर्गत किया जाना अनिवार्य है-

- i. Chief Medical officer/Civil Surgeon/Chief District Medical Officer..... अध्यक्ष
- ii. Orthopaedic/PMR specialist
- iii. Neurologist (उपलब्धता के आधार पर)
- iv. Clinical Psychologist/Rehabilitation Psychologist/ Psychiatrist/ Special Educator
- v. Occupational therapist. (उपलब्धता के आधार पर)
- vi. समिति के अध्यक्ष द्वारा अभ्यर्थी की स्थिति के आधार पर नामित अन्य कोई सदस्य।

3. अभ्यर्थी द्वारा अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख करना होगा कि अभ्यर्थी द्वारा स्वतः श्रुतलेखक की व्यवस्था की जाएगी अथवा श्रुतलेखक आयोग कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

यदि अभ्यर्थी द्वारा श्रुतलेखक की सुविधा हेतु आयोग से अनुरोध किया जाता है तो परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व तक अभ्यर्थी को **परिशिष्ट-6(1)** प्रमाण-पत्र आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा तथा श्रुतलेखक की समीक्षा/सत्यापन हेतु अभ्यर्थी को श्रुतलेखक से परीक्षा तिथि से दो दिन पूर्व मिलवाया जाएगा। उक्त स्थिति में अभ्यर्थी का परीक्षा केन्द्र प्रत्येक दशा में हरिद्वार होगा।

4. श्रुतलेखक की शैक्षिक योग्यता संबंधित परीक्षा हेतु निर्धारित अनिवार्य शैक्षिक अर्हता से एक स्तर कम होगी किन्तु किसी भी दशा में हाई स्कूल से न्यून नहीं होगी।

स्वतः श्रुतलेखक की व्यवस्था किये जाने पर अभ्यर्थी को परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व तक श्रुतलेखक की 02 आवक्ष फोटो एवं 01 पहचान-पत्र के साथ **परिशिष्ट-6(2)** प्रमाण-पत्र एवं **परिशिष्ट-6(1)** प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

5. अभ्यर्थी को अपरिहार्य परिस्थितियों में श्रुतलेखक को परिवर्तित किये जाने की सुविधा उपलब्ध होगी। अभ्यर्थी को विभिन्न भाषा विषय/प्रश्नपत्र में पृथक-पृथक श्रुतलेखक अनुमन्य किया जा सकता है, किन्तु एक विषय/प्रश्नपत्र में एक से अधिक श्रुतलेखक किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं किया जाएगा।
6. अभ्यर्थी को सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत **परिशिष्ट-6(1)** प्रमाण-पत्र के बिन्दु संख्या-2 में अनुमोदित ऐसे सहायक उपकरणों के प्रयोग की अनुमति होगी, जिससे परीक्षा की शुचिता प्रभावित नहीं होती हो।
7. श्रुतलेखक हेतु अर्ह अभ्यर्थियों को 20 मिनट प्रति घण्टे का क्षतिपूर्ति समय प्रदान किया जाएगा। एक घण्टे से कम समय हेतु क्षतिपूर्ति समय 20 मिनट प्रति घण्टे के अनुपात में निर्धारित किया जाएगा जो 5 मिनट से कम नहीं होगा तथा 5 मिनट के गुणांक में होगा।
8. श्रुतलेखक हेतु अर्ह अभ्यर्थियों के लिये परीक्षा केन्द्र के भू-तल पर निर्धारित परीक्षा-कक्ष में बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।
9. उक्त दिशा-निर्देश शासनादेश संख्या : 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014 दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अनुपालन में आयोग द्वारा अनुमोदित दिव्यांगजन अभ्यर्थियों हेतु श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किये जाने संबंधी मार्गदर्शिका सिद्धांत दिनांक 09 जून, 2020 से पृथक होंगे।

-Sd-
सचिव

परिशिष्ट-06 (1)

Certificate for person with specified disability covered under the definition of Section 2 (s) of the RPwD Act, 2016 but not covered under the definition of Section 2 (r) of the said Act, i.e. persons having less than 40% disability and having difficulty in writing

This is to certify that, we have examined Mr./Ms./Mrs.....(name of the candidate), s/o /D/oa resident of (Vill/PO/PS/District/State), aged..... yrs. a person(nature of disability/condition), and to state that he/she with has limitation which hampers his/her writing capability owing to his/her above condition. He/she requires support of scribe for writing the examination.

2. The above candidate uses aids and assistive device such as prosthetics & orthotics, hearing aid (name to be specified) which is/are essential for the candidate to appear at the examination with the assistance of scribe.

3. This certificate is issued only for the purpose of appearing in written examinations conducted by recruitment agencies as well as academic institutions and is valid unto _____ (it is valid for maximum period of six months or less as may be certified by the medical authority)

Signature of medical authority

(Signature & Name)	(Signature & Name)	(Signature & Name)	(Signature & Name)	(Signature & Name)
Orthopedic/ PMR specialist	Clinical Psychologist/ Rehabilitation Psychologist/psychiatrist/ Special Educator	Neurologist (if available)	Occupational therapist (if available)	Other Expert, as nominated by the Chairperson (If any)
(Signature & Name)				
Chief Medical Officer/ Civil Surgeon/Chief District Medical Officer..... Chairperson				

Name of Government Hospital/Health Care Centre with seal

Place:

Date:

परिशिष्ट-06 (2)

Letter of Undertaking by the person with specified disability covered under the definition of Section 2 (s) of the RPwD Act, 2016 but not covered under the definition of Section 2 (r) of the said Act, i.e. persons having less than 40% disability and having difficulty in writing.

I _____, a candidate with _____ (nature of disability/condition) appearing for the _____ (name of the examination) bearing Roll No. _____ at _____ (name of the center) in the District _____, _____ (name of the State). My educational qualification is _____.

2. I do hereby state that _____ (name of the scribe) will provide the service of scribe for the undersigned for taking the aforementioned examination.

3. I do hereby undertake that his qualification is _____. In case subsequently it is found that his qualifications is not as declared by the undersigned and is beyond my qualification. I shall forfeit my right to the post or certificate/diploma/degree and claims relating thereto.

(Signature of the candidate)

(Counter signature by the parent/guardian, if the candidate is minor)

Place:

Date:

परिशिष्ट-07

उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता संवर्ग 'समूह-ग') सेवा
(सामान्य शाखा एवं महिला शाखा) परीक्षा-2024

Check List

अनुक्रमांक –
आवेदित पद–

क्र० सं०	प्रमाण पत्रों/अभिलेखों का विवरण	संलग्न है अथवा नहीं
01	ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रति।	
02	विस्तृत आवेदन पत्र (प्रपत्र संख्या-02) अभ्यर्थी द्वारा स्वयं पूर्ण रूप से भरा हुआ।	
03	प्रमाणीकरण प्रपत्र (प्रपत्र संख्या-03) अभ्यर्थी द्वारा स्वयं पूर्ण रूप से भरा हुआ।	
04	देशना प्रत्रक (प्रपत्र संख्या-04) अभ्यर्थी द्वारा स्वयं पूर्ण रूप से भरा हुआ।	
05	हाईस्कूल प्रमाण-पत्र	
06	स्नातक उपाधि*	
07	स्नातक अंतिम वर्ष/सेमेस्टर की अंकतालिका	
08	सम्बद्ध विषय स्नात्कोत्तर उपाधि	
09	एल0टी0 डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र में स्नातक उपाधि (बी0एड0)	
10	अधिमानी अर्हताओं सम्बन्धी प्रमाण -पत्र। (यदि लागू हो)। (क) प्रादेशिक सेना में कम से कम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो। (ख) एन0सी0सी0 "बी" अथवा "सी" प्रमाण पत्र (ग) एन0एस0एस0 का 'सी' प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।	
11	सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप पर प्रदत्त लम्बवत् आरक्षण संबंधी प्रमाण-पत्र। (एस0सी0/एस0टी0/ओ0बी0सी0/ई0डब्लू0एस0)** (यदि लागू हो)	
12	सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप पर प्रदत्त क्षैतिज आरक्षण संबंधी प्रमाण-पत्र। (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित/उत्तराखण्ड महिला/उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक/उत्तराखण्ड राज्य में संचालित स्वैच्छिक या राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ बच्चे/उत्तराखण्ड के कुशल खिलाड़ी,(ओलम्पिक/विश्वकप/विश्व चैम्पियनशिप/एशियन खेल में पदक प्राप्त किया हो अथवा प्रतिभाग किया हो)/दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)	
13	स्थायी निवास प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो)	
14	पूर्व सैनिक आरक्षण का दावा किये जाने की स्थिति में पूर्व सैनिक अभ्यर्थी इस आशय का शपथ पत्र (Affidavit) अन्य अभिलेखों के साथ अवश्य संलग्न करें, कि उनके द्वारा पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ लेकर पहले कभी भी सरकारी सेवा में नियोजित नहीं हुए हैं।	
15	यदि अभ्यर्थी किसी केन्द्र अथवा राज्य सरकार/लोक प्रतिष्ठान के अधीन सेवारत है तो, सेवा नियोजक द्वारा प्रदत्त अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति।	
16	यदि अभ्यर्थी के नाम/पिता के नाम में विभिन्न प्रमाणपत्रों में साम्य न हो तो उक्त के संबंध में स्वघोषणा प्रपत्र मूल रूप में।	
17	पासपोर्ट साइज के 02 नवीनतम स्वप्रमणित फोटोग्राफ एवं एक फोटोयुक्त आई0डी0।	
18	विज्ञापन के बिन्दु सं०-05 में अनिवार्य/वांछनीय अर्हता (समूह ग पद हेतु) के क्रम में अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में दावित वांछित अर्हता (Required Eligibility)	

के अंतर्गत (Yes) चयनित किये गये निम्न बिन्दु/बिन्दुओं में से किसी एक के समर्थन में पुष्ट प्रमाण-पत्र/अभिलेख-	
1. Is Your name registered in any District Employment Office located in Uttarakhand State? अथवा	
2. Are You Employed? अथवा	
3. Have You passed your High School and Intermediate or any other equivalent exams from and recognized institution situated in the State of Uttarakhand? अथवा	
4.(i) Are you or your spouse or your parents regular employees of the Armed Forces/Paramilitary Forces serving in the state or Uttarakhand and whose services cannot be transferred outside the state of Uttarakhand? अथवा	
4.(ii) Are you or your spouse or your parents regular employees of the State Government/Semi Government organisation serving on a regular basis in the state of Uttarakhand and whose services cannot be transferred outside the state of Uttarakhand? अथवा	
4.(iii) Are you or your spouse or your parents regular employees of the Central Government organisation/Central Government Public service undertaking and are working regularly on the state of Uttarakhand and whose services cannot be transferred outside the state of Uttarakhand? अथवा	
5.(i) Are you permanent resident of Uttarakhand but residing outside Uttarakhand for livelihood/education purpose? अथवा	
5.(ii) Is your spouse or your parents permanent residents of Uttarakhand but are residing outside Uttarakhand for livelihood/education purpose?	

* यह स्पष्ट किया जाता है कि मा0 आयोग अंक-तालिकाओं को सम्बन्धित परीक्षा के मूल प्रमाण-पत्र अथवा डिग्री के स्थान पर मान्य नहीं समझते हैं और केवल अंक-तालिकाओं के आधार पर आपको सम्बन्धित परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं माना जाएगा। जिन परीक्षाओं के परीक्षाफल हाल में प्रकाशित हुये हों और परीक्षा संस्था (Examining Body) ने नियमित प्रमाण-पत्र (Certificate) अथवा उपाधि (Degree) नहीं दिये हों, उनके लिए औपबन्धिक प्रमाण-पत्र (Provisional Certificate) मूल प्रमाण-पत्र के स्थान पर जमा करना होगा।

** एस0सी0/एस0टी0/ओ0बी0सी0/ई0डब्लू0एस0 आरक्षण सम्बन्धित प्रमाण-पत्र विज्ञापन के अनुसार ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि तक वैध होना चाहिए। शासनादेश संख्या-310 दिनांक 26.10.2016 के अनुसार ओ0बी0सी0 प्रमाण-पत्र की वैधता निर्गत होने की तिथि से 03 वर्ष की अवधि तक ही है। अतः अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर ले कि उनका आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र उत्तराखण्ड राज्य की सेवाओ हेतु जारी हों।

*** यदि किन्हीं अभ्यर्थियों द्वारा एक से अधिक विषयों के सापेक्ष आवेदन किया गया हो तथा वे विषयवार लिखित परीक्षा में एक से अधिक विषयों में सफल घोषित किये गये हों, तो आयोग द्वारा मांगे जाने पर उनके लिए प्रत्येक विषय के सापेक्ष समस्त अभिलेखों की छायाप्रतियों के सैट पृथक-पृथक तैयार कर उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

**** ई0डब्लू0एस0 प्रमाण-पत्र वित्तीय वर्ष 2023-2024 की आय गणना के आधार पर निर्गत हुआ होना चाहिए।

नोट-अभ्यर्थी उक्तानुसार चैकलिस्ट सहित चैकलिस्ट में उल्लिखित समस्त अभिलेखों की छायाप्रति के 02 स्वप्रमाणित सेट पूर्णरूप से भरते हुए तैयार करेंगे एवं अभिलेख सत्यापन (Document verification) के समय आयोग में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

अभ्यर्थी का हस्ताक्षर.....

अभ्यर्थी का नाम.....